ಶುಭ್ ಲಾಭ್

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राज्य सरकार 9 विश्वविद्यालयों को बंद करने की दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति में पहुंची... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 13 मार्च, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-71

राजतंत्र की बहाली को लेकर नेपाल में मचा है बवाल!

राजा ज्ञानेंद्र की स्वागत-रैली में उछला योगी का नाम

काठमांडू, 12 मार्च (एजेंसियां)।

नेपाल में इस वक्त राजशाही के समर्थन में जबरदस्त प्रदर्शन हो रहे हैं। राजधानी काठमांडू में हाल ही में हजारों लोगों ने जुटकर लोकतांत्रिक तौर पर चुनी गई सरकार के विरोध में आवाज बुलंद की और देश में एक बार फिर राजशाही को लौटाने की मांग की। इस घटना के बाद नेपाल में लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, इस पूरे मामले में नया मोड़ तब आ गया, जब ऐसी ही एक रैली में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पोस्टर लहराया गया। महज एक पोस्टर को लेकर बवाल इतना बढ़ गया कि मसले पर नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली तक कूद पड़े और वार-पलटवार का दौर शुरू हो गया।

नेपाल में 2008 तक राजशाही शासन था। हालांकि, इसके बाद लोकतंत्र समर्थकों के प्रदर्शन शुरू हो गए, जिससे राजशाही को खत्म कर दिया गया और देश में चुनाव कराए गए। हालांकि, इस रविवार 9 मार्च को एक अजब घटना घटी। दरअसल, नेपाल के राजा ज्ञानेंद्र दो महीने तक धार्मिक दौरे पर पोखरा में रहने के बाद राजधानी काठमांडू लौटे थे। जब वे त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाहर उतरे तो उनके समर्थन में लाखों लोग जुट गए। इन लोगों में अधिकतर राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के कार्यकर्ता थे, जो कि राजशाही के समर्थन के लिए जाने जाते हैं। हालांकि, काठमांडू में जुटी भीड़ इतनी ज्यादा थी कि इसे संभालना भी मुश्किल हो गया। राजा ज्ञानेंद्र का स्वागत करने के लिए सिर्फ एयरपोर्ट पर ही भारी भीड़ जमा थी। इनमें आरपीपी के

योगी का पोस्टर देख मामले में कूदे पीएम ओली

अध्यक्ष लिंगदेन और नेपाल प्रमुख कमल थापा समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। इसके अलावा रास्ते में जुटी यह भीड़ इतनी ज्यादा थी कि राजा ज्ञानेंद्र को एयरपोर्ट से घर तक पांच किमी की दूरी पूरी करने में ढाई घंटे का समय लग गया।

जनसैलाब इतना बड़ा था कि काठमांडू पुलिस को एयरपोर्ट से लेकर निर्मल निवास राजपरिवार के घर तक सुरक्षा के इंतजाम करने पड़े। इस दौरान ही इस भीड़ में नारेबाजी शुरू हुई हमें अपना राजा वापस चाहिए। कई लोग हाथों में इससे जुड़े पोस्टर लिए भी दिखाई दिए। इनमें नेपाल से संघीय गणतांत्रिक प्रणाली को खत्म किया जाए और राजशाही को वापस लाओ जैसे नारे लिखे थे। इतना ही नहीं इन पोस्टरों में राजा ज्ञानेंद्र और नेपाल के झंडे की तस्वीरें भी लगाई गई थीं। लोगों ने नेपाल में हिंदू धर्म को राष्ट्रीय धर्म घोषित करने की भी मांग की। गौरतलब है कि नेपाल में राजशाही के अंत और लोकतंत्र के पूरी तरह से स्थापित होने के बावजूद देश में बीते 17 साल में 14 सरकारें बदल चुकी हैं। नेपाल में हालिया बदलाव मार्च 2024 और उसके बाद जुलाई 2024 में आया था। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी सेंटर) के प्रमुख पुष्प कमल दहल प्रचंड ने शेर बहादुर देउबा के नेतृत्व वाली नेपाली कांग्रेस पार्टी के साथ 15 महीने पुराना गठबंधन तोड़ दिया और केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) के साथ गठबंधन बनाया। हालांकि, संसद में फ्लोर टेस्ट के दौरान प्रचंड बहुमत साबित नहीं कर पाए। इसके बाद राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने बाकी पार्टियों को सरकार के लिए दावा पेश करने का न्योता दिया। केपी शर्मा ओली ने शेर बहादुर देउबा की नेपाली कांग्रेस का साथ हासिल करते हुए ▶10पर

भव्य समारोह में मॉरीशस के राष्ट्रपति धरम गोखूल के हाथों

मॉरीशस के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित हुए मोदी

पोर्ट लुई, 12 मार्च (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मॉरीशस के राष्ट्रपति धरम गोखूल ने मॉरीशस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं मॉरीशस के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। यह सिर्फ़ मेरा सम्मान नहीं है, यह 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। यह भारत और मॉरीशस के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों के प्रति श्रद्धांजलि है। यह वैश्विक दक्षिण की साझा आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतीक है। मैं इस पुरस्कार को पूरी विनम्रता और कृतज्ञता के साथ स्वीकार करता हूं। मैं इसे आपके पूर्वजों को समर्पित करता हूं जो सदियों पहले भारत से मॉरीशस आए थे। पीएम मोदी दूसरी बार मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस पर मुख्य अतिथि हैं। यह

यह 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है : मोदी

वैश्विक दक्षिण की आशा-आकांक्षा का प्रतीक है

सम्मान उन्हें पहली बार 2015 में मिला था। फ्रांस के बैस्टिल डे परेड के लिए भी पीएम मोदी को 2023 में आमंत्रित किया गया था। इससे पहले 2022 में पीएम मोदी बुद्ध जयंती समारोह के लिए नेपाल के लुंबिनी गए थे। 2021 में बांग्लादेश ने पीएम मोदी को अपने राष्ट्रीय दिवस समारोह में आमंत्रित किया था। 2017 में अंतरराष्ट्रीय वेसाक दिवस के लिए श्रीलंका की उनकी यात्रा ने सभ्यता और सांस्कृतिक कूटनीति में भारत के नेतृत्व को दर्शाया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस परेड में भारतीय नौसेना के हेलीकॉप्टर ने फ्लाईपास्ट किया। इससे पहले अहम बैठकों और संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस के ▶10पर

हरियाणा नगर निगम चुनाव में भी बजा भाजपा का डंका

कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया

चंडीगढ़, 12 मार्च (एजेंसियां)।

हरियाणा में हुए नगर निगम चुनाव 2025 के नतीजों ने कांग्रेस को शून्य पर समेट दिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 10 में से 9 नगर निगमों पर कब्जा जमा लिया। कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया। एकमात्र मानेसर में निर्दलीय उम्मीदवार डॉ. इंद्रजीत यादव ने बाजी मारी। भाजपा की इस शानदार जीत से पार्टी में खुशी की लहर है। वहीं कांग्रेस बिल्कुल सन्नाटे में आ गई है। हरियाणा भाजपा के अध्यक्ष मोहन लाल बडौली और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इसे ट्रिपल इंजन सरकार की जीत बताया। उनका कहना है कि जनता ने नायब सैनी और पीएम नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन पर भरोसा जताया है। पानीपत में भाजपा की कोमल सैनी ने 1,62,075 वोटों के साथ कांग्रेस की सविता गर्ग को 1,23,170 वोटों से हराया। गुरुग्राम में राजरानी मल्होत्रा, रोहतक में राम अवतार वाल्मीकि (1,02,269 वोट), हिसार में प्रवीण पोपली (96,329 वोट), करनाल में रेणु बाला गुप्ता (83,630 वोट), अंबाला में शैलजा सचदेवा (40,620 वोट), सोनीपत में राजीव जैन (57,858 वोट), फरीदाबाद में प्रवीन बत्रा जोशी

10 में से नौ निगमों में भाजपा एक निर्दलीय ने मारी बाजी

और यमुनानगर में सुमन बहमनी ने जीत हासिल की। फरीदाबाद में प्रवीन बत्रा जोशी ने 3,16,852 वोटों के रिकॉर्ड अंतर से जीत दर्ज की, जो देश में अब तक का सबसे बड़ा अंतर है। मानेसर में डॉ. इंद्रजीत यादव ने भाजपा के सुंदर लाल को 2,293 वोटों से हराया। कांग्रेस विधायक और पूर्व पहलवान विनेश फोगाट की जुलाना नगर पालिका सीट पर भाजपा के डॉ. संजय जांगड़ा 671 वोटों से जीते। ▶10पर

पाकिस्तान की सीमा से महज एक किलोमीटर दूर

भारत-पाक सीमा पर ऊर्जा परियोजना को मंजूरी

खावड़ा में आ रही नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)।

भारत सरकार ने भारत पाकिस्तान सीमा पर नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना को मंजूरी दे दी है। हालांकि इस मंजूरी के खिलाफ लोकसभा में कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के सांसदों ने बुधवार को विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार से संतोषजनक जवाब न मिलने पर सदन से वाकआउट किया।

वहीं, सरकार ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रस्ताव को मंजूरी देने से पहले केंद्र, राज्य और संबंधित एजेंसियों से मंजूरी ली जाती है। नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सरकार देश में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सभी जरूरी मंजूरी लेने के बाद ही लाइसेंस जारी किए जाते हैं और परियोजना को मंजूरी दी जाती है।

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा को साथ-साथ देखा जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि यह नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना ▶10पर

जिओ-एयरटेल से एलन मस्क की स्टारलिंक का डील

भारत में बदेलगा इंटरनेट बाजार, बढ़ेगी असुरक्षा

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)।

सैटेलाइट के सहारे इंटरनेट देने वाली कम्पनी स्टारलिंक भारत के बाजार में घुसने के लिए तैयार है। उसने भारत में सेवाएं देने के लिए देश की दोनों बड़ी टेलीकॉम कम्पनियों, रिलायंस जियो और एयरटेल से समझौता कर लिया है। यह जल्द ही भारत में यह ग्राहकों के लिए सेवाएं चालू करेगी। स्टारलिंक, कारोबारी एलन मस्क की कंपनी है। इसके भारत आने के साथ ही इंटरनेट क्षेत्र में बड़े बदलाव के संकेत हैं। इसके साथ ही कुछ सुरक्षा चिंताएं भी स्टारलिंक के प्रवेश के साथ सामने आई हैं। स्टारलिंक एक अमेरिकी इंटरनेट प्रदाता कंपनी है। इसे अमेरिका के कारोबारी एलन मस्क ने 2019 में चालू किया था। स्टारलिंक की शुरुआत दुनिया के किसी भी कोने में तेज इंटरनेट सेवा देने के लिए चालू की गई

स्टारलिंक के भारत आने से सुरक्षा जोखिम भी बढ़ेंगे

थी। स्टारलिंक वर्तमान में विश्व के 100 देशों में इंटरनेट देने में सक्षम है। स्टारलिंक चालू करने में 85 हजार करोड़ से अधिक का खर्च आया है। वर्तमान में 50 लाख से अधिक लोग स्टारलिंक की मदद से इंटरनेट चलाते हैं। स्टारलिंक किसी के घर या फिर चलती गाड़ी तक पर लगाया जा सकता है। इसे बड़ी कम्पनियों के लिए भी लॉन्च किया गया है। स्टारलिंक के नाम से ही लगता है कि इसका संबंध तारों से है। असल में स्टारलिंक सैटेलाइट के सहारे काम करता है। स्टारलिंक के हजारों सैटेलाइट पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किए गए हैं। यह सैटेलाइट पृथ्वी से लगभग 500 किलोमीटर ऊपर स्थापित हैं और लगातार पृथ्वी का चक्कर लगाते रहते हैं। वर्तमान में इन सैटेलाइट की संख्या लगभग 7000 है। स्टारलिंक की इंटरनेट सेवा लेने के लिए इसकी किट लेनी होती है। इसमें सबसे प्रमुख इसका एंटीना है। यह आपकी डीटीएच यानी डिश जैसी ही छतरी होती है। सफ़ेद रंग की यह छतरी आकार में चौकोर और पिज्जा के डिब्बे के आकार का होता है। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 88,820/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,01,170/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 34^0

न्यूनतम : 24^0

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बेबाक बयान

इस्लाम के उदय से पहले ही लिख गया था संभल का इतिहास

लखनऊ, 12 मार्च (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस्लाम के आने के हजारों साल पहले संभल का पुराणों में वर्णन किया गया था। इस तीर्थ का विकास कराया जा रहा है। सीएम योगी ने कहा, संभल एक सच्चाई है। हम जबरन किसी पर कब्जा करके किसी की आस्था को ठेस पहुंचाएं तो ये स्वीकार्य नहीं होगा। सन 1526 में संभल में श्री विष्णु हरि का मंदिर तोड़ा गया था और 1528 में अयोध्या में राम मंदिर को तोड़ा गया था। दोनों जगहों पर मीर बांकी के द्वारा यह कृत्य किया गया था। यह बात जगजाहिर है।

संभल की प्राचीनता के बारे में बात करते हुए सीएम योगी ने कहा, संभल के बारे में जो उद्धरण आते हैं वो आज से 5000 साल पहले से लेकर 3500 साल पहले तक रचे गए हमारे पुराणों में आते हैं। उनमें कहा गया है कि यहां भगवान विष्णु श्रीहरि का 10वाँ अवतार होगा। इस्लाम का उदय हुए 1400 वर्ष हुए हैं और मैं बात कर रहा हूं 3500 साल पहले से लेकर 5000 साल पहले की। यानी इस्लाम के उदय के 2000 साल से लेकर 3500 साल

अब संभल तीर्थ का विकास करेगी उत्तर प्रदेश सरकार

पहले की।

संभल में सरकार द्वारा कराए जा रहे कार्यों के बारे में बात करते सीएम योगी ने कहा, संभल एक तीर्थ रहा है। 68 तीर्थ थे वहां पर। अभी हम केवल 18 निकाल पाए हैं। यहां 19 कूप थे। सभी कूपों को हमने खोज लिया है और अब उनका उत्खनन करा रहे हैं। 56 वर्ष के बाद वहां भगवान शिव के मंदिर में जलाभिषेक हो पाया है। सीएम योगी ने कहा, मैं एक योगी हूं।

हर पंथ, संप्रदाय, उपासना विधि का सम्मान करता हूं। कभी गोरखनाथ पीठ आएंगे तो देखेंगे कि वहां पर एक पंक्ति में बैठकर हर पंथ, धर्म और जाति के लोग प्रसाद ग्रहण करते हैं। कोई भेदभाव नहीं होता है। मेरे बारे चाहे कोई कुछ भी सोचे, लेकिन मैंने तो भगवा धारण किया है। यह सनातन का गौरव है और यह भगवा एक दिन सारी दुनिया धारण करेगी।

समाजवादी पार्टी सहित पिछली सरकारों पर हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, लैंड जेहाद के माध्यम से इस पौराणिक स्थली पर भी कब्जा करवा दिया गया था।

ये सब पिछली सरकारें करवा रही थीं। कोई सोच सकता था कि गुलामी के कालखंड में जिस अक्षयवट का दर्शन करने के लिए श्रद्धालु लालायित रहते थे, लेकिन 500 वर्षों तक वे दर्शन नहीं कर पा रहे थे। अक्षयवट, पातालपुरी और सरस्वती को कैद करके रख दिया गया था।

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

जीतो बिजनेस नेटवर्क मेंबर्स कनेक्ट 4.0 के तहत बिजनेस सिनर्जी के चौथे संस्करण का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

व्यापार व व्यवसाय में अभिवृद्धि के उद्देश्य से जीतो बेंगलूरु साउथ, जीतो बिजनेस नेटवर्क के तत्वावधान में, चौथा संस्करण मेंबर्स कनेक्ट 4.0, बिजनेस सिनर्जी कार्यक्रम, जो अपने सदस्यों के बीच अर्थपूर्ण संबंधों और व्यावसायिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए एक माइक्रो मीटिंग है का आयोजन किया गया। यहां जीतो कार्यालय में इसका आयोजित किया गया, जिसमें कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों और प्रबंधन समिति के सदस्यों ने भाग लिया। इस संरचित दृष्टिकोण से यह सुनिश्चित होता है कि सभी 880 सदस्यों तक पहुंचा जा सके, जिससे विविध सदस्यता आधार के बीच बेहतर नेटवर्किंग सुविधा प्रदान की जा सके।

कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र और दीप प्रज्ज्वलन के साथ की गई। संस्था के दिग्गजों तथा वक्ताओं की उपस्थिति में सत्र का शुभारंभ किया गया। जीतो बेंगलूरु साऊथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। उन्होंने सदस्यों को जीतो परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी, जिनमें जेबीएन, जेआईआईएफ, सीएफई, स्पोर्ट्स, माइनॉरिटी, मैट्रिमोनी, जेएटीएफ, श्रमण आरोग्यम, महिला विंग और इंटरनेशनल विंग्स शामिल हैं। उन्होंने सदस्यों को आगामी कार्यक्रमों के बारे में सूचित किया। जीतो फाउंडेशन डे और ग्रो 10 एक्स विद वर्क-लाइफ बैलेंस 23 मार्च 2025 को, विश्व नवकार दिवस 9 अप्रैल 2025 को, महावीर जयंती 10 अप्रैल 2025 और जीतो स्पोर्ट्स टेनिस क्रिकेट लीग 2025 1 से 4 मई 2025 तक जेआईएसआर, कनकपुरा में आयोजित होगा। उन्होंने सभी सदस्यों को अपने परिवार के साथ इन कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। प्रतीक गांधी, सचिव, जीतो बेंगलूरु साउथ ने पहल के उद्देश्य के बारे में बताया, सदस्यों के व्यवसाय को समझना और बंधन को बढ़ावा देने के बारे में बताया।

वर्णमाला के अनुसार प्रगति सुनिश्चित करेगी कि सभी सदस्यों तक पहुंचा जा सके, जिससे बेहतर नेटवर्किंग सुविधा प्रदान की जा सके और सदस्यों को 2024-26 के लिए प्रबंधन समिति के सदस्यों को जानने में मदद मिल सके। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भरत ओसवाल, उप चेयरमैन जेआईआईएफ जीतो एपेक्स ने जेआईआईएफ के माध्यम से पिचिंग और निवेश की अवधारणा पर एक सारगर्भित संबोधन दिया।

उन्होंने जेआईआईएफ के महत्व को रेखांकित किया, जो एक मंच के रूप में कार्य करता है जो जीतो इकोसिस्टम के भीतर स्टार्टअप्स, उद्यमियों और छोटे व्यवसायों के लिए निवेश और फंडिंग अवसर प्रदान करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जेआईआईएफ निवेशकों और उद्यमियों के बीच की खाई को पाटने का उद्देश्य रखता है, जो नवाचारी विचारों को निधि और पैमाने पर सुरक्षित करने के लिए एक माध्यम प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि उद्यमी अपने विचारों को प्रभावी ढंग से कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं और निवेश कैसे सुरक्षित कर सकते हैं, जिसमें एक सफल पिच के आवश्यक तत्वों को शामिल किया गया है, जैसे स्पष्ट और संक्षिप्त संचार, आकर्षक कहानी सुनाना, मजबूत वित्तीय अनुमान और गति और मील के पत्थर को प्रदर्शित करना। श्रीपाल बचावत, सचिव जीतो एपेक्स ने प्रौद्योगिकी की शक्ति पर एक सारगर्भित संबोधन दिया, जो संचार में सुधार और जीतो एपेक्स में नवीनतम विकास पर इसके महत्वपूर्ण प्रभाव को बढ़ाता है। कार्यक्रम में जीतो बेंगलूरु साउथ के उप चेयरमैन महेंद्र जियानी व महेंद्र रांका, कोषाध्यक्ष नेमीचंद चोपड़ा, सह कोषाध्यक्ष कोषाध्यक्ष महावीर दांतेवाड़िया, परियोजना संयोजक मनीष गुलेच्छा और प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम का समापन महावीर भंसाली द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में 50 सदस्यों की उपस्थिति रही।

जब तक हम खुद को संसारी मानेंगे तब तक यह संसार छूटने वाला नहीं: डॉ. समकितमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर बेंगलूरु में विराजित डॉ. समकितमुनि ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए बात अपनों की बात अपनों से प्रवचन श्रृंखला के अंतर्गत कहा कि संसार में रहकर हमने खुद को संसारी मान लिया। लेकिन हकीकत में हम संसारी नहीं है। हमने क्रोध को जीवन में अपना लिया, राग द्वेष को अपना स्वभाव मान लिया। जिस दिन यह एहसास हो जाएगा कि मैं संसारी नहीं हूँ उस दिन यह संसार छूट जाएगा। शेर का बच्चा जब तक भेड़ के बीच में रहेगा उसे पता नहीं लगेगा कि मैं शेर का बच्चा हूँ। जब तक हम खुद को संसारी मानेंगे तब तक यह संसार छूटने वाला नहीं है। संत दर्शन आत्म दर्शन की ओर ले जाता है। वे बड़े ही सौभाग्यशाली होते है जिन्हें संसार में संत दर्शन होते है। संत दर्शन से जीवन में बड़ा परिवर्तन आता है। रोहिणी चोर ने संत वाणी सुनी और जीवन बदल गया। चंडकौशिक ने प्रभु को सुना और जीवन बदल गया। जीवन में बदलाव लाने के लिए ज्यादा सुनना जरूरी नहीं है चंद शब्दों को सुनकर ही हम अपना जीवन बदल सकते है। उन्होंने कहा कि ना संत बनने में समय लगता है और ना ही मोक्ष प्राप्ति में समय लगता है। समय लगता है तो संत से मोक्ष मार्ग के बीच की यात्रा में। गुरु से भी बढ़कर गुरु की आज्ञा है। भगवान को मानकर भी भगवान की आज्ञा को नहीं मानते तो भगवान को नहीं मानने के बराबर है। आज्ञा ही धर्म है। धर्मात्मा पर संकट आते ही आते है। आज्ञानुसार चलोगे तो संकट आयेंगे ही। धर्म अंगीकार करने के बाद परिश्रह और उपसर्ग आते ही है। धर्म संकट लाता है। जो संकट की घड़ी में आगे बढ़ जाता है वह सुख को प्राप्त करता है। आज्ञा में आनंद नहीं है पर आज्ञा की पालना के बाद जो आनंद मिलता है उसका कोई मुकाबला नहीं है। जिंदगी को कोसोगे तो जिंदगी हमें बर्बाद कर देगी। जो कार्य हम करते है उसे अपना सौभाग्य समझो। बड़ों की आज्ञा के साथ बड़ों का आशीर्वाद भी आवश्यक है। आशीर्वाद से बिगड़े काम भी बन जाते है। इस अवसर पर पुणे, मैसूरु, नंजनगुड, रायचूर, जयपुर, हैदराबाद, औरंगाबाद व अन्य नगरों से श्रद्धालुगण, जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारी तथा विभिन्न संघ संस्थाओं के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। डॉ. समकितमुनि का होली चातुर्मास का भव्य आयोजन 13 मार्च को राजाजीनगर संघ के तत्वावधान में 2-2 सामायिक एवं धर्म आराधना द्वारा अशोका कन्वेंशन हॉल, राजाजीनगर में आयोजित होगा। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

साइक्लोथॉन 3.0 का आयोजन

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम-हासन ने साइक्लोथॉन का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत टीपीएफ सदस्य पूजा कोठारी और उनकी टीम द्वारा मंगलाचरण से हुई। अध्यक्ष प्रकाश भंसाली ने सभी का स्वागत किया और कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी तथा युवाओं में फिटनेस के महत्व के बारे में बताया।

उन्होंने नए टीपीएफ सदस्यों बबीता जैन, करुणा जैन, कुशल तातेड़ का भी स्वागत किया। इसके बाद हेम प्रकाश असोरिया (तेरापंथ सभा सदस्य) द्वारा वार्म-अप एक्सरसाइज कराई गई। साइक्लोथॉन तेरापंथ सभा भवन से निकलकर गांधी बाजार, महावीर सर्कल, आरसी रोड, स्लेटर्स हॉल, हेमावती प्रतिमा, पुराने बस स्टैंड रोड, कस्तूरबा रोड से शुरू होकर तेरापंथ सभा भवन तक कुल 4.5 किलोमीटर की दूरी के साथ समाप्त हुई। कार्यक्रम के दौरान दो पड़ाव दिए गए, एक स्लेटर्स हॉल सर्कल पर, जहां भाग लेने वाले सभी सदस्यों को जूस वितरित किया गया। दूसरा पड़ाव हेमावती प्रतिमा पर था, जहां सभी लोग अपनी साइकिलों के साथ एकत्र हुए, कोषाध्यक्ष-मुकेश सुराणा ने रूट प्लान के साथ मार्गदर्शन किया। श्रेयांस सुराणा ने वीडियो कवर किए। टीपीएफ सदस्य सुरेश तातेड़, निकिता सुराना, मलनाड अध्यक्ष महावीर भंसाली, तेरापंथ सभा मंत्री विमल कोठारी, महिला मंडल अध्यक्ष कौशल्या तातेड़, मंत्री पिंकी गुलगुलिया, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष नितेश सुराणा, मंत्री मनीष तातेड़ एवं महिला मंडल, ज्ञान शाला के बच्चों, सर्व समाज कार्यक्रम का हिस्सा रहे। मंत्री प्रणव कोठारी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा की नई कार्यकारिणी का गठन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के सनमान गार्डेनिया होटल में बुधवार शाम को मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा की (2024-25) कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। जिसमें (2025-26) नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। बैठक में सलाहकार समिति से पूर्व अध्यक्ष बिकास पोद्दार, पंकज जालान और वर्तमान कार्यकारिणी और नई कार्यकारिणी से सभी सदस्य उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू ने सभी के स्वागत से की और अपने कार्यकाल के लिए सभी का आभार जताया। वर्तमान सचिव शुभम लोहिया ने साल भर में हुए सभी कार्यक्रमों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। वर्तमान कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने पूरे साल की वित्तीय रिपोर्ट प्रस्तुत की। उसके बाद चुनाव अधिकारी और पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी ने नई कार्यकारिणी की घोषणा की। जिसमें अध्यक्ष गोपाल कुमार अग्रवाल, सचिव सनी जैन और कोषाध्यक्ष विवेक खंडेलवाल को बनाया गया। अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू ने (2025-26) नई कार्यकारिणी को बधाई देते हुए भविष्य में मायूम बेंगलूरु का नाम गौरतापूर्वक ऐसे ही आगे बढ़ते रहने की शुभकामनाएं दी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। महालिंगेश्वर सेवा ट्रस्ट बेंगलूरु द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के रवीश एवं अन्य लोगों ने विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित किया।

महावीर स्वामी ने मानव को मानवता का पाठ पढ़ाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में डॉ. मुनि पदमचंद्र जी ने कहा कि धर्म भाव प्रधान होता है। बाहरी क्रियाओं से ज्यादा भाव महत्व रखते हैं। हम त्वरित प्रतिक्रिया से बचें। काल के प्रभाव से चर्या में समय समय पर बदलाव होते आए हैं और प्रति व्यक्ति की क्षमता भी भिन्न भिन्न होती है। मुनि पदमचंद्र जी ने कहा कि भगवान महावीर का समय नारी और पशु पर अत्याचार का था। दास प्रथा थी और दास दासी को संपदा माना जाता था। समाज बंटा हुआ था तथा देह का शोषण होता था। महावीर स्वामी ने मानव को मानवता का पाठ पढ़ाया। भगवान महावीर ने कहा कि हमें किसी को अपनी नजर से तौलने का अधिकार नही है। आज अल्प ज्ञान के कारण राग द्वेष फैल रहा है और आपस में टकराहट बढ़ रही है। द्रव्य क्षेत्र काल और भाव के प्रभाव में साधु चर्या में उतार चढ़ाव आ सकते हैं। हमे गुण दृष्टि रखनी चाहिए। दोष देखने वाले अपना ही नुकसान कर लेते हैं। दोष देखना है तो अपने देखे। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि होली चातुर्मास पर्व पर गुरुवार को मुदलियार संघ कन्वेंशन हाल में मुमुक्षु का अभिनंदन होगा और आचार्य जय गच्छ के चातुर्मास स्थल की घोषणा करेंगे। संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने स्वागत किया।

केपीएससी की खामियों को दूर करे सरकार: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई.विजयेन्द्र ने कहा कि राज्य में लाखों छात्र अपना भविष्य संवारने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने विधान सौधा में केपीएससी परीक्षा के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा दिए गए उत्तर के बारे में बात की। आज हर कोई, चाहे वह किसी भी पार्टी का हो, इसके पक्ष में है। उन्होंने कहा कि कुछ कमियां हैं और उनके कारणों पर गौर करने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि ऐसी कई खामियां कई वर्षों से लगातार चली आ रही हैं, जैसे परीक्षा के परिणाम जारी न होना, रिजल्ट जारी होने के बावजूद साक्षात्कार न होना। इसे तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचना होगा। मुख्यमंत्री जी ने भी अच्छा जवाब दिया है। विपक्षी नेता सहित सभी ने अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि इसका तार्किक निष्कर्ष निकाला जाना चाहिए।

छात्रों के भविष्य के लिए आयु में छूट दी जानी चाहिए। पुनः परीक्षा भी आयोजित की जानी चाहिए। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि ऐसी घटना दोबारा न हो।

भोवी डेवलपमेंट कॉरपोरेशन घोटाला मामला

महिला वकील को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में डीएसपी गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भोवी विकास निगम घोटाले में आरोपी अधिवक्ता एस जीवा की आत्महत्या मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने पुलिस उपाधीक्षक (डीवाईएसपी) बी एम कनकलक्ष्मी को आत्महत्या के लिए उकसाने और भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया है। डीवाईएसपी कनकलक्ष्मी को मंगलवार सुबह बेंगलूरु में जांच अधिकारियों के समक्ष पेश होने के बाद हिरासत में लिया गया। एसआईटी ने उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि करने से पहले दो बार उनका बयान दर्ज किया था। लकड़ी की सामग्री की दुकान चलाने वाली बेंगलूरु की 33 वर्षीय व्यवसायी जीवा ने 22 नवंबर, 2024 को 11 पन्नों का डेथ नोट छोड़ कर आत्महत्या कर ली थी। नोट में, उसने आरोप लगाया कि डीवाईएसपी कनकलक्ष्मी से उसे हिरासत में थर्ड-डिग्री ट्रीटमेंट सहित गंभीर उत्पीड़न का सामना

करना पड़ा, उसे नग्न कर दिया और आगे की जांच से बचने के लिए 25 लाख रुपये की रिश्वत मांगी। मृतक महिला के परिवार ने सीआईडी अधिकारियों पर उसकी दुकान पर उसे परेशान करने और उसके कर्मचारियों के सामने अपमानित करने का भी आरोप लगाया। कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद सीआईडी द्वारा पूछताछ के सात दिनों के भीतर जीवा ने आत्महत्या कर ली, जिसमें उससे ऑनलाइन पूछताछ की अनुमति थी। परिवार की कार्रवाई की मांग के बाद, जीवा की छोटी बहन एस संगीता ने डीएसपी कनकलक्ष्मी के खिलाफ बेंगलूरु के बनशंकरी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। अधिवक्ता संघ ने भी अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आग्रह करते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय का रुख किया। आरोपों को गंभीरता से लेते हुए, उच्च न्यायालय ने मामले की विस्तृत जांच करने के लिए दो आईएएस अधिकारियों और एक सीबीआई अधिकारी की तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया। भोवी विकास निगम घोटाला, जो 2022 में भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान सामने आया, समुदाय के कल्याण के लिए निर्धारित 34 करोड़ रुपये की हेराफेरी से जुड़ा था। इसमें से 7.16 करोड़ रुपए कथित तौर पर जीवा के स्वामित्व वाली कंपनी अन्निका एंटरप्राइजेज को हस्तांतरित किए गए, जबकि शेष राशि निगम के पूर्व प्रबंध निदेशकों के करीबी सहयोगियों से जुड़ी फर्मों में डाली गई। जांच में पता चला कि बिचौलियों ने भोवी निगम के अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके 10 लाख रुपए तक का ऋण देने के बहाने लाभार्थियों से सरकारी दस्तावेज हासिल किए। इसके बजाय, उन्होंने इन दस्तावेजों का इस्तेमाल अनजान व्यक्तियों के नाम पर ऋण लेने के लिए किया। यह घोटाला तब सामने आया जब बैंकों ने पीड़ितों से पुनर्भुगतान की मांग शुरू की। गबन किए गए धन के प्राप्तकर्ता के रूप में कई बैंक खातों की पहचान होने के बाद, एसआईटी पैसे के स्रोत का पता लगाने और इसमें शामिल लोगों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए अपनी जांच तेज कर रही है।

मोहे रंग दे होली पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन कर्नाटक की महिला विंग द्वारा होली के उपलक्ष्य पर 'मोहे रंग दे होली संग सहेली' का विशेष आयोजन किया गया। आई वी एफ के प्रवक्ता और सहमंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि महिलाओं को सांस्कृतिक सशक्तिकरण की नई पहल के अंतर्गत नृत्य एवं संगीत को नई ऊंचाई प्रदान करने हेतु यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। महिला अध्यक्षा रितु अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर सूरत से रितु गुप्ता को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में 200 से अधिक महिलाओं ने उनसे नृत्य की बारीकियों को सीखा। होली के आगमन पर फूलों से होली खेली गई और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। गीत, नृत्य और अन्य मनोरंजक प्रस्तुतियों के इस तरह के कार्यक्रमों से समाज में प्रेम और एकता का संदेश जाता है। इस कार्यक्रम में आर पी रविशंकर, बिपिन राम अग्रवाल, नीरज बंसल, शबरीश और अलग अलग समाज से वरिष्ठ लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का कार्यभार पूजा सचिव, सोनू अग्रवाल मुख्य सलाहकार, अनीता जिंदल और स्वाति गुप्ता ने संभाला। इस कार्यक्रम के प्रायोजक स्वामित्व रियल एस्टेट ग्रुप, मानस साड़िज बनारस वाले, उकेरा डायमंड्स, प्रगति डेंटल केयर का स्वागत सत्कार किया गया। सचिव पूजा ने इस शानदार कार्यक्रम की समाप्ति पर उपस्थित सभी लोगों का आभार जताया।

टैक्स के पैसे की बर्बादी शर्मनाक मुद्दा

राज्य सरकार 9 विश्वविद्यालयों को बंद करने की दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति में पहुंची: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई.विजयेन्द्र ने कहा कि यह शर्मनाक है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार गारंटी कार्यान्वयन समितियां बना रही है और राज्य के टैक्स का पैसा इन समितियों को वेतन के रूप में दे रही है।

बेंगलूरु के विधान सौधा में केंगल हनुमंतैया प्रतिमा के पास भाजपा-जेडीएस दलों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र, जिला और राज्य के लिए एक व्यक्ति की नियुक्ति की गई है। उन्होंने कहा कि लाखों रुपए वेतन और कैबिनेट दर्जा देना निंदनीय है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और शिक्षकों का मानदेय नहीं बढ़ाया जा सका है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि गर्म भोजन बनाने वालों, नर्सों और आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय नहीं बढ़ाया जा रहा है। यह मुद्दा मंगलवार को सदन में भाजपा और जेडीएस सदस्यों द्वारा उठाया गया था। मीडिया प्रतिनिधियों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग विधायक पद के लिए चुनाव लड़े और हार गए, उनके बच्चों को गारंटी कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने हाईकोर्ट में भी इस पर सवाल उठाया है। क्या गारंटी को लागू करने के लिए कोई जिला कलेक्टर या तहसीलदार नहीं हैं? उन्होंने पूछा कि क्या कार्यकर्ताओं का उपयोग किया जाना चाहिए? राज्य सरकार 9 विश्वविद्यालयों को बंद करने की दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति में पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि कई ज्वलंत मुद्दे हैं। एक पत्रकार के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सरकार ने 9 विश्वविद्यालयों में गरीबों के लिए उच्च शिक्षा में कटौती करने का कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी की बेटी 30-40 बार विदेश यात्रा कर चुकी है और वह बेंगलूरु में शाही आतिथ्य का प्रस्ताव रखती है। उन्होंने पूछा कि यदि वह एक बार 14 किलो सोना लेकर आई थी तो 30-40 बार कितना सोना लेकर आई होगी। ऐसी अफवाहें हैं कि इसके पीछे मंत्री की कोई साजिश है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि आप यह जानते हैं कि विधायक सोमशेखर सरकार के पक्ष में बयान क्यों दे रहे हैं। प्रदेश भाजपा ने इस संबंध में कुछ निर्णय लेकर केन्द्रीय नेतृत्व को भेज दिया है। इस संबंध में प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा की जा रही है। इस मौके पर विपक्षी नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, जेडीएस विधायक दल के नेता सुरेश बाबू, जेडीएस विधान परिषद के नेता बोजे गौड़ा और भाजपा-जेडीएस विधायक और विधान परिषद सदस्य उपस्थित थे।

5 गारंटी योजनाएं बंद नहीं की जाएंगी

इससे पहले राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने विधानसभा में कहा था कि जब तक राज्य सरकार है, तब तक 5 गारंटी योजनाएं बंद नहीं की जाएंगी। प्रश्नोत्तर काल के दौरान हस्तक्षेप करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा तथा गृहणियों के लिए 2,000, युवाओं के लिए युवानिधि सहित 5 गारंटी योजनाएं 52 हजार करोड़ रुपये की लागत से लागू की हैं। यह जाँचने के लिए कि यह लाभार्थियों तक पहुँच रहा है या नहीं, कार्यकर्ताओं को भेजने में क्या गलत है? देश की जनता ने हमें 138 से अधिक विधायक सीटें देकर सशक्त किया है। हम विधायक की अध्यक्षता में समिति की मांग पर कैबिनेट बैठक में चर्चा करेंगे और निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि तब तक कार्यकर्ता समिति में बने रहेंगे। देश में गारंटी के क्रियान्वयन को लेकर बहस चल रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि गारंटीशुदा क्रियान्वयन संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि वे 5-गारंटी लागू करेंगे तो वे दिवालिया हो जायेंगे। यह महसूस करते हुए कि देश में मूल्य वृद्धि के कारण लोग परेशान हैं, हमने गारंटी योजनाएं लागू कीं। उन्होंने गारंटी योजनाओं के कार्यान्वयन का बचाव करते हुए कहा कि यह महाराष्ट्र और दिल्ली में भी शुरू किया गया है, जहां भाजपा सत्ता में है।

परिसीमन विवाद मामला

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बहु-राज्यीय लड़ाई को दिया समर्थन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने संसद सीटों के परिसीमन पर केंद्र सरकार से लड़ने के लिए तमिलनाडु द्वारा बनाए जा रहे बहु-राज्यीय गठबंधन में शामिल होने पर सहमति जताई है। सिद्धरामैया ने तमिलनाडु के वन मंत्री के पोनमुडी और राज्यसभा सदस्य एम एम अब्दुल्ला के साथ यहां अपनी बैठक के दौरान समर्थन व्यक्त किया। प्रतिनिधिमंडल सिद्धरामैया को संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) में शामिल होने के लिए आमंत्रित करने आया था, जिसे तमिलनाडु केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और पंजाब के साथ मिलकर बना रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार से भी मुलाकात की। सिद्धरामैया के कार्यालय से जारी एक बयान के अनुसार, उन्होंने तमिलनाडु के अपने समकक्ष एम के स्टालिन से भी फोन पर बात की। बयान में कहा गया मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने दक्षिणी राज्यों की लड़ाई को अपना समर्थन दिया। बयान में कहा गया है कि सिद्धरामैया ने तमिलनाडु प्रतिनिधिमंडल से कहा कि कर्नाटक बिना किसी हिचकिचाहट के केंद्र सरकार के किसी भी कदम की निंदा करेगा जो राज्य के हितों को नुकसान पहुंचाता है, लोकतंत्र को कमजोर करता है और संघवाद के खिलाफ है। स्टालिन 22 मार्च को चेन्नई में जेएसी की पहली बैठक की मेजबानी कर रहे हैं, ताकि परिसीमन पर आगे की सामूहिक दिशा तय की जा सके। स्टालिन ने कहा रिपोर्ट बताती है कि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन की कवायद पर विचार किया जा रहा है, जिसके दो संभावित तरीके हैं। उन्होंने बताया पहले मामले में, मौजूदा 543 सीटों को राज्यों के बीच फिर से वितरित किया जा सकता है और दूसरे मामले में, सीटों की कुल संख्या 800 से अधिक हो सकती है। दोनों परिदृश्यों में, यदि यह कवायद 2026 के बाद की जनसंख्या पर आधारित है, तो सभी राज्य जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण उपायों को सफलतापूर्वक लागू किया है, उन्हें काफी नुकसान होगा। हमें जनसंख्या वृद्धि को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने और राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों को बनाए रखने के लिए इस तरह दंडित नहीं किया जाना चाहिए। पिछले साल जीएसटी परिषद में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करने वाले राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने कहा था कि अगर नई जनगणना के आधार पर परिसीमन होता है तो दक्षिण भारत में संसद की सीटों की संख्या 129 से घटकर 103 रह सकती है। उन्होंने कहा हम नई जनगणना के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन 1971 की जनगणना की आनुपातिकता को बनाए रखा जाना चाहिए।

राज्यपाल से मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन

गारंटी क्रियान्वयन समिति के अध्यक्ष विधायकों के अधिकारों में कटौती कर रहे: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि राज्य में गारंटी क्रियान्वयन समिति के अध्यक्ष विधायकों के अधिकारों में कटौती करने का काम कर रहे हैं। राज्यपाल से मुलाकात कर अपना अनुरोध प्रस्तुत करने के बाद उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से बात की। भाजपा-जेडीएस प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को राज्यपाल से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि हमने राज्यपाल के संज्ञान में लाया है कि राज्य में कांग्रेस सरकार द्वारा गारंटी को लागू करने के लिए तालुका, जिला और राज्य स्तर पर अध्यक्षों की नियुक्ति करना पूरी तरह से असंवैधानिक कदम है। उन्होंने कहा कि यह साबित हो गया है कि राज्य की जनता के टैक्स के पैसे का दुरुपयोग किया गया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने सरकार से इस मामले में स्पष्टीकरण देने और मध्यस्थता करने की अपील की है। मेरे अपने विधानसभा क्षेत्र में जिला प्रभारी मंत्री ने स्कूल-कॉलेजों की प्रभारी समितियों को शिकारीपुरा तालुक गारंटी कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष द्वारा दिए गए नाम पर विचार करने के निर्देश दिए हैं। इसी प्रकार का कार्य अन्यत्र भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि वे इस संबंध में सदन में एक प्रस्ताव पेश करेंगे। उन्होंने विधायकों के अधिकारों में कटौती करने के लिए मंत्री की आलोचना की।

गारंटी विवाद से कार्यवाही बाधित, विपक्षी दलों ने विधानसभा में धरना दिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य सरकार की गारंटी क्रियान्वयन समितियों को समाप्त करने की मांग को लेकर विपक्षी दलों द्वारा शुरू किया गया धरना बुधवार को विधानसभा में जारी रहा। इस प्रकार दूसरे दिन की कार्यवाही भी गारंटी हंगामे की भेंट चढ़ गई। जहां भाजपा और जेडीएस विधायक गारंटी कार्यान्वयन समिति को समाप्त करने के अपने रुख पर अड़े रहे और अपना प्रतिरोध जारी रखा, वहीं सत्तारूढ़ कांग्रेस और सरकार भी गारंटी कार्यान्वयन समितियों को समाप्त करने पर सहमत नहीं हुई। मानो वे हठपूर्वक अपने पुराने रुख पर अड़े हुए थे, दोपहर तक एजेंडे में शामिल कोई भी कार्य नहीं किया गया। यहां तक कि अध्यक्ष की अध्यक्षता में चल रही पर्दे के पीछे की वार्ता भी निष्फल रही। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले सरकार और विपक्षी दलों के नेताओं के बीच मध्यस्थता बैठक हुई। मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान जेडीएस विधायक एम.टी. कृष्णप्पा द्वारा गारंटी कार्यान्वयन समिति के संबंध में पूछे गए प्रश्न पर प्रशासन और विपक्ष के बीच बहस हो गई। इसके अलावा, मंगलवार को भी चीजें सुचारू रूप से नहीं चलीं। आरोप-प्रत्यारोप और धरने के कारण कार्यवाही बाधित हुई। बुधवार सुबह जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो भाजपा और जेडीएस के विधायकों ने स्पीकर के सामने धरना दिया और गारंटी क्रियान्वयन समितियों को समाप्त करने की मांग की। स्पीकर यूटी खादर ने सदन में समय पर पहुंचे विधायकों के नाम पढ़े। प्रदर्शनकारी विपक्षी विधायकों ने सरकार से कार्यान्वयन समिति को समाप्त करने की मांग की। इस अवसर पर बोलते हुए अध्यक्ष ने कहा कि यह मुद्दा मंगलवार से बार-बार उठाया जा रहा है। इससे कामकाज में भी बाधा आ रही है। प्रशासन और विपक्ष को एक साथ आकर सुचारू कामकाज के लिए समाधान ढूंढना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि कार्यवाही आयोजित की जाए। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा हमारा इरादा सदन की कार्यवाही को स्थगित रखना नहीं है। लेकिन कार्यान्वयन समितियों की गारंटी के लिए सरकारी खजाने से धन उपलब्ध कराने का विरोध किया जा रहा है। राज्य सरकार संकट में है। बिलों का भुगतान करने के लिए संघर्ष हो रहा है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और अतिथि व्याख्याताओं को समय पर मानदेय का भुगतान नहीं किया जा रहा है। भाजपा विधायक वी. सुनील कुमार ने कहा आप जनता के टैक्स का पैसा गारंटी क्रियान्वयन समितियों के अध्यक्षों और सदस्यों को क्यों देते हैं? हम तालुक पंचायत कार्यकारी अधिकारियों के वेतन में कटौती करने से इनकार नहीं करेंगे। यह देखते हुए कि स्थिति सामान्य नहीं हुई है, अध्यक्ष ने महसूस किया कि कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाना संभव नहीं होगा, इसलिए सदन की कार्यवाही अपराह्न 1.45 बजे स्थगित कर दी।

राज्यपाल ने पैलेस ग्राउंड्स भूमि के लिए टीडीआर को अस्वीकार करने वाले विधेयक पर हस्ताक्षर किए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने पैलेस ग्राउंड्स की भूमि के लिए टीडीआर देने से इनकार करने संबंधी विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए हैं, जो अधिनियम के रूप में लागू होगा। इसके अलावा, राज्य सरकार जल्द ही इस संबंध में अधिसूचना जारी करेगी और इसे सुप्रीम कोर्ट में पेश करने की तैयारी कर रही है। राज्य सरकार ने बेंगलूरु पैलेस ग्राउंड में स्थित 472 एकड़ 16 गुंटे भूमि में से 15 एकड़ 29 गुंटे भूमि का उपयोग सड़क विकास के लिए करने का प्रस्ताव रखा था। राजपरिवार के उत्तराधिकारियों ने इस पर आपत्ति जताई और मांग की कि मुआवजे के तौर पर टीडीआर दिया जाए। मामला अदालत में गया, जहां सड़क निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण के लिए 3,000 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया। कोर्ट ने 10 लाख रुपए का टीडीआर जारी करने का निर्देश दिया था। अदालत के निर्देशानुसार, राज्य सरकार ने पहले ही टीडीआर पत्र तैयार कर अदालत को सौंप दिया है। इस बीच, राज्य सरकार ने टीडीआर की उच्च लागत के कारण बेंगलूरु पैलेस भूमि उपयोग और विनियमन विधेयक 2025 तैयार किया है और इसे विधानमंडल के दोनों सदनों से पारित करा लिया है। 1966 में तत्कालीन सरकार ने लगभग 11 करोड़ रुपये खर्च करके बेंगलूरु पैलेस अधिग्रहण

और हस्तांतरण अधिनियम पारित किया। महल ने मुआवजा जमा करके मैदान का अधिग्रहण कर लिया। उच्च न्यायालय ने इस विधेयक को बरकरार रखा है। मंत्री एच.के.पाटिल ने विधानसभा और विधान परिषद में स्पष्ट किया था कि इस विधेयक पर सुप्रीम कोर्ट ने भी रोक नहीं लगाई है। पाटिल का तर्क था कि इस विधेयक के अनुसार महल के मैदान का स्वामित्व राज्य सरकार का है।

हाल ही में जब 15.29 एकड़ भूमि का उपयोग सड़क निर्माण के लिए करने का प्रस्ताव रखा गया तो राजपरिवार के उत्तराधिकारियों ने आपत्ति जताई। उनका तर्क था कि जब तक स्वामित्व विवाद का निपटारा सर्वोच्च न्यायालय में नहीं हो जाता, तब तक भूमि उनकी है। राज्य सरकार दुविधा में थी क्योंकि अदालत ने उसे टीडीआर जारी करने का भी निर्देश दिया था। यदि न्यायालय के निर्देशानुसार 3,000 करोड़ रुपये का टीडीआर चुकाया जाता है, तो बल्लारी रोड को भूमि अधिग्रहण और निर्माण लागत सहित दुनिया की सबसे महंगी सड़क के रूप में परिभाषित किया जाएगा। इसलिए, अदालती मामला सुलझने तक 15.29 एकड़ भूमि का उपयोग नहीं किया जाएगा। छावनी के निकट रेलवे अंडरपास के निर्माण के लिए 12.17 वर्ग मीटर भूमि का उपयोग पहले ही किया जा चुका है। राज्य सरकार सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर करेगी कि राजपरिवार को पहले ही वितरित किए जा चुके टीडीआर प्रमाण-पत्र जारी न किए जाएं, क्योंकि शेष 15 एकड़ भूमि पर सड़क का निर्माण नहीं किया गया है। यदि टीडीआर प्रमाणपत्र शाही परिवार को दे दिए गए तो वे उसे किसी और को दे देंगे। राज्य सरकार ने चिंता व्यक्त की है कि इस तरह से निपटाए गए टीडीआर को दोबारा प्राप्त नहीं किया जा सकेगा। विधानसभा में बहस के दौरान मंत्री एच.के.पाटिल ने कहा कि सड़क निर्माण के लिए चिन्हित 15.29 एकड़ जमीन के लिए यदि 3,000 करोड़ रुपये का टीडीआर दिया जाता है तो प्रत्येक एकड़ का मूल्य 200 करोड़ रुपये होगा। उन्होंने कहा कि सड़क बनाने में इतनी बड़ी धनराशि खर्च करना राज्य के खजाने के लिए ठीक नहीं है। बेंगलूरु पैलेस भूमि उपयोग एवं विनियमन विधेयक विधानसभा और विधान परिषद में पारित हो गया है। चूंकि इस विधेयक पर राज्यपाल के हस्ताक्षर भी हो चुके हैं, इसलिए राज्य सरकार ने इस विधेयक को सर्वोच्च न्यायालय में पेश करके न्यायालय की अवमानना की तलवार से बचने का प्रयास किया है।

भाजपा महिला नेता ने की आत्महत्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु में भाजपा नेता मंजुला ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। उन्होंने एक सुसाइड नोट छोड़ा है।

बताया जा रहा है कि मंजुला भाजपा मल्लेश्वरम मंडल की सचिव थीं। उन्होंने मंगलवार को दोपहर करीब 2:30 बजे मट्टीकेरे स्थित अपने आवास पर आत्महत्या कर ली। अपने सुसाइड नोट में उन्होंने लिखा है मैं अपनी मौत के लिए खुद जिम्मेदार हूं। यशवंतपुर पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और जांच की। उनके पार्थिव शरीर को पोस्टमार्टम के लिए एम एस रामैया अस्पताल भेज दिया गया। मंजुला की मौत के पीछे का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

भाजपा नेता ने कर्नाटक में संभावित गोमांस आयात पर विरोध प्रदर्शन की धमकी दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वरिष्ठ भाजपा नेता एन आर रमेश ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर राज्य सरकार गोमांस के आयात की अनुमति देती है तो पार्टी विरोध प्रदर्शन करेगी। मंगलवार शाम को मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में रमेश ने एक कथित बैठक के बारे में चिंता जताई, जिसमें वध माफिया राज्य सरकार पर बीफ शॉप के नाम से व्यापार लाइसेंस जारी करने का दबाव बना रहा था। रमेश ने दावा किया कि यह बैठक आवास और वक्फ मंत्री बी जेड जमीर अहमद खान के कार्यालय में हुई थी और इसमें शहरी विकास विभाग, पशुपालन विभाग के अधिकारी, बूचड़खाने के मालिक, अल्पसंख्यक व्यापारी और धार्मिक नेता शामिल हुए थे। रमेश के अनुसार बैठक में बीफ शॉप के नाम से बूचड़खानों के लिए व्यापार लाइसेंस जारी करने पर चर्चा हुई, जो बेंगलूरु और अन्य नगरपालिका क्षेत्रों में भैंस के मांस की दुकान के इस्तेमाल की मौजूदा प्रथा के विपरीत है। रमेश ने अपने पत्र में लिखा एक चौंकाने वाली घटना में, सभी कानूनी नियमों की अनदेखी करते हुए, मंत्री जमीर अहमद खान के कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई, जहाँ शहरी विकास विभाग पर बीफ शॉप के नाम से

व्यापार लाइसेंस जारी करने के लिए दबाव डाला गया। रमेश ने यह भी आरोप लगाया कि बैठक में केरल और तमिलनाडु जैसे पड़ोसी राज्यों से बीफ आयात करने की संभावना पर चर्चा की गई, जिसमें तर्क दिया गया कि कर्नाटक का गोहत्या विरोधी कानून केवल राज्य के भीतर वध की गई गायों पर लागू होता है। इससे दूसरे राज्यों से आयातित बीफ को कर्नाटक में बेचा जा सकेगा। रमेश ने पत्र में कहा कर्नाटक सरकार ने केवल राज्य के भीतर गोहत्या पर प्रतिबंध लगाया है, और इसलिए, माफिया ने सरकार से कर्नाटक में बिक्री के लिए पड़ोसी राज्यों से बीफ के आयात की अनुमति देने की मांग की। रमेश ने इस प्रस्ताव को अवैध बताया और तर्क दिया कि यह अप्रत्यक्ष रूप से गोहत्या का समर्थन करता है, जिससे बूचड़खाने के माफिया को फायदा होता है। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी कि अगर वह बीफ शॉप के नाम से व्यापार लाइसेंस जारी करने के साथ आगे बढ़ती है, तो इससे व्यापक कानूनी लड़ाई शुरू हो जाएगी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अगर सरकार दूसरे राज्यों से गोमांस आयात की अनुमति देती है तो भाजपा कानूनी कार्रवाई करेगी। उन्होंने चेतावनी दी, अगर सरकार बीबीएमपी और अन्य नगरपालिका सीमाओं में बीफ शॉप नाम से व्यापार लाइसेंस जारी करने की दिशा में आगे बढ़ती है, तो व्यापक कानूनी लड़ाई अपरिहार्य होगी। रमेश ने मुख्यमंत्री से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि बहुसंख्यक समुदाय की भावनाओं का सम्मान किया जाए और मांग की कि वह मंत्री खान को ऐसी गतिविधियों में शामिल होने के खिलाफ चेतावनी देने के लिए तत्काल कार्रवाई करें। रमेश ने निष्कर्ष निकाला मैं आपसे यह सुनिश्चित करने का अनुरोध करता हूं कि बहुसंख्यक समुदाय की भावनाओं को ठेस न पहुंचे। मैं आपसे यह भी आग्रह करता हूं कि आप मंत्री खान को ऐसी गतिविधियों में शामिल होने के बारे में चेतावनी दें।

नाबालिग पर बार-बार यौन हमला करने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मूडबिद्री के लाडी के पास प्रंथ्या गांव में एक नाबालिग लड़की के साथ बार-बार यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 57 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान अजंकल्लू निवासी प्रकाश के रूप में हुई है, जिस पर पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता के माता-पिता द्वारा दर्ज की गई शिकायत के अनुसार, जब भी लड़की के परिवार के सदस्य घर से बाहर होते थे, आरोपी लड़की के घर के पास किराए के घर में आता था। उसने कथित तौर पर पिछले एक साल में कई बार अपराध किया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है।

नक्सलियों के आत्मसमर्पण के बाद ग्रामीणों ने सरकार से बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने की मांग की

चिकमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नक्सलियों के दो दशक लंबे प्रभाव का अंत हो गया है। इसके परिणामस्वरूप, सरकार ने नक्सल खतरे को खत्म करने के लिए गठित एंटी नक्सल फोर्स (एएनएफ) को पहले ही भंग कर दिया है। हालांकि, सवाल यह उठता है कि अगर चिकमगलूरु के जंगलों में नक्सली नहीं हैं तो हाशिए पर पड़े गांवों की समस्याओं का क्या किया जाएगा? हालांकि यह सच है कि इन जंगलों में नक्सली नहीं हैं, लेकिन समस्याएं अभी भी बनी हुई हैं। चिकमगलूरु का नक्सल गतिविधियों से जुड़ा एक काला इतिहास रहा है। सरकार और नक्सलियों के बीच लंबे समय से चली आ रही रस्साकशी में आम नागरिक, पुलिस और नक्सली सभी ने अपनी जान गंवाई है। मालेनाडु क्षेत्र के ग्रामीणों को नक्सलवाद के 20 साल के डर से मुक्ति मिल गई है। हालांकि, सरकार के लिए असली चुनौती अभी शुरू हो रही है। सरकार का दावा है कि उसने दो महीने के भीतर जंगलों में नक्सलवाद को खत्म कर दिया है। लेकिन सवाल यह है कि आगे क्या होगा? सरकार ने नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा में वापस लाने के लिए पैकेज पेश किए हैं, लेकिन मालेनाडु के ग्रामीण इलाकों की दुर्दशा जारी है। सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण लोग नक्सली बन गए। अब अगर अधिकारी गांवों में लौट आएंगे तो लोगों की कहानी कौन सुनेगा? इसलिए पूर्व नक्सली सरकार से लोगों की चिंताओं को दूर करने का आग्रह कर रहे हैं। गांवों में रहने वाले मूल निवासियों के पास अभी भी पानी, बिजली, सड़क और भूमि अधिकार जैसी बुनियादी जरूरतें नहीं हैं। सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए और इन मुद्दों को दृढ़ता से संबोधित करना चाहिए। सरकार को वन कानूनों से उत्पन्न गंभीर समस्याओं के बारे में केंद्र सरकार से बात करने की भी जरूरत है, जो लोगों के जीने के अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। इसलिए पूर्व नक्सलियों ने सरकार से नक्सलवाद के खात्मे के बाद लोगों के मुद्दों पर ध्यान देने का अनुरोध किया है। सरकार ने बजट में मालेनाडु के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए 10 करोड़ रुपये अलग रखे हैं। हालांकि यह एक स्वागत योग्य कदम है, लेकिन इतनी राशि शायद ही पर्याप्त हो। सरकार को अधिक धनराशि आरक्षित करने और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ और वैज्ञानिक रूप से सुदृढ़ विकास पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। विकास में किसानों, मजदूरों और स्वदेशी लोगों को भी शामिल किया जाना चाहिए, क्योंकि पूर्व नक्सलियों ने पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना समग्र प्रगति की आवश्यकता पर जोर दिया था। कुल मिलाकर, मालेनाडु में लाल नक्सलियों के पदचिह्न अब इतिहास के पन्नों में सिमट गए हैं। राज्य नक्सल-मुक्त हो गया है। हालाँकि, नक्सल आंदोलन स्थानीय लोगों के समर्थन से उभरा, जिन्हें अपनी समस्याओं से जूझने के लिए छोड़ दिया गया था। इन मुद्दों को संबोधित करने के लिए किए गए आवंटन को देखते हुए, स्थानीय समुदाय निराश महसूस करते हैं, उनका मानना है कि कोई सार्थक बदलाव हासिल नहीं किया जा सकता है।

मंत्री प्रियांक खड़गे ने परिसीमन और एनईपी का किया विरोध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने परिसीमन प्रक्रिया का कड़ा विरोध करते हुए दावा किया है कि इससे संसद में राज्य का प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा। खड़गे ने कहा हम परिसीमन प्रक्रिया के खिलाफ हैं जो यह सुनिश्चित कर रही है कि हम संसद में अपना प्रतिनिधित्व खो दें। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशा-निर्देशों पर भी अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा हम एनईपी और यूजीसी के दिशा-निर्देशों के भी खिलाफ हैं। खड़गे ने जोर देकर कहा कि कर्नाटक इन मुद्दों पर अन्य दक्षिणी राज्यों के विचारों के साथ है। उन्होंने कहा हम अन्य दक्षिणी राज्यों में अपने समकक्षों के अधिकांश विचारों के अनुरूप हैं। केंद्र सरकार पर राजनीतिक लाभ के लिए दक्षिणी राज्यों का शोषण करने का आरोप लगाते हुए खड़गे ने दावा किया कि इन राज्यों का इस्तेमाल उत्तरी राज्यों के खजाने को भरने के लिए किया जा रहा है। खड़गे ने जोर देकर कहा केंद्र सरकार समृद्धि के लिए नहीं बल्कि अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए उत्तरी राज्यों के खजाने को भरने के लिए दक्षिणी राज्यों का इस्तेमाल कर रही है। इस बीच, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, परिसीमन और अन्य मुद्दों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच संसद में तीखी राजनीतिक खींचतान के बाद डीएमके सांसद कनिमोझी ने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि केंद्र ने हर दिन तमिलनाडु का अपमान करना आदत बना लिया है।

गडकरी ने आश्वासन दिया कि चन्नपटना के पास खिलौना पार्क बनाया जाएगा: सांसद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु ग्रामीण से भाजपा के लोकसभा सदस्य सी एन मंजूनाथ ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वे बेंगलूरु-मैसूरु एक्सप्रेसवे के किनारे चन्नपटना के पास खिलौना पार्क स्थापित करने की योजना पर विचार करेंगे।

यहां गडकरी से मुलाकात करने वाले मंजूनाथ ने एक्सप्रेसवे के निर्माण के बाद लोकप्रिय चन्नपटना खिलौना निर्माताओं के सामने आने वाली समस्याओं के बारे में मंत्री को अवगत कराया और उनसे क्षेत्र में खिलौना व्यवसाय को पुनर्जीवित करने के लिए एक पार्क स्थापित करने का अनुरोध किया।

यहां संवाददाताओं से बात करते हुए मंजूनाथ ने कहा गडकरी ने तुरंत भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के संबंधित अधिकारियों से बेंगलूरु-मैसूरु

एक्सप्रेसवे के किनारे एक पार्क स्थापित करने की व्यवहार्यता का पता लगाने को कहा। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि चन्नपटना के हजारों कुशल कारीगर खिलौना बनाने के उद्योग में लगे हुए हैं और यह अधिकांश परिवारों के लिए आय का मुख्य स्रोत है। पहले बेंगलूरु मैसूरु राजमार्ग चन्नपटना शहर के हृदय स्थल से होकर गुजरता था, जहाँ कई दुकानें थीं, जहाँ कारीगर अपने खिलौने/कलाएँ राजमार्ग से गुजरने वाले पर्यटकों/यात्रियों को बेचते थे। मंजूनाथ ने कहा कि नए बेंगलूरु-मैसूरु एक्सप्रेस के निर्माण के बाद खिलौनों का कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है, क्योंकि कई जगहों पर दुकानों के आस-पास की सड़कों तक पहुँच नहीं है। उन्होंने कहा कि नए बेंगलूरु-मैसूरु राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे एक विशेष खिलौना पार्क स्थापित करने से खिलौनों का कारोबार फिर से शुरू होगा और स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

बेलगावी में पीडीओ के कथित अपमान की जांच के आदेश

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेलगावी पुलिस आयुक्त इदा मार्टिन मारबानियांग ने कर्नाटक के बेलगावी जिले के किनाये गांव में एक मराठी समर्थक कार्यकर्ता द्वारा एक सरकारी कर्मचारी के कथित अपमान की जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस के सोशल मीडिया सेल के अधिकारियों ने बुधवार को किनाये में पंचायत विकास अधिकारी (पीडीओ) नागेंद्र पट्टार के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने वाले एक युवक के वीडियो पर कार्रवाई शुरू की। वीडियो में युवक पीडीओ से मराठी में बात करने के लिए कहता है और जब वह जवाब देता है कि वह नहीं कर सकता और कन्नड़ में बोलना जारी रखता है, तो युवक अभद्र भाषा का इस्तेमाल करता है। पुलिस ने बताया कि यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उन्होंने आरोपी की पहचान कर ली है। पुलिस आयुक्त ने चेतावनी दी कि अधिकारियों के खिलाफ इस तरह के व्यवहार को हल्के में नहीं लिया जाएगा और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कन्नड़ समर्थक कार्यकर्ताओं ने कार्यकर्ता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। कर्नाटक रक्षण वेदिके के अध्यक्ष दीपक गुडागनट्टी ने आरोप लगाया कि आरोपी महाराष्ट्र एकीकरण समिति का पदाधिकारी है। गुडागनट्टी ने कहा कि केआरवी की एक टीम 13 मार्च को किनाये गांव का दौरा करेगी और पीडीओ को शिष्टाचार बनाए रखने तथा कर्नाटक की आधिकारिक भाषा कन्नड़ में बोलने का निर्णय लेने के लिए सम्मानित करेगी।

मंदिर की आय का उपयोग अन्य उद्देश्यों के लिए नहीं किया जाएगा: मंत्री रामलिंगा रेड्डी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

धार्मिक बंदोबस्ती मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने स्पष्ट किया है कि सरकार धार्मिक बंदोबस्ती विभाग के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मंदिरों की आय का उपयोग अन्य उद्देश्यों के लिए नहीं करेगी। विधान परिषद में सदस्य भारती शेट्टी के एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि ए ग्रेड से 8 करोड़ रुपये की आय होती है। उन्होंने दोहराया कि इस धनराशि का उपयोग मंदिर के विकास कार्यों के लिए किया जाएगा, किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं। राज्य धार्मिक परिषद में एक अध्यक्ष, 8 समिति सदस्य और एक पुजारी होते हैं। वे इस बात पर चर्चा करते हैं कि मंदिरों से प्राप्त आय को कैसे खर्च किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं करेगी।

मुजराई विभाग को ए, बी और सी ग्रेड में विभाजित किया गया है। राज्य में कुल 1,86,000 मंदिर हैं। उन्होंने बताया कि यहां श्रेणी ए के 205 मंदिर, श्रेणी बी के 193 मंदिर और श्रेणी सी के 34,166 मंदिर हैं। यदि आय 5 करोड़ से अधिक है तो उसे ए ग्रेड में स्थानांतरित कर दिया जाता है, यदि 2 करोड़ से कम है तो उसे बी ग्रेड में स्थानांतरित कर दिया जाता है। यदि 5 लाख से कम है तो उसे सी ग्रेड में स्थानांतरित कर दिया जाता है। रामलिंगा रेड्डी ने स्पष्ट किया कि यह सच से कोसों दूर है कि सरकार इसमें हस्तक्षेप करेगी, क्योंकि मंदिरों को श्रद्धालुओं से प्राप्त होने वाली आय का प्रबंधन प्रशासनिक बोर्ड द्वारा किया जाता है।

जेडीएस एमएलसी ने कर्नाटक विधान परिषद को कॉन्सर्ट हॉल में बदला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद उस वक्त एक कॉन्सर्ट हॉल में बदल गई जब जेडीएस सदस्य एस.एल. भोजे गौड़ा ने एक पूरा लोकगीत गाया। उन्होंने चर्चा के दौरान अचानक प्रस्तुति देकर माहौल को दो बार खुशनुमा बना दिया। कार्यवाही के दौरान जब सदस्य किशोरियों की समस्याओं पर चर्चा कर रहे थे, खासकर किशोरियों के संदर्भ में, एमएलसी ने गुरुराज होसकोटे का एक कन्नड़ गीत गाया, जिसमें अपनी बेटी की शादी करते समय एक माँ के दर्द का वर्णन किया गया था। इससे पहले उन्होंने एक लोकप्रिय कन्नड़ लोरी की कुछ पंक्तियाँ गाईं। जब उन्होंने चर्चा के दौरान हस्तक्षेप किया और गाने की अनुमति मांगी, तो अध्यक्ष बसवराज होराट्टी ने मना कर दिया। हालांकि, जब सदस्यों ने खुशी जताई और उन्हें सुनने की इच्छा जताई, तो होराट्टी ने उन्हें अनुमति दे दी। इस असामान्य कार्य ने कुछ सदस्यों को खुश कर दिया और एम.बी. पाटिल और एन. चालुवरया स्वामी सहित कई मंत्रियों ने गीत का आनंद लिया। हालांकि विधानमंडल में हल्के-फुल्के पल असामान्य नहीं हैं, लेकिन किसी सदस्य का पूरा गाना गाना निश्चित रूप से एक नई बात थी।

सुरक्षा उपायों की जांच के लिए पुलिस ने होमस्टे और रिसॉर्ट का किया दौरा

चिकमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चिकमगलूरु पुलिस जिले के होमस्टे, रिसॉर्ट और लॉज का दौरा कर रही है, ताकि यह जांच की जा सके कि मालिक अपने मेहमानों का पर्याप्त ख्याल रखते हैं या नहीं। पुलिस ने 6 मार्च को हम्पी में एक विदेशी पर्यटक और होमस्टे मालिक के साथ बलात्कार की घटना के बाद जिले भर में यह अभियान चलाया।

पुलिस निरीक्षकों और उप-निरीक्षकों ने बिना किसी पूर्व सूचना के अपनी सीमा के भीतर स्थित रिसॉर्ट और होमस्टे का दौरा किया। उन्होंने पर्यटकों, विशेष रूप से विदेशी आगंतुकों की सुरक्षा के लिए किए गए उपायों की जांच की। दौरे के दौरान, पुलिस कर्मियों ने जांच की कि मालिकों ने सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं या नहीं और मेहमानों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त कर्मचारी नियुक्त किए हैं या नहीं। चिकमगलूरु के पुलिस अधीक्षक विक्रम अमाथे के निर्देशों का पालन करते हुए, स्थानीय पुलिस ने होमस्टे और रिसॉर्ट के मालिकों से मुलाकात की और उन्हें एहतियाती उपायों के बारे में निर्देश दिए। इस संबंध में एसपी ने 13 मार्च को जिला पंचायत हॉल में चिकमगलूरु जिले के होमस्टे और रिसॉर्ट मालिकों की एक बैठक बुलाई है।

तुंगभद्रा नदी के पानी के उचित उपयोग पर आंध्र-तेलंगाना के साथ करेंगे चर्चा: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि तुंगभद्रा जलाशय में गाद जमने के कारण बर्बाद हो रहे 27 टीएमसी पानी का समुचित उपयोग करने के लिए नवली समानांतर जलाशय और एक अन्य वैकल्पिक परियोजना के मुद्दे पर आंध्र और तेलंगाना राज्यों के साथ चर्चा के बाद कार्रवाई की जाएगी। विधानसभा में प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान विधायक बसनगौड़ा दद्दाल ने पूछा कि तुंगभद्रा बाएं तट नहर से अंतिम हिस्से तक पर्याप्त रूप से पानी नहीं पहुंच रहा है, और कृष्णा नदी के माध्यम से दो लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से मनवी और रायचूर तालुकों को पानी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इस पर जवाब देते हुए जल संसाधन मंत्री शिवकुमार ने कहा यह राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा है।

तुंगभद्रा बांध में गाद जमने के कारण 27 टीएमसी पानी बर्बाद हो रहा है। नवली जलाशय बनाने की योजना बनाई गई है, और इस बीच, तुंगभद्रा बोर्ड को एक वैकल्पिक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। आंध्र और तेलंगाना राज्य इस मुद्दे की जांच कर रहे हैं। मैंने पहले ही तेलंगाना के सिंचाई मंत्री के साथ इस पर चर्चा की है। दोनों राज्यों ने कहा है कि वे इस पर चर्चा के लिए समय देंगे और समय तय होने के बाद हम आंध्र प्रदेश के सीएम के साथ इस पर चर्चा करेंगे और इसे लागू करने के लिए कार्रवाई करेंगे। विधायक अल्लामा प्रभु पाटिल ने जवाब दिया कि अधिकारियों ने भीमा नदी परियोजनाओं के माध्यम से 58663 हेक्टेयर क्षेत्रों में सिंचाई प्रदान की है और उपमुख्यमंत्री से इस संबंध में सर्वेक्षण करने का अनुरोध किया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने कहा बेनेटोर और अन्य सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से इस क्षेत्र में सिंचाई सुविधाएं प्रदान की गई हैं और सदस्यों को एक प्रतिनिधिमंडल लेकर इस क्षेत्र पर चर्चा करनी चाहिए। हम इस मुद्दे पर अधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे और उचित कार्रवाई करेंगे।

मद्रास हाईकोर्ट का एकपक्षीय फैसला

मेट्रो के लिए ली जाएगी दो मंदिरों की जमीन

चेन्नई, 12 मार्च (एजेंसियां)।

मद्रास हाईकोर्ट ने चेन्नई मेट्रो के लिए दो हिंदू मंदिरों की जमीन अधिग्रण करने का आदेश दिया है।

हिंदू श्रद्धालु इस फैसले को हाईकोर्ट का एकपक्षीय फैसला बता रहे हैं। उनका कहना है कि हाईकोर्ट का यही फैसला अगर मस्जिद या चर्च को लेकर नहीं आता। मंदिर की जमीन छीनने का आदेश देते हुए हाईकोर्ट ने कहा, भगवान हमें माफ कर देंगे। न्यायाधीश ने कहा, आखिरकार इससे भगवान के भक्तों को ही लाभ होगा। इस टिप्पणी के साथ ही हाईकोर्ट ने चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड (सीएमआरएल) को स्टेशन बनाने के लिए दो हिंदू मंदिरों की जमीन का अधिग्रहण करने की अनुमति दे दी।

न्यायमूर्ति एन आनंद वेंकटेश ने कहा कि ऐसी परियोजना, जिससे लाखों लोगों को लाभ हो सकता है, निश्चित रूप से ईश्वरीय कृपा से पूरी होगी। कोर्ट ने कहा कि धार्मिक संस्थाओं की भूमि को सार्वजनिक परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित किया जा सकता है। न्यायाधीश ने कहा, राज्य के अधिकार क्षेत्र के तहत धार्मिक संस्थाओं की भूमि का अधिग्रहण संविधान के अनुच्छेद 25 या 26 के तहत मौलिक अधिकार का उल्लंघन नहीं है।

हाईकोर्ट ने बालकृष्ण पिल्लई बनाम भारत संघ मामले में केरल हाईकोर्ट के फैसले का हवाला दिया। इसमें कहा गया था कि राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए यदि धार्मिक संस्थान प्रभावित होते हैं तो

भगवान माफ कर देंगे। न्यायमूर्ति वेंकटेश ने इसे दोहराते हुए कहा कि यदि मंदिर की भूमि का अधिग्रहण मेट्रो स्टेशन बनाने के लिए किया जाता है तो भगवान माफ कर देंगे, क्योंकि इससे मंदिर के भक्तों को भी लाभ होगा। न्यायाधीश वेंकटेश ने कहा, यह न्यायालय यह दृढ़ता से मानता है कि ईश्वर मेट्रो रेल स्टेशन बनाने के लिए अपनी दया और कृपा बरसाएंगे, जिससे समाज के सभी वर्गों के लाखों लोगों को लाभ होगा। इनमें से कुछ भक्त भी हो सकते हैं, जो मंदिर में जाते हैं। भगवान हमें माफ कर देंगे। भगवान याचिकाकर्ताओं, अधिकारियों और इस फैसले के लेखक की भी रक्षा करेंगे। भगवान हमारे साथ रहेंगे।

सीएमआरएल मेट्रो स्टेशन बनाने के लिए रतिना विनयागर मंदिर और दुर्गाई अम्मा मंदिर के पास की ज़मीन अधिग्रहित करना चाहता था। इसका मंदिर के भक्तों ने विरोध किया। इसके बाद आलयम कपोम फाउंडेशन ने अधिग्रहण के खिलाफ़ जनहित याचिका (पीआईएल) दाखिल की। इस पर चेन्नई मेट्रो ने कहा कि वह दूसरी ओर की जमीन अधिग्रहति कर सकता है, जहां यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी का मुख्यालय है।

इसके बाद मद्रास हाई की पहली पीठ ने सीआरएल के नए प्रस्ताव को देखते हुए पीआईएल को बंद कर दिया। इसी बीच यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस ने उसकी भूमि के अधिग्रहण के प्रस्ताव का विरोध किया और इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। उसने तर्क दिया कि वह जनहित याचिका में पक्षकार नहीं है और उसने सीएमआरएल से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लेने के बाद इस मुख्यालय को बनाने में 250 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

मद्रास हाईकोर्ट ने इस बीमा कंपनी के तर्क को वाजिब माना और कहा कि वास्तव में 5वें प्रतिवादी (मंदिर भक्तों का प्रतिनिधित्व करने वाला आलयम कपोम फाउंडेशन), सीएमआरएल और राज्य प्राधिकारियों ने बिना मुख्य किरदार (यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस) के ही निर्णय ले लिया। दरअसल, बीमा कंपनी ने कहा कि सीएमआरएल ने उसकी जमीन के अधिग्रहण की बात कोर्ट में उसकी जानकारी के बिना ही की थी।

न्यायालय ने बीमा कंपनी की जमीन के अधिग्रहण को प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के खिलाफ बताया। कोर्ट ने कहा, मूल योजना से दुर्गाई अम्मा मंदिर के भक्तों के लिए केवल कुछ जगह की कमी होगी। साथ ही निर्माण कार्य के दौरान मंदिर के गोपुरम (प्रवेश द्वार) और एक देवता को दूसरे क्षेत्र में स्थानांतरित करना होगा, लेकिन निर्माण पूरा होने के बाद गोपुरम और देवता को बहाल किया जा सकता है।

अंत में, हाईकोर्ट ने यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस की याचिका स्वीकार कर ली और उसकी संपत्ति के विरुद्ध भूमि अधिग्रहण नोटिस को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति वेंकटेश ने प्राकृतिक न्याय के उल्लंघन का हवाला देते हुए हाईकोर्ट के न्यायाधीशों के निरीक्षण के बारे में तर्क को भी खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा कि सीएमआरएल अपनी मूल अधिग्रहण योजना के साथ आगे बढ़ने के लिए स्वतंत्र है।

अमेरीकी सेब पर टैरिफ कम करने की घोषणा

कश्मीर के सेब व्यापारियों में चिंता

जम्मू, 12 मार्च (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर के सेब उत्पादकों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रम्प की वाशिंगटन सेब पर टैरिफ कम करने की हाल की घोषणा पर चिंता जताई है क्योंकि उन्हें डर है कि इससे भारत के घरेलू फल उद्योग पर गंभीर असर पड़ेगा। कश्मीर घाटी फल उत्पादक सह डीलर संघ ने औपचारिक रूप से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर इस कदम को रोकने के लिए उनके हस्तक्षेप का आग्रह किया है, क्योंकि उनका तर्क है कि इससे भारतीय बाजार सस्ते आयातित सेबों से भर जाएंगे और स्थानीय उत्पादकों को संकट में डाल देंगे।

2 अप्रैल से प्रभावी होने वाले टैरिफ में कमी से अमेरिका से आयात बढ़ने की उम्मीद है, जिससे जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के सेब किसानों के लिए प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो जाएगा। सोपोर, शोपियां, पुलवामा और अनंतनाग जैसे प्रमुख सेब उत्पादक क्षेत्रों के उत्पादकों का प्रतिनिधित्व करने वाले संघ ने चेतावनी दी है कि छोटे और सीमांत किसान सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे, जिससे पूरे क्षेत्र में वित्तीय संकट पैदा होगा।

जम्मू कश्मीर का बागवानी उद्योग, जो क्षेत्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ के रूप में कार्य करता है, सात लाख से अधिक परिवारों का भरण-पोषण करता है। उत्पादकों

का तर्क है कि वाशिंगटन सेब, जो पहले से ही भारतीय बाजारों में उपलब्ध है, कम आयात शुल्क के साथ और भी सस्ता हो जाएगा, जिससे स्थानीय सेब की कीमतें कम हो जाएंगी और घरेलू किसानों का मुनाफा कम हो जाएगा। कश्मीर घाटी फल उत्पादक सह डीलर संघ के अध्यक्ष बशीर अहमद बशीर ने पत्रकारों को बताया कि अगर वाशिंगटन सेब कम टैरिफ पर भारतीय बाजारों में प्रवेश करता है, तो यह हमारे स्थानीय उत्पादकों के लिए एक बड़ा झटका होगा। वे कहते थे कि कि हम पहले से ही गिरती कीमतों और मौसम संबंधी आपदाओं के कारण भारी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। यह निर्णय हजारों किसानों को वित्तीय बर्बादी की ओर धकेल देगा।

बशीर का यह भी कहना है कि उन्होंने पीएम मोदी को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा है जिसमें उनसे तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की गई है, जिसमें वाशिंगटन सेब पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने का आग्रह किया गया है ताकि कश्मीर में सेब के व्यापार से जुड़े सात लाख लोगों की आजीविका बच सके। कश्मीरी सेब उत्पादक पिछले एक दशक से कई चुनौतियों से जूझ रहे हैं, जिनमें राजनीतिक उथल-पुथल, चरम मौसम की घटनाएं और परिवहन संबंधी मुद्दे शामिल हैं। 2014 की विनाशकारी बाढ़, उसके बाद ओलावृष्टि और तेज हवाओं ने पहले ही बागों को काफी नुकसान पहुंचाया है।

यही नहीं पिछले दो सालों से लगातार सूखे की मार सेब उद्योग पर भी पड़ी है, जबकि इस साल मार्च में हुई बारिश ने इस सीजन में बंपर फसल की उम्मीद जगाई है। उत्पादकों का तर्क है कि ट्रंप के टैरिफ के फैसले से उन्हें आर्थिक अनिश्चितता में धकेला जाएगा। बशीर कहते हैं कि हम व्यापार के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन यह हमारे अस्तित्व की कीमत पर नहीं आना चाहिए। अगर सरकार कार्रवाई नहीं करती है, तो हम विरोध करने और अपनी चिंताओं को सड़कों पर ले जाने के लिए मजबूर होंगे। अपनी अपील में, फल उत्पादकों ने केंद्र सरकार से टैरिफ कटौती पर बातचीत को खारिज करने और इसके बजाय घरेलू सेब उद्योग की रक्षा के लिए वाशिंगटन सेब पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने का आग्रह किया है।

यही नहीं बशीर ने चेतावनी दी कि सरकार को बहुत देर होने से पहले कार्रवाई करनी चाहिए। अगर टैरिफ में कटौती की जाती है, तो यह हमारे स्थानीय सेब उद्योग को पंगु बना देगा, जिससे हजारों परिवार गहरे वित्तीय संकट में फंस जाएंगे।

बांग्लादेशियों के खिलाफ दिल्ली में एक्शन जारी

20 घुसपैठिए गिरफ्तार वापस भेजे जाएंगे

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)।

दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। ताजा घटनाक्रम में 20 बांग्लादेशी घुसपैठियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दिल्ली के दक्षिणी और दक्षिणी पूर्वी इलाकों में यह कार्रवाई हुई है। पकड़े गए घुसपैठियों को वापस भेजे जाने की प्रक्रिया चल रही है।

अधिकारियों ने बताया कि सारे आरोपी देश में बिन किसी वैध दस्तावेज के घुसे और गैर-कानूनी ढंग से यहां रह रहे थे। छानबीन के दौरान पुलिस को इनके पास से कई संदिग्ध दस्तावेज मिले हैं। पिछले दिनों गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठकर उच्च स्तरीय बैठक की थी। इसी बैठक में निर्देश दिए गए थे कि दिल्ली में रह रहे अवैध घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और उन्हें चिह्नित करके डिपोर्ट किया जाए।

एलओसी पर उस पार से फिर शुरू हुई गोलीबारी से सेना सतर्क

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 12 मार्च।

जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में बुधवार को सीमा पार से गोलीबारी हुई, जिसमें भारतीय सेना का एक जवान घायल हो गयां। एलओसी पर 21 साल से जारी सीजफायर के बीच होने वाली रहस्यमयी गोलीबारी अर्थात स्नाइपर शॉट की घटनाओं से सेना सतर्क हो गई है। स्नाइपर गोलीबारी से अभी तक 151 जवानों की मौत हो चुकी है। इस तरह चोरी छुपे होने वाली गोलीबारी में यह साबित करना मुश्किल होता है कि गोली सेना की तरफ से चलाई गई।

आज घायल हुए जवान मान कुमार बेगा को उपचार के लिए उधमपुर के कमांड अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो सप्ताह पहले भी संदिग्ध आतंकियों ने एलओसी पार से राजौरी जिले के सुंदरबनी सेक्टर के एक गांव में सेना के वाहन पर गोलीबारी की थी।

जब सेना का काफिला राजौरी के सुंदरबनी सेक्टर के फाल गांव से गुजर रहा था, तभी संदिग्ध आतंकियों ने वाहन पर कुछ गोलियां चलाई थीं।

वैसे भारतीय सेना ने पिछले महीने भारत-पाकिस्तान सीमा पर अस्थिरता की खबरों को खारिज करते हुए कहा था कि एलओसी पर संघर्ष विराम दोनों सेनाओं (भारत और पाकिस्तान) के बीच समझ के अनुसार बरकरार है। पर यह कोई पहला मौका नहीं है जबकि एलओसी पर रहस्यमयी गोलीबारी से कोई जवान जख्मी हुआ हो या फिर शहीद हुआ हो बल्कि 21 सालों से जारी सीजफायर की अवधि में यह 165वीं घटना है और 151 जवान शहीद हो चुके हैं। जबकि वर्ष 2020 में सेना ने एलओसी पर ऐसी गोलीबारी में 7 जवानों को खो दिया था।

इन रहस्यमयी गोलीबारी की घटनाओं के पीछे पाक सेना के वे निशानेबाज हैं जो स्नाइपर राइफलों से भारतीय जवानों को निशाना बना रहे हैं। कई बार फ्लैग मीटिंगों में भारतीय पक्ष द्वारा इस पर आपत्ति जताई जा चुकी है लेकिन हर बार पाक सेना ऐसी किसी गोलीबारी की घटना से इंकार कर चुकी है।

नतीजतन रहस्यमयी गोलीबारी, जिसके पीछे भारतीय पक्ष के मुताबिक पक्के तौर पर पाक सेना और उसके वे आतंकी पिट्ठू हैं जो सीमा के उस पार पाक सीमा चौकियों पर शरण लिए हुए हैं, से सेना परेशान हो उठी है। ऐसी दशा में सेना के पास ऐसी रहस्यमयी गोलीबारी की घटनाओं और घुसपैठ के बढ़ते दबाव से निपटने का एक ही रास्ता बचा है और वह यह है कि एलओसी पर जारी सीजफायर समाप्त हो जाए। एक सेनाधिकारी ने कहा, सीजफायर ने पाक सेना को अपनी पोजिशन मजबूत करने और घुसपैठ को कारगार ढंग से अंजाम देने का मौका दिया है।

वर्ष 2003 में जब दोनों मुल्कों के बीच संघर्ष विराम समझौता हुआ तो कुछ अरसे तक एलओसी तथा इंटरनेशनल बार्डर पर शांति बनी रही थी पर यह ज्यादा देर तक इसलिए नहीं टिक पाई क्योंकि पाकिस्तान की ओर से की जाने वाली रहस्यमयी गोलीबारी ने भारतीय जवानों की जानें लेनी आरंभ कर दी थी।

फिर जब इसके प्रति जानकारियां सामने आईं तो वे चौंकाने वाली थीं कि ऐसी रहस्यमयी गोलीबारी अर्थात स्नाइपर शाटों के पीछे पाक सेना के प्रशिक्षित कमांडों के साथ-साथ वे आतंकी भी थे जिन्हें पाकिस्तानी सेना ऐसी ट्रेनिंग दे रही थी। हालांकि सीजफायर के 21 साल के दौरान एलओसी पर स्नाइपर गोलीबारी 151 भारतीय जवानों की जानें ले चुकी है और पाकिस्तान ऐसी गोलीबारी के लिए हमेशा ही आतंकियों को दोषी ठहराता आया है।

सूखी सर्दी और बर्फ की कमी का घाटा पूरा करेगा ट्यूलिप गार्डन!

जम्मू, 12 मार्च (ब्यूरो)।

इस बार कश्मीर में कम बर्फ गिरने का नतीजा है कि आने वाले पर्यटकों की संख्या किसी को खुशी नहीं दे पाई। सूखे ने भी कश्मीर को खूब रूलाया है। पर अब 23 मार्च से खुलने जा रहे ट्यूलिप गार्डन पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं कि क्या वह इस कमी को पूरा कर पाएगा।

पिछले साल रिकार्ड तोड़ भीड़ के बाद इस महीने के अंत में वार्षिक उद्घाटन से पहले डल झील और जबरवान पहाड़ियों के बीच स्थित एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन में तैयारियां जोरों पर हैं। एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन को इस साल 23 मार्च के बाद पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा।

ट्यूलिप गार्डन के सहायक पुष्पकृषि अधिकारी आसिफ अहमद कहते हैं कि इस साल गार्डन के उद्घाटन की तैयारियां जोरों पर हैं। आसिफ के बकौल,

यह एक महत्वपूर्ण पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। इसे आने वाले दिनों में टूरिस्टों के लिए खोल दिया जाएगा। ट्यूलिप के फूलों का खिलना मौसम पर निर्भर है और मौसम अच्छा रहा तो माह अंत तक खिल जाएंगे। हालांकि बढ़ती गर्मी सभी को सता रही है क्योंकि इस बार बसंत बहार का मौसम कई सप्ताह पहले ही आ गया था। डल झील और जबरवान पहाड़ियों के बीच स्थित प्रसिद्ध इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन में 1.7 मिलियन बल्ब हैं, इस साल नीदरलैंड से आयातित दो और किस्में होंगी। पिछले साल टूरिस्टों की रिकार्ड तोड़ भीड़ को देखते हुए अधिकारियों ने कहा कि इस साल पर्यटकों की अधिक भीड़ को समायोजित करने के लिए उद्यान में पार्किंग की जगह बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा कि हमें इस साल भी पर्यटकों की भारी भीड़ की उम्मीद है। पिछले साल केवल 30 दिनों में 4.5 लाख लोग उद्यान में आए थे। उन्होंने कहा कि निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद जल्द ही आनलाइन टिकटिंग शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि लोग ई-टिकट का लाभ उठा सकते हैं। गार्डनर्स के बकौल, इस साल नीदरलैंड से दो और किस्मों का आयात किया गया है और इस साल किस्मों की संख्या 73 से बढ़ाकर 75 कर दी गई है।

पहले सिराज बाग के नाम से जाना जाने वाला यह गार्डन इस महीने के अंत में पर्यटकों के लिए खुल रहा है, जब ट्यूलिप खिलना शुरू हो जाएंगे। पुष्पकृषि विभाग ट्यूलिप को चरणबद्ध तरीके से लगाता है, ताकि फूल एक महीने या उससे अधिक समय तक बगीचे में बने रहें। बाग़वानी करने वाले माली अब्दुल कहते थे कि फिलहाल 100 माली और दिहाड़ी मजदूर सभी प्रक्रियाओं को पूरा करने और उद्यान को जनता के लिए तैयार करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।

इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन की स्थापना तत्कालीन मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने 2007 में जम्मू कश्मीर में पर्यटन सीजन को बढ़ाने के लिए की थी, जो पहले गर्मियों और सर्दियों तक सीमित था। हालैंड से आयातित 50,000 ट्यूलिप बल्बों के साथ इस गार्डन की शुरुआत छोटे पैमाने पर हुई थी। इसने पर्यटकों के बीच तेजी से लोकप्रियता हासिल की और हर साल पर्यटकों की संख्या और वहां खिलने वाले ट्यूलिप दोनों के मामले में लगातार बढ़ोतरी हुई है।

गौरतलब है कि ट्यूलिप गार्डन ने 2023 में एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन के रूप में वर्ल्ड बुक आफ रिकार्ड्स (लंदन) में जगह बनाई है। 2024 में, इस गार्डन में पर्यटन में असाधारण उछाल आया, जिसमें 4.45 लाख टूरिस्ट इसके जीवंत फूलों को देखने के लिए उमड़ पड़े, जिनमें से लगभग 2,000 विदेशों से आए थे। पिछले साल घरेलू और विदेशी दोनों तरह के 4.65 लाख से अधिक पर्यटकों ने इस गार्डन का दौरा किया, जबकि 2023 में इसमें 3.65 लाख टूरिस्ट आए थे।

महिला के पास मिले पांच पाकिस्तानी पिस्टल

डेढ़ लाख की नकदी भी मिली, महिला एसटीएफ के सुपुर्द

लखनऊ, 12 मार्च (एजेंसियां)।

लखनऊ के केसरबाग बस स्टेशन पर सुबह नौ बजे एक संदिग्ध महिला पांच पाकिस्तान मेड पिस्टल के साथ गिरफ्तार की गई। संदेह होने पर पुलिस ने उसे चेक किया तो उसके पास से पांच पिस्टल के साथ डेढ़ लाख कैश मिला। यह महिला मेरठ से आई हुई थी। संदिग्ध महिला यूपी रोडवेज की बस संख्या (यूपी 78 जेटी 4162) से कैसरबाग बस अड्डे पहुंची थी। यह बस मेरठ से आई थी। महिला के पकड़े जाने के बाद एसटीएफ को बुलाया गया। एसटीएफ की टीम महिला को अपने साथ ले गई। उससे पूछताछ जारी है। महिला के आतंकी कनेक्शन उसके पास से मिले पाकिस्तानी पिस्टल से पुष्ट हो रहे हैं।

होली मनाने घर आये दंपति की करंट लगने से हुई मौत

सारण , 12 मार्च (एजेंसियां)।

होली मनाने केरल से अपने गांव आए दंपति की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान भेल्दी थाना क्षेत्र के लगनपुरा गांव निवासी सुदेश महतो के पुत्र शंकर महतो (28) और उनकी पत्नी रुक्मणी देवी (25) के रूप में हुई है। घटनास्थल पर ही दोनों की मौत होने की सूचना मिलने के बाद भेल्दी थाने की पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया है। मृतक के पिता सुदेश महतो ने बताया कि दो पुत्रों की मौत पहले ही सड़क हादसे में हो चुकी है। अभी उसके गम से ऊबर भी नहीं पाए थे, कि बुधवार की देर शाम मक्के के खेत में पटवन कर रहे पुत्र और पुत्र वधु की मौत ने एक बार फिर झकझोर कर रख दिया है। क्योंकि शंकर ही अब एक मात्र अपने घर का इकलौता कमाऊ सदस्य था। लेकिन अब अपने तीनों पुत्रों के बेटे और बेटियों की पालन पोषण और पढ़ाई की जिम्मेदारी बढ़ गई है। सबसे अहम बात यह है कि मेरी पत्नी की भी मौत बहुत पहले हो चुकी है। पति-पत्नी की एक साथ मौत होन के बाद गांव में चर्चा शुरू हो गई है कि मृतक शंकर महतो और पत्नी रुक्मिणी देवी ने सात जन्मों तक एक साथ जीने और मरने की कसम लेकर परिणय सूत्र में बंधने वाले दंपति बुधवार की देर शाम को खेतों में पानी पटाने गए थे। पटवन के दौरान पति को करंट लग गया। उनकी चीख सुनकर उनकी पत्नी अपने पति को बचानेव के लिए दौड़ी, लेकिन इस दौरान वह भी करंट की चपेट में आ गई, जिससे दोनों की एक साथ मौत हो गई। इस घटना को देखकर आसपास के लोग भी दौड़कर आये, लेकिन तबतक उनकी मौत हो चुकी थी। फिर ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया है। मृतक के पिता सुदेश महतो ने बताया कि दो पुत्रों की मौत पहले ही सड़क हादसे में हो चुकी है। अभी उसके गम से ऊबर भी नहीं पाए थे, कि बुधवार की देर शाम मक्के के खेत में पटवन कर रहे पुत्र और पुत्र वधु की मौत ने एक बार फिर झकझोर कर रख दिया है। क्योंकि शंकर ही अब एक मात्र अपने घर का इकलौता कमाऊ सदस्य था। लेकिन अब अपने तीनों पुत्रों के बेटे और बेटियों की पालन पोषण और पढ़ाई की जिम्मेदारी बढ़ गई है। सबसे अहम बात यह है कि मेरी पत्नी की भी मौत बहुत पहले हो चुकी है।

मुख्यमंत्री ने वाराणसी में की कानून व्यवस्था की समीक्षा

धर्मस्थलों के लाउडस्पीकर पर स्थाई रोक लगे: सीएम

वाराणसी, 12 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को वाराणसी के सर्किट हाउस में विकास कार्यों व कानून व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने विकास/निर्माण परियोजनाओं को युद्ध स्तर पर अभियान चलाकर पूर्ण कराए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को अपनी विभागीय परियोजनाओं की बराबर मॉनिटरिंग का निर्देश देते हुए कहा कि विकास परियोजन-ाओं में लेटलतीफी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। होली पर्व को उन्होंने सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाए जाने पर विशेष जोर दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धर्म स्थलों से लाउडस्पीकर के आवाज पर स्थाई नियंत्रण की कार्रवाई सुनिश्चित कराने तथा डीजे आदि के भी तेज ध्वनि को सख्ती के साथ रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा के दृष्टिगत शहर के प्रमुख स्थलों के साथ ही बैंक-वित्तीय संस्थाओं, दुकानों, प्रतिष्ठानों में अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने के लिए प्रेरित करने का और गौ तस्करों पर पैनी नजर रखने का निर्देश दिया। इसकी जवाबदेही

तय करने पर भी मुख्यमंत्री का जोर रहा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गौ तस्करी पर पूर्णतया प्रतिबंध है। इसमें जो भी संलिप्त पाया जाय, वह तस्कर हो, वाहन स्वामी या फिर पुलिस प्रशासन का ही व्यक्ति, उस पर कठोर कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री ने एडीजी जोन पीयूष मोर्डिया को गौ-तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण हेतु जनपदवार समीक्षा करते हुए जिम्मेदारी तय करने को निर्देशित किया। उन्होंने राजस्व से संबंधित वादों के समयबद्ध निस्तारण पर जोर देते हुए कहा कि लंबे समय से एक ही पटल पर जमे एवं शिथिलता बरतने वाले कर्मियों को हटाया जाए। सीएम हेल्प लाइन और आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का मेरिट के आधार पर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद में गतिमान परियोजनाओं का गुणवत्ता के साथ समय सीमा के अंदर पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित कराया जाए। इसमें शिथिल कार्य करने वाली संस्थाओं की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने प्रत्येक निर्माणाधीन परियोजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने के साथ ही प्रत्येक सप्ताह जांच कराकर रिपोर्ट प्राप्त करने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान कतिपय परियोजनाओं की प्रगति धीमी पाए जाने पर कार्य में अपेक्षित गति लाए जाने हेतु निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गर्मी के दृष्टिगत कही भी पेयजल की समस्या न आने पाए। मुख्यमंत्री ने महाकुंभ के आयोजन के दौरान जनपद में जिला प्रशासन द्वारा बेहतर व्यवस्था एवं सराहनीय कार्य किए जाने पर प्रशंसा की। उन्होंने फ्लाईओवर के पिलरों पर अच्छी पेंटिंग के साथ ही अच्छे विज्ञापन डिस्प्ले कराए जाने पर भी जोर दिया। ठेला, पटरी व्यवसायियों के लिए शहर में पर्याप्त वेंडिंग जोन बनाए जाने के साथ ही नगर निगम एवं विकास प्राधिकरण को समुचित स्थलों का चयन कर वहां वाहन पार्किंग बनाए जाने की कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने सभी गेहूं क्रय केंद्रों पर किसानों के लिए सस्ते भोजन, निःशुल्क पेयजल, बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराए जाने का भी उन्होंने निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा गेहूं खरीद के संबंध में बताया गया कि आगामी 17 मार्च से जनपद के कुल 36 केंद्रों पर सरकारी रेट 2425 रुपए में गेहूं खरीदारी शुरू होगी। जनपद में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए हुए एमओयू के सापेक्ष अब तक निवेश की जानकारी लेते हुए इसमें प्रभावी ढंग से कार्यवाही का निर्देश दिया। उन्होंने जनपद में कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास एवं सस्ती कैंटीन की व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने होलिका दहन वाले स्थलों, होलिकोत्सव, शोभा यात्रा की सुरक्षा के प्रति विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने शहर में बेहतर ट्रैफिक मैनजमेंट, क्राउड मैनेजमेंट के साथ ही आमजन, श्रद्धालुओं, दर्शनार्थियों के साथ पुलिस प्रशासन के कार्मिकों द्वारा अच्छा व्यवहार किए जाने पर विशेष जोर दिया। मुख्यमंत्री ने अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु थानावार टॉपटेन अपराधियों की सूची तैयार कर उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने नियमित पुलिस पेट्रोलिंग, फुट पेट्रोलिंग कराए जाने पर जोर दिया। पुलिस बूथों एवं पिंक बूथों में प्रत्येक समय पुलिस के जवान मौजूद रहे। उन्होंने जिले में साइबर क्राइम पर सतर्क दृष्टि रखने के साथ ही उस पर पूर्ण नियंत्रण करने का निर्देश दिया। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने कानून व्यवस्था, होलिका दहन तथा होली के अवसर पर निकलने वाले जुलूस की तैयारी, लाउडस्पीकर अभियान, विगत दिनों महाकुंभ के पलट प्रवाह का सफल आयोजन समेत तीन नये कानूनों के क्रियान्वयन की जानकारी दी।

जिलाधिकारी एस. राजलिंगम ने निर्माणाधीन विभिन्न परियोजन-ाओं की जानकारी पीपीटी के माध्यम से रखी। जिसमें बताया गया कि रिंग रोड फेज-2 के गंगा पर निर्माणाधीन पुल के एक लेन का कार्य आगामी मार्च तथा जून 2025 तक पूरी परियोजना को पूरा किया जायेगा। यूपीपीसीएल तथा लोक निर्माण विभाग के लगभग सभी प्रोजेक्ट्स में देरी पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताते हुए कार्य में तेजी लाते हुए गुणवत्ता के साथ पूरा करने को कहा। उन्होंने कहा की परियोजना शुरू होने से पहले ही एनओसी आदि की प्रक्रिया पूरी करें, ताकि अनावश्यक लेटलतीफी से बचा जा सके। मुख्यमंत्री द्वारा बड़ा लालपुर में निर्माणाधीन निफ्ट कैम्पस के कार्यों में तेजी लाने को कहा। निर्माणाधीन परियोजनाओं को उसके एक्सपर्ट से दिखाकर गुणवत्ता तथा भौतिक प्रगति को चेक किया जाये। हर घर नल योजना में जलनिगम ग्रामीण द्वारा बताया गया कि 757 गावों में परियोजना पूरी हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी को इनके कार्यों का सत्यापन कराने का निर्देश दिया। चंद्रावती घाट पर कार्य की खराब गुणवत्ता की शिकायत पर कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल को कार्य की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु निर्देशित किया।

संभल में जामा मस्जिद समेत मस्जिदों को ढंकेगा प्रशासन

होली की चौपाई जुलूस को देखते हुए लिया गया फैसला

संभल, 12 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के संभल जिले में होली के दिन चौपाई के जुलूस मार्गों पर पड़ने वाली मस्जिदों को लेकर प्रशासन ने बड़ा निर्णय लिया है। होली की चौपाई के जुलूस वाले रास्ते में पड़ने वाली जामा मस्जिद समेत 10 मस्जिदों को पन्नी और तिरपाल से ढंका जाएगा। एएसपी श्रीशचंद्र ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि संभल में होली की चौपाइयों का जुलूस जिन रास्तों से निकेलगा, उन रास्तों पर पड़ने वाले धार्मिक स्थलों को दोनों पक्षों की सहमति के बाद ढंका जाएगा।

उन्होंने बताया कि चौपाई जुलूस के रास्ते पर पड़ने वाली ऐसी 10 मस्जिद हैं, जिन्हें ढंका जाएगा। दोनों पक्षों के लोगों से इसको लेकर बातचीत की गई है। दोनों ही पक्षों के लोगों ने ही इस

फैसले पर सहमति जताई है। संभल के जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने त्यौहारों से पहले सुरक्षा व्यवस्था पर कहा, शांति समिति की बैठकें की गई हैं। 27 क्यूआरटी बनाई गई हैं, हमने 6 जोन और 29 सेक्टर बनाए हैं, प्रत्येक में मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारी तैनात किए गए हैं। फिलहाल पूरी तरह शांति है, हमने सुरक्षा के पूरे इंतजाम किए हैं। प्रत्येक सेक्टर मजिस्ट्रेट को अपने क्षेत्र में भ्रमण करने को कहा गया है और त्रिस्तरीय सुरक्षा के लिए पीएसी बटालियन तैनात की गई है। 250 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, इसके अलावा 100-150 और लगाए गए हैं, ड्रोन से भी निगरानी की जा रही है।

शाहजहांपुर में जूता-मार होली से पहले तिरपाल से ढंकी गई मस्जिदें

शाहजहांपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में जूता मार होली से पहले वहां की मस्जिदों को तिरपाल से ढंक दिया गया है ताकि किसी तरह की कोई अप्रिय घटना न हो। इलाके में भारी पुलिस फोर्स तैनात है। शाहजहांपुर में जूता मार होली खेलने की परंपरा 300 साल पुरानी है। इस दौरान लाट-साहब का जुलूस निकलता है, जिसमें एक व्यक्ति को भैंसे पर बिठाया जाता है। लोग उस पर रंग-जूते-चप्पल बरसाते हैं, उस पर रंग फेंकते हैं।

अब इस जूता मार होली के दौरान मस्जिदों पर रंग गुलाल न पड़े इसलिए इन्हें तिरपाल और कपड़ों से ढंका गया है। बताया जा रहा है कि 32 से ज्यादा मस्जिदों को आपसी सहमति से ढंका गया है। प्रशासन इलाके की निगरानी ड्रोन से कर रहा है। घरों की छतों की भी चेकिंग हो रही है ताकि होली पर किसी तरह की हिंसा न भड़के। सीसीटीवी कैमरे भी एक्टिव हैं।

मुख्यमंत्री ने किया बाबा विश्वनाथ और काशी कोतवाल का दर्शन-पूजन

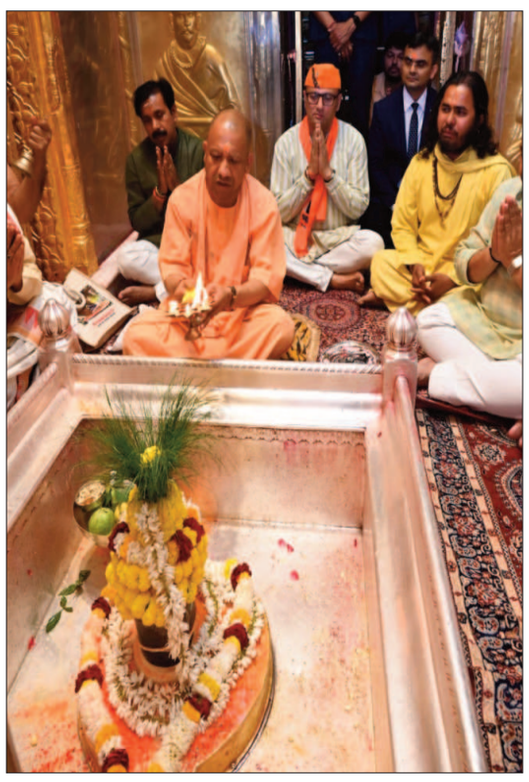

वाराणसी, 12 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को काशी पहुंचे। यहां उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम व काशी कोतवाल काल भैरव का दर्शन-पूजन किया। इसके बाद वे अन्नपूर्णा माता के मंदिर भी गए। उन्होंने यहां भी माथा टेका। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी विश्वनाथ गर्भगृह में षोडशोपचार पूजन कर लोक कल्याण की कामना की। सीएम योगी ने मंदिर प्रांगण में श्रद्धाल-ुओं का अभिवादन भी किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में एचडीएफसी बैंक की शाखा का उद्घाटन भी किया।

महाकुंभ के उपरांत पहली बार उन्होंने काल भैरव व मां अन्नपूर्णा के चरणों में शीश झुकाया। इसके पूर्व मुख्यमंत्री 15 फरवरी को काशी तमिल संगमम में यहां पहुंचे थे।

उस दिन मुख्यमंत्री ने काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन-पूजन किया था। इस दौरान संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा समेत सरकार के मंत्री व स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

होली पर योगी सरकार का तोहफा

1.86 करोड़ परिवारों को मिला मुफ्त गैस सिलेंडर

लखनऊ, 12 मार्च (एजेंसियां)। होली के ठीक पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत राज्य के 1.86 करोड़ पात्र परिवारों को गैस सिलेंडर रिफिल के लिए 1890 करोड़ रुपए की सब्सिडी वितरित की। इस योजना का शुभारंभ लखनऊ के लोकभवन सभागार में सीएम योगी ने बटन दबाकर किया। इस दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के सभी जिलों के प्रभारी मंत्रियों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले जहां गैस कनेक्शन के लिए घूस देना पड़ता था, वहीं अब देश में 10 करोड़ परिवारों को ये सुविधा फ्री में उपलब्ध कराई गई है। इसके साथ ही होली दीपावली पर गैस सिलेंडर भी मुफ्त दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस बार होली और रमजान एक साथ है, तो सभी लोगों को इस योजना का फायदा मिलेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि उज्ज्वला योजना को 2016 में शुरू किया गया था, जिसके तहत देशभर में 10 करोड़ परिवारों को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन मिले। उत्तर प्रदेश में करीब 2 करोड़ लोग इस योजना से लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने कहा कि 2021 में हमने वादा किया था कि 2022 में सरकार बनने पर होली और दीपावली पर मुफ्त गैस सिलेंडर दिया जाएगा। तब से हर साल यह योजना चल रही है ताकि लोग पर्व और त्यौहार अच्छे से मना सकें। इस बार होली और रमजान दोनों साथ हैं, इसलिए सभी को इसका लाभ मिलेगा।

सीएम ने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि पहले एक गैस कनेक्शन के लिए 25-30 हजार रुपए की घूस देनी पड़ती थी और त्योहारों पर सिलेंडर भी नहीं मिल पाते थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह योजना गरीब माताओं को धुएं से बचाने के लिए शुरू की गई है और इसमें किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जा रहा। मुख्यमंत्री ने बताया कि यूपी में 80 हजार राशन डीलर 3 करोड़ 60 लाख राशन कार्डधारकों के जरिए 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन बांट रहे हैं। 2017 में ई-पॉश मशीनों के जरिए राशन वितरण में पारदर्शिता लाई गई, जिससे कालाबाजारी पर रोक लगी। कोविड काल में जब लोग परेशान थे, तब से लगातार लगातार पांच साल हो गये हर महीने देश में 80 करोड़ लोगों को और यूपी में 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन

दिया जा रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि सरकार गरीबों, किसानों और बेटियों के कल्याण के लिए संकल्पबद्धता के साथ काम कर रही है। प्रदेश में अब तक 22 लाख बेटियों को पढ़ाई के लिए प्रति बेटी 25 हजार रुपए की सहायता दी जा रही है, जबकि 4 लाख बेटियों की शादी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत कराई गई है। अप्रैल से बेटियों की शादी के लिए 1 लाख रुपए की सहायता दी जाएगी। वहीं बोर्ड परीक्षाओं के रिजल्ट आने के बाद मेधावी बेटियों को स्कूटी और कामकाजी महिलाओं को अहिल्याबाई होलकर के नामपर आव-ासीय सुविधा भी मुहैया कराई जाएगी। वहीं, किसानों के लिए गेहूं की खरीद दर को 150 रुपए बढ़ाकर 2425 रुपए प्रति क्विंटल किया गया है।

सीएम ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में राशन की दुकानों को अब अन्नपूर्णा भवन के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां जरूरत का सामान, बिजली बिल जमा करने की सुविधा और वेयरहाउस की व्यवस्था होगी। 2 हजार से अधिक अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण चल रहा है। ग्राम सचिवालयों के जरिए ऑनलाइन आय, जाति, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र भी दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी कभी बीमारू राज्य था, लेकिन आज देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इसके अलावा 2027 तक भारत दुनिया तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। उन्होंने हाल ही में संपन्न हुए महाकुंभ की चर्चा करते हुए कहा कि इसमें 66 करोड़ 30 लाख से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया, जो यूपी के सामर्थ्य को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में प्रदेश के सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने जिस सामूहिकता का प्रदर्शन किया उससे प्रदेश के बारे में पूरी दुनिया में अच्छी धारणा बनी है।

मुख्यमंत्री ने अपील की कि जिन लोगों ने अबतक उज्ज्वला योजना के लिए अपना रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है, वो अपना रजिस्ट्रेशन करा लें। उन्होंने सभी से होली को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों और गैस प्रदाता कंपनियों के अधिकारियों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। इस अवसर पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, वित्तमंत्री सुरेश खन्ना, कैबिनेट मंत्री सतीश चंद्र शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल, एमएलसी मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, इंजीनियर अवनीश, विधायकगण नीरज वोहरा, योगेश शुक्ला, जयदेवी, सुरेन्द्र मैथानी, प्रदेश के सभी 75 जनपदों में आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण तथा प्रदेश सरकार के अधिकारीगण एवं खाद्य एवं रसद विभाग के अधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 10 लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक प्रदान किए। इनमें ममता मिश्रा, रम्पाता, रहनुमा बेगम, रूबीना, श्वेता सिंह, रूपा, सोनम शुक्ला, गुड़िया, ममता और शिखा गौतम शामिल रहीं। इस अवसर पर उज्ज्वला योजना और महाकुंभ से संबंधित एक-एक वीडियो भी प्रदर्शित किया गया।

एएसआई करेगा संभल की जामा मस्जिद की पुताई

हाईकोर्ट का आदेश, मस्जिद कमेटी देगी खर्चा

संभल, 12 मार्च (एजेंसियां)। संभल की विवादित शाही मस्जिद में रंगाई-पुताई भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) करवाएगी। इसका खर्च मस्जिद की कमेटी वहन करेगी। मस्जिद कमेटी को यह खर्च एक सप्ताह के भीतर एएसआई को देना होगा। एएसआई वहीं पुताई करवाएगी, जहां इसकी जरूरत है। पुताई का यह आदेश इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मस्जिद कमेटी ने पुताई के लिए याचिका डाली थी। एएसआई ने पहले इसका विरोध किया था। एएसआई ने हाईकोर्ट को बताया कि मस्जिद के बाहर कई जगह धब्बे हैं और इसकी पुताई में लंबा समय लगेगा।

वहीं मस्जिद कमेटी ने कहा कि पुताई उन्हें खुद ही करवाने दी जाए। हालांकि, कोर्ट ने मस्जिद कमेटी की बात मानने से इनकार कर दिया है। संभल की शाही जामा मस्जिद को लेकर वर्तमान में विवाद चल रहा है। हिंदू पक्ष ने इस मामले में एक मुकदमा कर रखा है और यहां पूजा करने की मांग की है। उन्होंने इसे हरिहर मंदिर बताया है।

संपादकीय

बच्चों में बहरापन

यह आशंका अकसर जताई जाती रही है कि लगातार कानों पर मोबाइल व ईयरफोन लगाने का बच्चों की श्रवण शक्ति पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। अब हाल में हुए अध्ययन ने इसकी पुष्टि की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भी इस खतरे की पुष्टि कर रहे हैं। इसीलिए अभिभावकों को चेताया गया है कि बहुत अधिक स्क्रीन टाइम और गैजेट्स की तेज ध्वनि से बच्चों की रक्षा करें। दरअसल, डब्ल्यूएचओ की दक्षिण पूर्व एशिया की निदेशक साइमा वाजेद ने कहा है कि दुनिया में 1.40 अरब लोग इस संकट से प्रभावित हुए हैं। जिसमें 40 करोड़ लोग दक्षिण पूर्व एशिया में बधिरता से ग्रस्त हो रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2050 तक 1.6 अरब लोग बधिरता से प्रभावित हो सकते हैं। जिनमें अधिकांश लोग मध्यम व कम आय वर्ग के होंगे। यूं तो साठ साल के बाद सुनने की क्षमता प्राकृतिक रूप से कम हो जाती है, लेकिन हाल के वर्षों में लगातार कानों में ईयरफोन आदि लगाने से यह संकट बच्चों में बढ़ता जा रहा है। खासकर वे बच्चे जो लगातार लेपटॉप व मोबाइल पर गेमिंग व अन्य कार्यक्रम तेज आवाज में घंटों सुनते रहते हैं। पहले कम सुनने की समस्या दिखाई देती है और कालांतर समस्या बहरेपन में तब्दील हो जाती है। दरअसल, कानों पर तकनीकी शोर का इतना अधिक दबाव बढ़ गया है कि बच्चे अपनी सुनने की प्राकृतिक क्षमता खोने लगे हैं। जो एक आसन्न गंभीर संकट को ही दर्शाता है। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि आज मोबाइल फोन एक आवश्यक बुराई बन चुका है। आज नई पीढ़ी इस संबंध में मां-बाप की नसीहत पर ध्यान कम ही देती है। ऐसे में स्कूल-कालेजों में शिक्षकों व सामाजिक अभियानों से जुड़े लोगों को जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। विभिन्न सूचना माध्यमों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों से बच्चों को जागरूक करने के लिये मुहिम चलाने का कुछ लाभ जरूर मिल सकता है। प्रयास किया जाए कि न टाले जा सकने वाले कार्यक्रमों को कम आवाज के साथ सुना जाए। लेकिन विडंबना यह है कि हरदम कानों पर मोबाइल व ईयरफोन तथा बड्स आदि लगाना स्टेटस सिंबल बन गया। व्यक्ति खुद व्यस्त होने का दिखावा करता रहता है। विडंबना यह है कि जीवनशैली में आए बदलावों तथा शिक्षा कार्यों के लिये ऑनलाइन रहने की दलील देकर बच्चे भी मोबाइल-लेपटॉप आदि से चिपके रहने का बहाना ढूंढ ही लेते हैं। तेज आवाज का संगीत व कंसर्ट बच्चों को लुभाते हैं। ऐसे में अभिभावक बच्चों को इस संकट की भयावहता से अवगत कराएं तथा समय-समय पर उनके कानों का चेकअप कराते रहें। कोशिश हो रचनात्मक तरीके से उनकी इस आदत को बदलने का प्रयास किया जाए। वैसे भी महानगरों व भीड़भाड़ वाले इलाकों में ध्वनि प्रदूषण लगातार बढ़ता जा रहा है। जिसके खतरों को लेकर समाज में जागरूकता के प्रचार-प्रसार की सख्त जरूरत होती है। बच्चों को लेकर अभिभावकों व शिक्षकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, क्योंकि उनके लंबे जीवन पर बहरेपन का संकट मंडराने का खतरा बढ़ता ही जा रहा है।

कानों पर मोबाइल व ईयरफोन लगाने का बच्चों की श्रवण शक्ति पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। अब हाल में हुए अध्ययन ने इसकी पुष्टि की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भी इस खतरे की पुष्टि कर रहे हैं। इसीलिए अभिभावकों को चेताया गया है कि बहुत अधिक स्क्रीन टाइम और गैजेट्स की तेज ध्वनि से बच्चों की रक्षा करें। दरअसल, डब्ल्यूएचओ की दक्षिण पूर्व एशिया की निदेशक साइमा वाजेद ने कहा है कि दुनिया में 1.40 अरब लोग इस संकट से प्रभावित हुए हैं। जिसमें 40 करोड़ लोग दक्षिण पूर्व एशिया में बधिरता से ग्रस्त हो रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2050 तक 1.6 अरब लोग बधिरता से प्रभावित हो सकते हैं। जिनमें अधिकांश लोग मध्यम व कम आय वर्ग के होंगे। यूं तो साठ साल के बाद सुनने की क्षमता प्राकृतिक रूप से कम हो जाती है, लेकिन हाल के वर्षों में लगातार कानों में ईयरफोन आदि लगाने से यह संकट बच्चों में बढ़ता जा रहा है। खासकर वे बच्चे जो लगातार लेपटॉप व मोबाइल पर गेमिंग व अन्य कार्यक्रम तेज आवाज में घंटों सुनते रहते हैं। पहले कम सुनने की समस्या दिखाई देती है और कालांतर समस्या बहरेपन में तब्दील हो जाती है। दरअसल, कानों पर तकनीकी शोर का इतना अधिक दबाव बढ़ गया है कि बच्चे अपनी सुनने की प्राकृतिक क्षमता खोने लगे हैं। जो एक आसन्न गंभीर संकट को ही दर्शाता है। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि आज मोबाइल फोन एक आवश्यक बुराई बन चुका है। आज नई पीढ़ी इस संबंध में मां-बाप की नसीहत पर ध्यान कम ही देती है।

वर्ष 2024 में 605 ग्रामीण जिलों के 17 हजार 997 गांवों में कराए गए सर्वेक्षण पर आधारित है

माताओं के बढ़ते शैक्षिक स्तर में छिपा बच्चों का भविष्य

अमरपाल सिंह वर्मा

एक समय में जहां शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ने के कारणों का विश्लेषण होता था, वहीं अब हर कोई शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़कर अपने उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने को आतुर है। देश में अब महिलाओं की शिक्षा महत्वपूर्ण साबित हो रही है, इनमें भी विशेषकर माताओं की शिक्षा एक सशक्त समाज की नींव रखने में मददगार साबित हो रही है। हाल ही में जारी वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट (एएसईआर) 2024 के अनुसार ग्रामीण भारत में माताओं की शिक्षा का स्तर लगातार बढ़ रहा है।

शिक्षा के क्षेत्र में भारत आगे बढ़ रहा है। देश में शिक्षा केवल एक अधिकार नहीं बल्कि समग्र विकास की कुंजी बन गया है। एक समय में जहां शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ने के कारणों का विश्लेषण होता था, वहीं अब हर कोई शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़कर अपने उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने को आतुर है। देश में अब महिलाओं की शिक्षा महत्वपूर्ण साबित हो रही है, इनमें भी विशेषकर माताओं की शिक्षा एक सशक्त समाज की नींव रखने में मददगार साबित हो रही है। हाल ही में जारी वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट (एएसईआर) 2024 के अनुसार ग्रामीण भारत में माताओं की शिक्षा का स्तर लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2016 में 5 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों की 46.6 प्रतिशत माताएं ऐसी थीं, जिन्होंने स्कूल का मुंह तक नहीं देखा था जबकि 2024 में यह संख्या घटकर 29.4 प्रतिशत रह गई है। इससे पता चलता है कि पढ़ी-लिखी माताओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। यह रिपोर्ट एक गैर सरकारी संगठन ने जारी की है और यह वर्ष 2024 में 605 ग्रामीण जिलों के 17 हजार 997 गांवों में कराए गए सर्वेक्षण पर आधारित है। यह रिपोर्ट एक नई उम्मीद जगाती है क्योंकि शिक्षा केवल व्यक्ति का विकास नहीं करती बल्कि पूरे परिवार और समाज की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती है। जब कोई मां शिक्षित होती है तो वह अपने बच्चों की शिक्षा को लेकर अधिक जागरूक होती है और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास करती है। विभिन्न शोध एवं अध्ययनों के नतीजे बताते हैं कि शिक्षित माताओं के बच्चे स्कूल में बेहतर प्रदर्शन करते हैं और उनकी शिक्षा जारी निरंतर रहने की संभावना अधिक होती है। इस प्रकार एक शिक्षित मां अपनी नई पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखती है। हमारे देश, खासकर गांवों में शिक्षा का अभाव अनेक समस्याओं का कारण बना है। कृषि में व्यस्तता, आजीविका के लिए मजदूरी, लड़कियों की शिक्षा के प्रति रूढ़िवादी विचार, नजदीकी स्थलों पर स्कूलों का अभाव जैसे कई कारण महिलाओं की अशिक्षा के लिए जिम्मेदार रहे हैं। अशिक्षा के कारण महिलाओं को अनेक सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। अशिक्षित माताएं न केवल अपने अधिकारों से अनभिज्ञ रहती हैं बल्कि वे स्वास्थ्य, पोषण और परिवार नियोजन से संबंधित आवश्यक निर्णय भी नहीं ले

पातीं। शिक्षा की कमी से वे आर्थिक रूप से आत्म निर्भर नहीं बन पातीं और सामाजिक कुरीतियों का शिकार बनती हैं। महिलाओं के पिछड़ेपन का बच्चों की शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अशिक्षित माताएं अपने बच्चों की पढ़ाई को उतनी प्राथमिकता नहीं दे पातीं जिससे बच्चों का विद्यालय छोड़ने की संभावना अधिक होती है। कई बार वे अपने बच्चों को घरेलू कामों या मजदूरी में लगाने को मजबूर होती देखी गई हैं जिससे उनका बचपन शिक्षा के अभाव में गुजर जाता है। सरकार द्वारा शुरू किए गए सर्व शिक्षा अभियान (अब समग्र शिक्षा अभियान) और समाज में बढ़ती जागरूकता के कारण ग्रामीण महिलाओं की शिक्षा में तेजी आई है। 2016 में जहां केवल 9.2 प्रतिशत माताएं कक्षा 10 से आगे पढ़ी थीं, वहीं 2024 में यह संख्या बढ़कर 19.5 प्रतिशत हो गई है। यह बदलाव केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक सामाजिक परिवर्तन का भी प्रमाण है। केरल इस बदलाव में सबसे आगे है। 2016 में जहां 40 प्रतिशत माताएं कक्षा 10 से आगे पढ़ी थीं वहीं 2024 में यह संख्या 69.6 प्रतिशत हो गई है। हिमाचल प्रदेश में भी यह संख्या 30.7 प्रतिशत से बढ़कर 52.4 प्रतिशत हो गई है। हरियाणा, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में भी 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई है। हालांकि, मध्यप्रदेश को अभी लंबा रास्ता तय करना है। 2016 में यहां केवल 3.6 प्रतिशत माताएं कक्षा 10 से आगे पढ़ी थीं जो 2024 में बढ़कर 9.7 प्रतिशत ही हुई हैं। यह वृद्धि सकारात्मक है, लेकिन अन्य राज्यों की तुलना में अभी भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। देश में न केवल माताओं बल्कि पिताओं की शिक्षा का स्तर भी बढ़ा है। 2016 में जहां केवल 17.4 प्रतिशत पिता कक्षा 10 से आगे पढ़े थे, वहीं 2024 में यह आंकड़ा बढ़कर 25 प्रतिशत हो गया है। हालांकि माताओं की शिक्षा में हुई प्रगति की तुलना में यह वृद्धि धीमी रही है लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि माताओं और पिताओं की शिक्षा के बीच का अंतर कम हो रहा है। 2016 में यह अंतर 8 प्रतिशत था, जो 2024 में घटकर 5 प्रतिशत रह गया है। जब माताएं शिक्षित होती हैं तो वे केवल अपने जीवन को नहीं बदलतीं बल्कि पूरे समाज को एक नई दिशा प्रदान करती हैं। शिक्षित माताएं न केवल अपने बच्चों की शिक्षा में योगदान देती हैं बल्कि वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने में भी सक्षम होती हैं। उनमें स्वास्थ्य, टीकाकरण और पोषण के प्रति जागरूकता आती है जिससे उनके परिवार के सदस्यों का संपूर्ण विकास संभव होता है। शिक्षा का प्रभाव केवल एक पीढ़ी तक सीमित नहीं रहता। यह एक सतत प्रक्रिया है जो आने वाली पीढ़ियों को भी प्रभावित करती है। यदि आज की माताएं शिक्षित होंगी तो वे अपनी बेटियों को भी शिक्षित करेंगी जिससे भविष्य में महिला सशक्तिकरण को और बल मिलेगा। यदि बेटियां पढ़ेंगी तो न केवल समाज आगे बढ़ेगा बल्कि एक समृद्ध एवं सशक्त राष्ट्र का निर्माण भी होगा। यह वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट एक उत्साह का संचार करती है मगर यह सिलसिला इसी प्रकार बना रहे, इसके लिए जरूरी कदम उठाने होंगे। सरकार को शिक्षा संबंधी योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाकर विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की शिक्षा तक अधिक पहुंच सुनिश्चित करनी चाहिए। महिला साक्षरता अभियानों को बढ़ावा देना होगा। ऑनलाइन शिक्षा और डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म का अधिकाधिक उपयोग कर महिलाओं को घर बैठे शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। महिलाओं की शिक्षा पूरे परिवार और समाज के लिए क्यों आवश्यक है, समाज में यह धारणा मजबूत की जानी चाहिए। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की महिलाओं को छात्रवृत्ति योजनाओं को और सार्थक और प्रभावकारी बनाया जाना चाहिए। महिलाओं के लिए जितनी औपचारिक शिक्षा जरूरी है, उतना ही व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण भी आवश्यक है। इससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी।

दृष्टि कोण

छोटे परमाणु रिएक्टर बदलेंगे ऊर्जा का परिदृश्य

आने वाले समय में एआई सिस्टम के संचालन के लिए निरंतर ऊर्जा आपूर्ति की जरूरत पड़ेगी। पारंपरिक ऊर्जा स्रोत एआई सेक्टर की मांग पूरी नहीं कर सकते। इस समय सिर्फ परमाणु ऊर्जा ही इस जरूरत को पूरा कर सकती है। भारत ने अपने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिसमें नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण और मौजूदा संयंत्रों को अपग्रेड करना शामिल है। दुनिया में अब बड़े परमाणु रिएक्टरों के बजाय छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों का चलन बढ़ रहा है। भारत भी मॉड्यूलर रिएक्टरों के मामले में किसी से पीछे नहीं रहना चाहता। अभी हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्रांस यात्रा के दौरान दोनों देशों ने आधुनिक परमाणु रिएक्टरों को संयुक्त रूप से विकसित करने की मंशा व्यक्त की, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि ऊर्जा सुरक्षा और कम कार्बन अर्थव्यवस्था में परिवर्तन के लिए परमाणु ऊर्जा महत्वपूर्ण है। दोनों देशों ने छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) और एडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टरों (एएमआर) के बारे में एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए। भारत और फ्रांस ने इस बात पर जोर दिया कि ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और कम कार्बन अर्थव्यवस्था की ओर गमन के लिए परमाणु ऊर्जा एनर्जी मिक्स (विभिन्न ऊर्जा स्रोत) का एक अनिवार्य हिस्सा है। एसएमआर कॉम्पैक्ट परमाणु विखंडन रिएक्टर हैं जिन्हें कारखानों में निर्मित किया जा सकता है और फिर कहीं और स्थापित किया जा सकता है। वे आम तौर पर पारंपरिक परमाणु रिएक्टरों की तुलना में कम क्षमता वाले होते हैं। मॉड्यूलर रिएक्टर मॉड्यूलर डिजाइन पर आधारित होता है। यह रिएक्टर छोटे और मॉड्यूलर इकाइयों में बनाया जाता है जिन्हें एक साथ जोड़कर एक बड़ा रिएक्टर बनाया जा सकता है। मॉड्यूलर रिएक्टर छोटे आकार में बनाए जा सकते हैं, जिससे उन्हें आसानी से ट्रांसपोर्ट किया जा सकता है। मॉड्यूलर रिएक्टर की लागत कम होती है, क्योंकि उन्हें मॉड्यूलर इकाइयों में बनाया जाता है। मॉड्यूलर रिएक्टर में पैसिव कूलिंग सिस्टम जैसे कई सुरक्षा उपाय होते हैं। इनकी दक्षता बढ़ाने के लिए कई तकनीकों का उपयोग किया जाता है। स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) छोटे आकार के रिएक्टर होते हैं जो 10-100 मेगावाट की क्षमता वाले होते हैं। एडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टरों में उन्नत तकनीक का उपयोग किया जाता है, जैसे कि पैसिव सुरक्षा प्रणाली, उन्नत ईंधन चक्र और उन्नत नियंत्रण प्रणाली। एडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टरों को सेफ्टी के लिए डिजाइन किया जाता है। एडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टरों को लागत की दृष्टि से प्रभावी बनाया जाता है। इंटीग्रल प्रेशराइज्ड वाटर रिएक्टर (आईपीडब्ल्यूआर) और हाई-टेम्परेचर गैस-कूल्ड रिएक्टर (एचटीजीआर) एडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टरों के कुछ उदाहरण हैं। आईपीडब्ल्यूआर रिएक्टर एक एकल इकाई में प्रेशराइज्ड वाटर रिएक्टर और टर्बाइन को एकीकृत करते हैं जबकि एचटीजीआर रिएक्टर उच्च तापमान पर काम करते हैं और गैस कूलिंग का उपयोग करते हैं। निःसंदेह, एडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टरों का विकास और उपयोग परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो कि सुरक्षित, कुशल और लागत-प्रभावी ऊर्जा उत्पादन की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान कर सकता है। मॉड्यूलर रिएक्टर का उपयोग विद्युत उत्पादन के अलावा उद्योगों में ऊर्जा उत्पादन के लिए किया जा सकता है। इनका उपयोग विभिन्न चिकित्सा अनुप्रयोगों में भी किया जा सकता है। रेडियो आइसोटोप उत्पादन के लिए छोटे रिएक्टर बहुत उपयोगी होंगे। भारत का लक्ष्य स्वच्छ ऊर्जा में अपने परिवर्तन के हिस्से के रूप में 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पन्न करना है। निजी क्षेत्र की भागीदारी को सक्षम करने के लिए सरकार परमाणु ऊर्जा अधिनियम और परमाणु क्षति अधिनियम के लिए नागरिक दायित्व में संशोधन पर भी विचार कर रही है। इस समय परमाणु ऊर्जा संयंत्र भारत की कुल स्थापित बिजली क्षमता 462 गीगावाट का 1.8 प्रतिशत और कुल बिजली उत्पादन का लगभग 3 प्रतिशत योगदान देते हैं। इससे सालाना लगभग 4.1 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड की बचत होती है। वर्ष 2022 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन कार्यालय को सौंपी गई अपनी दीर्घकालिक कम उत्सर्जन विकास रणनीति में भारत ने 2032 तक स्थापित परमाणु क्षमता में तीन गुना वृद्धि का अनुमान लगाया है। सरकार ने एसएमआर के अनुसंधान और विकास के समर्थन करने के लिए 20,000 करोड़ रुपये के बजट के साथ एक परमाणु ऊर्जा मिशन शुरू करने की योजना की घोषणा की है।

कुछ अलग

अभिव्यक्ति का हक

यह विडंबना ही है कि आजादी के पिचहत्तर साल बाद भी शीर्ष अदालत को याद दिलाना पड़ा है कि संविधान प्रदत्त अभिव्यक्ति की आजादी अनिवार्य हक है। यह भी कि हमारी पुलिस अब तक स्वतंत्र अभिव्यक्ति का मर्म नहीं समझी है और अकसर राजनीतिक दबाव में कार्यवाही कर देती है। कमोबेश यही स्थिति सत्ता पक्ष की भी है कि वो अपनी आलोचना पर तल्ख होकर अभिव्यक्ति की आजादी का अतिक्रमण करने पर उतारू हो जाता है। ऐसे मामलों में पुलिस का भी दायित्व बनता है कि अभिव्यक्ति की सही व्याख्या करे। उसके बाद ही किसी तरह की कार्रवाई करे। निश्चय ही ऐसे मामलों में बेहद संवेदनशीलता की जरूरत होती है। वहीं दूसरी ओर हाल के दिनों में किसी राजनेता के बयान, फिल्मों, साहित्यिक अभिव्यक्ति पर भावनाएं आहत होने के आरोप लगाने का फैशन ही बन गया है। दरअसल, कला व साहित्य में अभिव्यक्ति बिंबों व प्रतीकों के माध्यम से की जाती है। जिसकी सतही व्याख्या करके आनन-फानन में मुकदमे दर्ज कर दिए जाते हैं। भारतीय समाज की तो सदियों से यह खूबसूरती ही रही है कि सभी विचारों व तर्कों का सम्मान किया जाता रहा है। लेकिन हाल के सोशल मीडिया के दौर में कथित भावना आहत होने के आरोप लगाने का रिवाज सा बन गया है। इसके विपरीत सत्ता पक्ष को सुविधाजनक लगने वाले तल्ख विचारों की अभिव्यक्ति का नोटिस नहीं लिया जाता। विडंबना यह है कि पुलिस भी सत्ता पक्ष के दबाव के चलते न्यायसंगत कार्रवाई नहीं कर पाती। यही वजह है कि पिछले दिनों सांसद इमरान प्रतापगढ़ी की कविता पर प्राथमिकी दर्ज होने तथा अश्लील अभिव्यक्ति करने वाले रणवीर इलाहाबादिया के प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट ने मार्गदर्शक टिप्पणियां की। इसमें प्रतापगढ़ी की कविता का मर्म समझे बिना उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की कड़ी आलोचना की गई। साथ ही शीर्ष अदालत ने सरकारी दिशा-निर्देशों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति की गरिमा का ध्यान रखने को भी कहा, जिससे किसी के साथ अन्याय न हो सके। निस्संदेह, अदालत ने स्वतंत्र अभिव्यक्ति के लोकतांत्रिक व संवैधानिक मूल्यों के रूप में अपरिहार्य होने का जिक्र करते हुए दोटूक शब्दों में कहा कि कम से कम आजादी के सात दशक बाद पुलिस को इसकी गरिमा का अहसास होना चाहिए था। कोर्ट ने नसीहत दी कि प्रतापगढ़ी के खिलाफ मामला दर्ज करने से पहले पुलिस को कविता पढ़नी चाहिए थी और उसका वास्तविक अर्थ समझना चाहिए था। कविता इंसाफ और प्रेम को अभिव्यक्त करती थी, न कि हिंसा-दुर्भावना को। कोर्ट ने ऐसी ही टिप्पणी डिजिटल प्लेटफार्म के एक कार्यक्रम में भदेस-अश्लील शब्दावली का प्रयोग करने वाले रणवीर इलाहाबादिया को फिर से कार्यक्रम की अनुमति देते वक्त की है। कोर्ट ने चेताया कि अभिव्यक्ति की आजादी के मायने अश्लील अभिव्यक्ति कदापि नहीं है। कोर्ट ने इलाहाबादिया को सख्त लहजे में चेताया कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर वे नैतिकता व अश्लीलता की सीमाओं के अतिक्रमण करने का दुस्साहस कदापि न करें। अदालत ने सोशल मीडिया मंचों के दुरुपयोग पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि सरकार इस बाबत दिशा-निर्देश जारी करे ताकि सेंसर करने तथा मापदंडों का फर्क स्पष्ट हो सके, जिससे आनन-फानन में विचारों की स्वतंत्रता पर अनावश्यक अंकुश न लगाया जा सके। निस्संदेह, आजकल जब सोशल मीडिया के कतिपय मंचों पर असामाजिक व्यवहार मर्यादाओं की सीमा लांघना आम होता जा रहा है, इनका गाइडलाइन्स के जरिये नियमन जरूरी हो जाता है।

देश दुनिया से

संभव है ट्रंप-पुतिन-मोदी शिखर सम्मेलन

हैरानी जिस बात की है वह यह कि यूरोपीय और ब्रिटेन को झटका इस कदर लगा है। ब्रिटिश और फ्रांसीसी, जोकि सुरक्षा परिषद के वीटो पॉवर संपन्न स्थाई सदस्य हैं – इनके अलावा यूरोप महाद्वीप के वे तमाम अन्य देश जो विश्व मंच पर खुद को स्थापित करने की बेतहाशा कोशिश में हैं – अमेरिकी डॉलर की पीठ पर सवार होने के कारण, अमेरिकियों के सामने नतमस्तक रहे, कम से कम द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से। यूरोप का सबसे उघड़ा रहस्य यह है कि यूरोपीय लोगों के अंदर अनाकर्षक अमेरिकियों के प्रति व्याप्त घृणा बमुश्किल छिपी है– उन्हें तो सिर्फ उनका पैसा चाहिए। सुएज़ के पार, गर्मियों में पेरिस के बेकरी वाले सबसे महंगे बगेट (ब्रेड) बनाकर रखते हैं – जब फ्रांस की राजधानी पेरिस आने वाले अमेरिकी पर्यटकों की भारी भीड़ के कारण हर चीज़ खत्म हो जाती है, ठीक वैसे ही, जब उन सभी को हेमिंग्वे की किताब 'ए मूवेबल फीस्ट' के एक या अन्य संस्करण की तलाश भी रहती है। ट्रम्प एंड कंपनी – जेडी वेंस, एलन मस्क और अन्य की एक बात है कि उनके पास वह करने के वास्ते कोई वक्त नहीं है, जिसे जाने-माने पत्रकार शेखर गुप्ता 'तानपुरा-सेटिंग' कहते हैं। इसका मतलब है कि यूरोप, जिसे औपचारिक संवाद और व्यवहार में तमाम तरह का तामझाम और अलंकार बहुत पसंद है, जिसको 'इग्लाइट' और 'लिबर्टे' और यहां तक कि 'फ्रैटरनाइट' जैसे कलिष्ट शब्दों में पिरोया जाता है – हालांकि, यहां आपको उत्तरी अफ्रीका में फ्रांस के कुछ दशक पहले के इतिहास पर नज़र डालनी चाहिए, खासकर अल्जीरिया में, जहां के श्वेत फ्रांसीसी भी 'पाइड नोयर' या 'ब्लैक फीट' पुकारे जाते थे, क्योंकि वे मुख्यभूमि के फ्रांसीसियों जितने गोरे नहीं थे – यह सब आत्मा को इतना झकझोरने और उद्वेलित करने वाला है, क्योंकि वे जानते हैं कि आखिरकार उनके रखे अनाप-शाप दाम अटलांटिक पार से आए अमेरिकी ही चुका सकते हैं। खैर, ट्रम्प और वेंस ने अभी-अभी घोषणा की है कि इस सारी 'तानपुरा-सेटिंग' का समय समाप्त हो चुका है। या फिर आप अपना 'तानपुरा सेट करना' जारी रख सकते हैं, लेकिन हमारे समय या हमारे पैसे की एवज पर नहीं। इसलिए यूक्रेन का अंतिम यूक्रेनी तक लड़ने का निर्णय मुबारक हो, लेकिन अमेरिकी पैसे पर नहीं। कम से कम अफगानिस्तान ने अमेरिका और यूरोप को एक बात सिखाई है – किसी और की लड़ाई लड़ने का मतलब यह नहीं है कि आपके फौजी इसमें मरें। शायद इसीलिए उन्होंने अपना अपराध बोध कम करने को अपनी थैली की डोरी ढीली की थी। ट्रम्प ने उस सुबह ओवल ऑफिस में यूरोप के पाखंड को उजागर किया। तीन साल से यूरोप और कनाडा व्लादिमीर पुतिन से लड़ने के लिए ज़ेलेंस्की को उकसाते आए है, सिवाय इसके कि अफ़गानिस्तान के उलट, वहां वे अपने फौजी मरवाने को तैयार नहीं हैं। दुनिया को इस दिशा में आगे बढ़ने में एक हफ़्ते से भी कम समय लगा। सिर्फ़ ज़ेलेंस्की ही नहीं, हर कोई ट्रम्प के नेतृत्व वाली 'नई साहसी दुनिया' के लिए तैयारी कर रहा है, क्योंकि वे जानते हैं कि उनके पास कोई और विकल्प नहीं है। हाल-फिलहाल केवल चीनी ही तनकर सामने खड़े हैं। इसके क्या मायने हैं, आप जानते हैं। ट्रंप भी मानते हैं कि उनका असली मुकाबला पुतिन से नहीं बल्कि शी जिनपिंग से है। किसी और के पास नहीं, केवल चीनियों के पास ही अमेरिकियों का सामना करने लायक ताकत और कूवत है। शायद इसीलिए ट्रंप 'रूसी भालू' को गले लगाना चाहते हैं – यह करके वे उसे चीनी नेता की ड्रैगन जैसी पकड़ से दूर रखना चाह रहे हैं। यह अविश्वसनीय है कि ट्रंप ने इस मूल सच्चाई को इतनी जल्दी बूझ लिया, लेकिन वाशिंगटन डीसी के बाकी लोगों के भेजे में सालों तक यह बात नहीं आई। अच्छा, तो फिर ट्रंप युग में भारतीय विदेश नीति को लेकर कोई क्या-क्या सोचे ? स्पष्टतः, मोदी सरकार ने ट्रंप से जल्द मिलने को जाकर ठीक किया, भले ही यह उसी समय हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति भारतीयों को असम्मानजनक तरीके से निर्वासित कर रहे थे। इसलिए मोदी ने कड़वी गोली जल्द निगल ली, क्योंकि उन्हें पता था कि उन्हें यह करना पड़ेगा – अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने जल्दी पड़ना और अपनी बात कहना। वाशिंगटन डीसी में मोदी की उपस्थिति से उनके पुराने नारे : 'अबकी बार, ट्रंप सरकार' की याद भी ताजा हो गई, जोकि बाइडेन के लिए ज़ेलेंस्की के समर्थन के एकदम उलट था। बाकी चीजें विदेश मंत्री एस जयशंकर चतुराई से साध रहे हैं। इसीलिए उन्होंने घोषणा कर दी कि भारत 'डी-डॉलराइजेशन' के साथ नहीं है, हालांकि रूस के कज़ान में चीन के नेतृत्व वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत ने ठीक यही करने में सहमति जताई थी, सालाना बजट पेश करने से पूर्व ही, लग्जरी मोटरसाइकिलों के लिए टैरिफ घटा दिया, क्योंकि अपने पिछले कार्यकाल में ट्रंप यही करवाना चाहते थे। संक्षेप में, ट्रंप को खुश करने की कोशिश की जा रही है या कम से कम उन्हें शांत करने, उन्हें यह दिखाने की कि हमारा इरादा उनका नुकसान करने का नहीं है। आप जानते हैं कि वह एक अप्रत्याशित मिजाज़ वाले बंदे हैं- मैक्सिको और कनाडा पर जो शुल्क लगाने की उन्होंने हाल ही में घोषणा की थी, फिलहाल उस पर अमल टाल दिया है– सो उनको राज़ी रखने में भलाई है। यह दिखावा न करें कि आप गुटनिरपेक्ष हैं, जोकि आप वास्तव में नहीं हैं, और न ही उनके साथ अपनी दोस्ती बहुत गहरी होने के बारे में सार्वजनिक रूप से दम भरें, जैसा कि असुरक्षित 'दोस्तों' की आम आदत होती है। जहां तक आगामी अमेरिका-रूस संबंध मधुर होने की बात है, भारत के सामने पासा फेंका जा चुका है और बाज़ी खेलकर जीतनी होगी। यदि मोदी दांव अच्छे ढंग से खेल लेते हैं, तो पश्चिमी और पूर्वी, दोनों जगह भारत की स्थिति बेहतर बना पाएंगे। ट्रम्प-पुतिन-मोदी वाला एक शिखर सम्मेलन अब संभावना से बाहर नहीं है। सार यह कि मोदी सरकार को सत्ता के इस्तेमाल के बारे में कुछ नुक्ते सीखने चाहिए – मसलन, अपने दुश्मनों के साथ दोस्ती करना, अपने दोस्तों के साथ मित्रता निभाने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यदि मोदी चाहते हैं कि भारत एक क्षेत्रीय शक्ति बने, तो उन्हें पाकिस्तान को लेकर अपने पूर्वाग्रहों को आड़े नहीं आने देना चाहिए।

आप का नजरिया

सतरंगी जीत

होली से पहले ही हमारी क्रिकेट टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर उल्लास-उमंग का ऐसा रंग दिया कि हर भारतीय निखर उठा। होली से पहले देश में दिवाली का भी जश्न मना। देश के कोने-कोने ही नहीं, दुबई के इंटरनेशनल स्टेडियम में खूब तिरंगे लहराये। वहां तन-मन पर तिरंगे अहसास मुखरित हुए। निरंतर जीत की लय में नजर आ रही टीम ने देश की धड़कनों को उस समय ऊंचाई दी जब फाइनल मैच में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हरा दिया। एक ऐसी जीत जिस पर हर भारतीय गर्व कर सके। यह भारतीय क्रिकेट डिप्लोमेसी की भी बड़ी जीत थी, जिसने बताया कि क्रिकेट जगत में भारत के दखल का कोई विकल्प नहीं है। इस बार चैंपियन ट्रॉफी का आयोजक पाकिस्तान था, जिसने स्टेडियम तैयार करने और अपनी धरती पर यह वैश्विक स्पर्धा आयोजित करने को जी-जान लगायी और पैसा खर्च किया। लेकिन बावजूद इसके आईसीसी में भारतीय वर्चस्व के चलते हमारी टीम ने कोई भी मैच पाकिस्तान में नहीं खेला। भारत ने सारे मैच तीसरे देश दुबई में खेले। फिर चैंपियंस ट्रॉफी भी जीत ली। पाकिस्तान के हुकमरान व क्रिकेट के कर्ता-धर्ता मन मसोस कर रह गये। बहरहाल, भारतीय टीम का दस महीनों में यह दूसरा विश्व खिताब है। भारत ने जून, 2024 को टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था। कप्तान रोहित शर्मा को इस बात का श्रेय दिया जाना चाहिए कि उनकी कप्तानी में देश ने दूसरा आईसीसी टूर्नामेंट जीता। सही मायनों में फाइनल में उन्होंने कप्तान की पारी खेली और शानदार-धुआंधार 76 रन बनाये। निश्चित रूप से फाइनल मैच में स्पिनरों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके कसे शिकंजे का ही नतीजा था कि न्यूजीलैंड को 251 पर बांध दिया गया। फिर रोहित की पारी के अलावा श्रेयस अय्यर व केएल राहुल की शानदार पारियों ने टीम को जीत के मुहाने तक पहुंचाया। ओपनर्स रोहित शर्मा और शुभमन गिल की रिकॉर्ड शतकीय साझेदारी ने टीम में जीत का जज्बा पैदा किया। दोनों धुरंधरों ने पहले विकेट के लिये 105 रन जोड़े। बहरहाल, बारह साल बाद चैंपियंस ट्रॉफी में जीता खिताब भारतीयों को उल्लास से भर गया। वहीं टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में पच्चीस साल पहले न्यूजीलैंड के हाथों मिली हार का भी बदला ले लिया। सुखद यह भी है कि हमारी टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही। उससे भी महत्वपूर्ण यह है कि भारतीय टीम तीन बार चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल टीम बन गयी। यह भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिये निश्चय ही गर्व की बात है। इस टूर्नामेंट की एक खास उपलब्धि रही मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की खोज। वे शुरुआत में प्रस्तावित टीम का हिस्सा नहीं थे। लेकिन उन्होंने खुद को साबित किया और विरोधियों को उन्हें समझने में खासी दिक्कत का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम की उपलब्धि यह भी है कि उसने आईसीसी इवेंट्स में पिछले 14 मैच लगातार जीते हैं। गर्व का पल यह भी है कि भारत के पास एक ही समय में टी-20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब है। दुनिया की ऐसी अनुभवी टीम जिसमें रोहित शर्मा व विराट कोहली के पास नौ आईसीसी फाइनल खेलने का रिकॉर्ड है। बहरहाल, इस मैच में भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को इस बात को लेकर निराशा जरूर हुई होगी कि पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रहे विराट कोहली फाइनल मुकाबले में सिर्फ दो गेंदों का ही सामना कर पाए। लेकिन श्रेयस अय्यर व केएल राहुल ने इस कमी को पूरा किया।

नेपाल से बिहार के रास्ते भारत में प्रवेश कर रहे दो बांग्लादेशी नागरिकों को एसएसबी ने किया गिरफ्तार

काठमांडू, 12 मार्च (एजेंसियां)।

नेपाल से बिहार के रास्ते भारत में प्रवेश कर रहे दो बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। भारत-नेपाल की खुली सीमा का फायदा उठाते हुए बिहार में घुसपैठ करते मंगलवार को पकड़े गए।

दोनों बांग्लादेशी नागरिक इस समय बिहार के किशनगंज पुलिस की हिरासत में हैं। किशनगंज जिले के गलगलिया बॉर्डर से दो बांग्लादेशी नागरिकों को एसएसबी ने गिरफ्तार किया है। किशनगंज के एसपी सागर कुमार ने इन दोनों की गिरफ्तारी पाठामारी सीमा से किए जाने की पुष्टि की है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार दोनों बांग्लादेशी नागरिक की पहचान सहरियार सजीब खान और सागर के रूप में हुई है जो नेपाल से भारत में एंट्री करने की फिराक में थे। इनके पास न तो नेपाल का वीजा था, ना ही भारत में घुसने का कोई आधिकारिक दस्तावेज। गिरफ्तार किए गए बांग्लादेशियों की तलाशी लेने पर इनके पास से विदेशी मुद्रा, संदिग्ध दस्तावेज, रेलवे टिकट, होटल बुकिंग, इमिग्रेशन संबंधी कागजात और मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। स्लोवेनिया और क्रोएशिया के वीजा व निवास परमिट से जुड़े दस्तावेज भी तलाशी में हाथ लगे हैं। किशनगंज के एसपी सागर कुमार ने बताया कि पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिकों के पास से 590 अमेरिकी डॉलर, 3735 नेपाली मुद्रा, 7507 बांग्लादेशी टका और भारतीय रुपये का एक सौ का नोट मिला है। इसके अलावा पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट, जन्म प्रमाणपत्र, मतदाता पहचान पत्र, डिप्लोमा प्रमाणपत्र, रेडमी 5जी मोबाइल और तीन तीन बांग्लादेशी और नेपाली सिम कार्ड तथा एक भारतीय सिमकार्ड भी इनके पास से बरामद हुए हैं।

न्यूज ब्रीफ

प्रधानमंत्री मोदी ने मॉरीशस के पूर्व प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेता से मुलाकात की

पोर्ट लुईस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मॉरीशस के लोगों को राष्ट्रीय दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने मॉरीशस के पूर्व प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ और विपक्ष के नेता जॉर्जेस पियरे लेसजॉन्गार्ड से मुलाकात की। इससे पहले मंगलवार को पोर्ट लुईस में एक सामुदायिक कार्यक्रम में प्रवासी भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने मॉरीशस को ग्लोबल साउथ के बीच एक सेतु बताते हुए कहा कि मॉरीशस सिर्फ साझेदार देश नहीं बल्कि भारत के परिवार का हिस्सा है। उन्होंने नये संसद भवन के निर्माण सहित विकास में हर प्रकार से सहयोग का आश्वासन दिया। मॉरीशस की दो दिवसीय यात्रा के आखिरी दिन प्रधानमंत्री मोदी ने मॉरीशस के लोगों को राष्ट्रीय दिवस की बधाई देते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि मॉरीशस के लोगों को राष्ट्रीय दिवस की शुभकामनाएं। के कार्यक्रमों का बेसब्री से इंतजार है, जिसमें समारोह में भाग लेना भी शामिल है। प्रधानमंत्री मोदी ने मॉरीशस के पूर्व प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ से मुलाकात की। इस दौरान विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और एनएसए अजीत डोभाल भी मौजूद रहे।उन्होंने विपक्ष के नेता जॉर्जेस पियरे लेसजॉन्गार्ड से भी मुलाकात की। उन्होंने इन दोनों नेताओं से मुलाकात की तस्वीरें एक्स पर भी साझा की हैं।

पहले हसीना का घर छीना, अब बांग्लादेश में बड़ा ऐक्शन, बहन से बेटे तक सब लपेटे में

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ बड़ी कार्रवाई होने जा रही है। उनके अपने ही मुल्क में अदालत ने संपत्तियां जब्त करने और रिश्तेदारों के बैंक खाते सील करने के आदेश दिए हैं। हसीना के अलावा उनके बेटे समेत कई रिश्तेदारों के खिलाफ भी संपत्तियां जब्त करने के निर्देश दिए गए हैं। पूर्व पीएम फिलहाल भारत में निर्वासन में हैं। भ्रष्टाचार विरोधी आयोग की तरफ से दाखिल आवेदन के बाद कोर्ट ने हसीना और उनके रिश्तेदारों के खिलाफ इस कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने उनके बेटे साजिब वाजेद जॉय, बेटी साइमा वाजेद पुटुल, बहन शेख रेहाना और उनकी बेटियां ट्यूलिप सिद्दीकी और रादवान मुजीब सिद्दीकी के मालिकाना हक वाली संपत्तियों को भी जब्त करने के निर्देश दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने कहा है कि विश्व निकाय ने बांग्लादेश की सेना को चेतावनी दी थी कि यदि वह जुलाई-अगस्त 2024 में हुए छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा में शामिल हुई तो उसे संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। बांग्लादेश में छात्रों ने पिछले साल बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए थे जिसके चलते 15 साल से अधिक समय से सत्तारूढ़ शेख हसीना सरकार को पांच अगस्त को अपदस्थ होना पड़ा था। इसके तीन दिन बाद मुहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में पदभार ग्रहण किया था। ढाका की एक कोर्ट ने हसीना के धानमंडी स्थित आवास सुधासदन समेत अन्य संपत्तियों को जब्त करने के निर्देश दिए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि साथ ही कोर्ट ने ऐसे 124 बैंक खातों को भी जब्त करने के निर्देश दिए हैं, जो उनके परिवार से जुड़े हुए हैं।

ट्रंप ने किया 1300 कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान

वॉशिंगटन। अमेरिका के शिक्षा विभाग ने 1300 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की है। इसके साथ ही कर्मचारियों की संख्या आधे से भी कम हो जाएगी। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने मंगलवार को इस कटौती की जानकारी दी है। इसके बाद यह सवाल उठ रहा है कि विभाग अपनी सामान्य कार्यप्रणाली को कैसे जारी रखेगा। ट्रंप प्रशासन पहले ही विभाग के कर्मचारियों की संख्या में कटौती कर चुका था। कई कर्मचारियों से जबरन इस्तीफे लिए गए थे। इस नई छंटनी के बाद शिक्षा विभाग में स्टाफों की संख्या लगभग आधी रह जाएगी। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार अमेरिकी की गद्दी संभालने के बाद खर्चों में कटौती की बात कही है। इसके लिए उन्होंने एलन मस्क की अगुवाई में डीओजीई का गठन किया है। सरकार के विभिन्न विभागों में हजारों नौकरियां कटने का अनुमान है।

पाकिस्तान ट्रेन हाईजैक

बंधकों के करीब विस्फोटक जैकेट पहने तैनात चरमपंथी, सुरक्षा बलों के सामने बड़ी चुनौती

इस्लामाबाद, 12 मार्च (एजेंसियां)।

बलूचिस्तान के बोलन जिले के पास जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को बीएलए चरमपंथियों द्वारा हाईजैक करने के बाद सुरक्षा बलों का अभियान दूसरे दिन भी जारी है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कम से कम 190 यात्रियों को बचाया जा चुका है और 30 आतंकवादियों को मार गिराया गया है।

मंगलवार को क्वेटा से लगभग 157 किलोमीटर दूर मश्कफ सुरंग के पास चरपमंथियों ने जाफर एक्सप्रेस पर हमला किया और बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों सहित 400 से अधिक यात्रियों को बंधक बना लिया। इस हमले की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ली।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बचाए गए 190 यात्रियों में से 37 घायल हैं। इन यात्रियों में से 57 को प्रांतीय राजधानी में स्थानांतरित कर दिया गया। यात्रियों के परिवारों के लिए सहायता डेस्क और आपातकालीन सेल की स्थापना की गई है। बचाए गए लोगों में महिलाएं और बच्चे शामिल बताए जा रहे हैं।

चरमपंथियों ने कुछ बंधकों के बहुत करीब आत्मघाती हमलावरों को तैनात किया है जो कि विस्फोटक जैकेट पहने हुए हैं।

आत्मघाती हमलावरों ने 'तीन अलग-अलग स्थानों पर महिलाओं और बच्चों को बंधक बना लिया है।' महिलाओं और बच्चों की मौजूदगी के कारण ऑपरेशन 'अत्यंत सावधानी' के साथ चलाया जा रहा है।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने कानून व्यवस्था पर एक बैठक की अध्यक्षता की

और उन्हें जाफर एक्सप्रेस हमले के बारे में अतिरिक्त गृह मुख्य सचिव द्वारा जानकारी दी गई।

सीएम बुगती ने कहा, हमला असहनीय है और सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, देश विरोधी तत्वों का पाकिस्तान को केक की तरह काटने का सपना कभी साकार नहीं हो सकता। हमें खुद को किसी भी भ्रम से मुक्त करना चाहिए और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़नी चाहिए।

बीएलए बलूचिस्तान की आजादी चाहता है। यह कई जातीय विद्रोही समूहों में से सबसे बड़ा है, जिसने दशकों से पाकिस्तान सरकार से लड़ाई लड़ी है। संगठन का कहना है कि सरकार बलूचिस्तान के समृद्ध गैस और खनिज संसाधनों का अनुचित तरीके से दोहन कर रही है।

बीएलए को पाकिस्तान, ईरान, चीन, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका, संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ ने आतंकी संगठन घोषित किया है।

बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है। इसे भू-आर्थिक और भू-रणनीतिक रूप से बेहद अहम माना जाता है फिर भी यह अशांत रहता है। बलूचिस्तान को प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर माना जाता है। इसके बावजूद विकास की दौड़ में सबसे पीछे रह गया है।

ईरान ने अमेरिका से दो टूक कहा- आपसे जो बने सो कर लो

तेहरान, 12 मार्च (एजेंसियां)।

पूरी दुनिया को डराने और धमकाने में जुटे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान ने अच्छी खरी खरी सुना दी है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने कहा कि धमकियों के बीच ईरान अमेरिका से किसी भी स्थिति में अपने परमाणु कार्यक्रम पर बात नहीं करेगा। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप को दो टूक जवाब देते हुए कहा, जो करना है कर लो। इस बीच ईरान ने रूस और चीन के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास करके अपनी ताकत दिखाई है। पेजेश्कियान ने कहा कि हम यह बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं कर सकते कि अमेरिका हमें आदेश और धमकियां दे। मैं तुमसे (अमेरिका) बात भी नहीं करूंगा। जो करना है कर लो। ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई ने भी इससे पहले कहा था कि ईरान किसी भी दबाव में बातचीत नहीं करेगा।

यह बयान ट्रंप के उस दावे के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान के साथ नए परमाणु समझौते के लिए खामेनेई को एक पत्र लिखा है। हालांकि ईरान ने कहा है कि उसे कोई भी पत्र नहीं मिला है। ट्रंप प्रशासन ने एक बार फिर पहले की तरह ईरान पर अधिकतम दबाव' की नीति लागू कर दी है। इसके जरिए अमेरिका ईरान की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने और उसके तेल निर्यात को शून्य तक लाने की कोशिश में जुटा है। ट्रंप ने सोमवार को प्रतिबंधों में दी गई छूट को समाप्त करके दबाव बढ़ाने की कोशिश की।

इस छूट के तहत इराक को ईरान से बिजली खरीदने की इजाजत दी गई थी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इस कदम की निंदा करते हुए कहा कि ईरान दबाव और धमकी में बातचीत नहीं करेगा। 2015 में राष्ट्रपति बराक ओबामा ने ईरान और प्रमुख शक्तियों के साथ ऐतिहासिक समझौता किया था।

इसमें ईरान को अपने परमाणु कार्यक्रम पर अंकुश लगाने के बदले प्रतिबंधों में छूट देने का वादा किया गया था। ट्रंप के आने के बाद यह समझौता टूट गया।ईरान ने मंगलवार को चीन और रूस के साथ संयुक्त नौसैनिक अभ्यास किया, जिसे मैरिटाइम सिक्योरिटी बेल्ट 2025 नाम दिया गया। यह अभ्यास ओमान की खाड़ी में हुआ, जो रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य के पास मौजूद है।

पेरिस में फैशन वीक

पेरिस में फैशन वीक के दौरान परिधानों को पेश करती हुई मॉडल्स।

पहले ऑफिस का टॉयलेट फिर होटल..... विदेश जाकर बना कुकर्मी, 18 साल पहले किया कांड, अब मिली यह सजा

अप्राकृतिक यौनाचार मामले में भारतीय मूल के रंजीत प्रसाद को सिंगापुर में मिली दस साल की सजा

सिंगापुर, 12 मार्च (एजेंसियां)।

सिंगापुर में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को 2007 में 16 वर्षीय लड़के का यौन उत्पीड़न करने के मामले में साढ़े 10 साल से ज्यादा कारावास की सजा सुनाई गई है। जिस शख्स को सजा सुनाई गई है, उसका नाम रंजीत प्रसाद है। अभियोजन ने बताया कि रंजीत प्रसाद को अदालत ने अप्राकृतिक यौनाचार का दोषी पाया है।

जिला न्यायाधीश जॉन नग ने रंजीत प्रसाद को सजा सुनाते समय इस बात को ध्यान में रखा कि दोषी ने अपने पद का दुरुपयोग किया है, जो पहले 'पीपुल्स एसोसिएशन' (पीए) में युवाओं के साथ काम करता था। पीए यहां सामाजिक सेवाएं संचालित करने वाली एक सरकारी संस्था है। जज ने कहा कि इन घटनाओं से पीड़ित के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। रंजीत प्रसाद की इस लड़के से पहली मुलाकात 2007 में पाया लेबर स्थित एक कार्यालय में हुई थी।

दोषी रंजीत उस समय दक्षिण पूर्व और उत्तर पश्चिम सामुदायिक विकास परिषदों (सीडीसी) में पी ए। की सामुदायिक परियोजनाओं का प्रबंधन कर रहा था। साथ ही दक्षिण पूर्व सीडीसी के युवा नेटवर्क कार्यक्रम की देखरेख कर रहा था। अपनी गवाही में पीड़ित लड़के ने कहा कि वह युवा नेटवर्क में शामिल होने को लेकर उत्साहित था और वह मॉडलिंग भी करता था।

इसके बाद दोषी रंजीत प्रसाद ने लड़के साथ अपने कार्यालय के शौचालय में और फिर बाद में एक होटल में दुष्कर्म किया। पीड़ित ने 24 अगस्त 2020 को पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। खबर के मुताबिक, अदालत ने तीन मार्च को अपना फैसला सुनाया और अपराधी को 10 साल छह महीने की सजा सुनाई। व्यक्ति ने 2007 में लड़के के साथ दुष्कर्म किया था। रंजीत प्रसाद ने मामले में अपनी दोषसिद्धि और सजा को चुनौती देने का फैसला किया है।

भारतीय अपराधी को नेपाली नागरिकता दिलाने वाले अधिकारियों के खिलाफ जांच शुरू

काठमांडू, 12 मार्च (एजेंसियां)।

फरवरी के महीने में फिलीपींस से प्रत्यर्पण करके लाए गए कुख्यात अपराधी जोगिंदर उर्फ जोगा डॉन को नेपाली नागरिकता और पासपोर्ट उपलब्ध कराने में मदद करने वाले सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ जांच शुरू की गई है। भारत से अपराध करके नेपाल में दो साल तक रहने वाले जोगा डॉन ने नेपाल के धनुषा जिले से नेपाली नागरिकता का प्रमाण पत्र हासिल किया था। इसी आधार पर उसने नेपाली पासपोर्ट बनवाया और फिलीपींस भाग गया था।

गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ऋषिराम तिवारी ने बुधवार को बताया कि पुलिस की एक विशेष टीम गठन करते हुए इस मामले की जांच शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि भारतीय अपराधी को नागरिकता दिलाने में मदद करने वाले

सभी लोग और नागरिकता का प्रमाण पत्र जारी करने वाले सरकारी कर्मचारियों को जांच के दायरे में लाया गया है। इसी तरह पासपोर्ट जारी करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ भी जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि नेपाल पुलिस की जांच से अब तक पता लगा है कि 2018 में जोगा डॉन ने कुछ वर्षों तक नेपाल में रहने बाद धनुषा जिला के जनकपुरधाम से कांति गुप्ता के नाम से नागरिकता हासिल की थी। इसी नागरिकता के आधार पर उसने काठमांडू से पासपोर्ट जारी करवाया था।

काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल के इमिग्रेशन रिकॉर्ड से पता चला है कि जोगा डॉन नेपाल से कांति गुप्ता के नाम के पासपोर्ट से 20 जुलाई, 2020 को फिलीपींस की राजधानी मनीला गया था। इसी तरह 15 फरवरी, 2024 को उसके फिलीपींस से नेपाल वापसी का रिकॉर्ड भी दर्ज है। इसकी जांच से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि वह 15 दिन नेपाल में रहने के बाद 1 मार्च, 2024 को वापस मनीला गया था। उसे फरवरी के महीने में फिलीपींस से प्रत्यर्पण करके नेपाल लाया गया है। उसके भारत में आपराधिक इतिहास के बारे में भारत की खुफिया एजेंसी से जानकारी मिलने के बाद नेपाल में जांच शुरू की गई है।

भारत में मोस्ट वांटेड की सूची में रहने के बाद नेपाल भाग कर आए जोगा डॉन यहां धरान में एक फ्लैट किराए पर लेकर रहने लगा था। यहां पर उसने कपड़े का व्यवसाय शुरू किया। इसके ही आवरण में वह यहां से भारत के कई राज्यों में फिरौती की रकम के लिए फोन करने लगा जब वह भारतीय सुरक्षाकर्मियों की रडार पर आ गया था। बिहार में लालू यादव की पार्टी राजद के राज्यसभा सांसद संजय यादव से 20 करोड़ की रंगदारी मांगने और नहीं देने पर हत्या करने देने की धमकी देने के बाद उसका नाम मीडिया की सुर्खियों में आया था। उसके खलिस्तानी आतंकवादी अर्श डल्ला और भगोड़े गैंगस्टर लकी पटियाल से करीबी संबंध थे। दोनों ही प्रतिबंधित खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) से जुड़े हैं।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज बेन सियर्स ने यॉर्कशायर के साथ 2025 सीजन के लिए करार किया

लंदन,12 मार्च (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज बेन सियर्स ने यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब के साथ 2025 सीजन के लिए करार किया है। वह टीम के दूसरे काउंटी चैंपियनशिप मैच से पहले इंग्लैंड पहुंचेंगे, जो हेडिंग्ले में वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ खेला जाएगा।

27 वर्षीय सियर्स अपनी तेज गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेले गए अपने एकमात्र टेस्ट मैच में पांच विकेट लिए थे, जिसमें दूसरी पारी में उन्होंने 4 विकेट के बदले 90 रन देकर प्रभावित किया था। उन्होंने 2021 में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था।

बेन सियर्स के साथ न्यूजीलैंड के एक अन्य तेज गेंदबाज विल ओ 'रूर्के भी यॉर्कशायर टीम में शामिल होंगे, जो इस साल के टी20 ब्लास्ट टूर्नामेंट में खेलेंगे। वहीं, क्लब ने सियर्स की तुलना न्यूजीलैंड के पूर्व यॉर्कशायर खिलाड़ी लॉकी फर्ग्यूसन से भी की है।

बेन सियर्स ने अपने चयन पर खुशी जताते हुए कहा,मैं हेडिंग्ले पहुंचने और टीम के साथ खेलने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। क्लब ने कुछ शानदार साइनिंग्स की हैं और मैं इसमें अपना योगदान देने के लिए तैयार हूं।

उन्होंने आगे कहा,सीजन की अच्छी शुरुआत करना बहुत महत्वपूर्ण होता है। हमारे शुरुआती चरण में कुछ बड़े मुकाबले हैं, और मैं टीम को बेहतरीन शुरुआत दिलाने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।

यॉर्कशायर के मुख्य कोच एंथनी मैक्ग्रा ने कहा,बेन एक शानदार प्रतिभा हैं, जो अपनी गेंदबाजी में अतिरिक्त उछाल ला सकते हैं। सीजन की शुरुआत में जब पिचें हरी या धीमी हो सकती हैं, तब वह विरोधी टीम के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। मैं उनके आने और उनके साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं।

वहीं, क्लब के जनरल मैनेजर गेविन हैमिल्टन ने कहा,बेन जैसे प्रतिभाशाली गेंदबाज को क्लब में शामिल करना यह दर्शाता है कि यॉर्कशायर का आकर्षण दुनियाभर के खिलाड़ियों के लिए बना हुआ है। वह एक रोमांचक प्रतिभा हैं और इस सीजन में टीम के लिए अहम भूमिका निभाएंगे। हम उन्हें अप्रैल में हेडिंग्ले में देखने के लिए उत्सुक हैं।

न्यूज ब्रीफ

इंडियन वेल्स के क्वार्टरफाइनल में पहुंचीं स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियाटेक

न्यूयॉर्क। पौलैंड की स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने मंगलवार को खेले गए मुकाबले में चेक गणराज्य की कैरोलीना मुचोवा को 6-1, 6-1 से करारी शिकस्त देकर इंडियन वेल्स के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। दूसरी वरीयता प्राप्त पोलैंड की स्वियाटेक ने इस जीत के साथ टूर्नामेंट में अपने दबदबे को और मजबूत कर लिया है। उन्होंने अब तक तीन मैचों में केवल छह गेम गंवाए हैं और अपने शानदार प्रदर्शन से लगातार आगे बढ़ रही हैं। बारिश की वजह से मुकाबले में देरी हुई, लेकिन खेल शुरू होते ही स्वियाटेक ने जोरदार लय पकड़ ली। उन्होंने शुरुआती चार गेम तेजी से अपने नाम किए और पहले सेट में अपनी पहली सर्व पर एक भी अंक नहीं गंवाया। दूसरी ओर, मुचोवा, जो पिछले साल कलाई की सर्जरी से उबरने के बाद यूएस ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंची थीं, इस मुकाबले में अपनी लय हासिल नहीं कर सकीं। दूसरे सेट में उनकी गलतियां और ज्यादा बढ़ गईं, जिससे स्वियाटेक ने आसानी से मुकाबला अपने नाम कर लिया। स्वियाटेक ने केवल 57 मिनट में मैच खत्म किया और एक शानदार सर्व के साथ जीत दर्ज की। अब क्वार्टरफाइनल में उनका सामना चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन या यूक्रेन की मार्टा कोस्तयुक से होगा। मैच के बाद स्वियाटेक ने कहा, शुरुआत से ही मुझे लगा कि मैं बढ़त बना सकती हूं। मैंने शुरू में कम गलतियां कीं, जिससे मुझे फायदा मिला। मेरा ध्यान यही था कि कैरोलीना को उनके खेल में वापसी का मौका न दूं और मैं खुश हूं कि मैंने इसे अंत तक बरकरार रखा।

ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन : शी युकी और ली शिफेंग दूसरे दौर में

लंदन। चीन के शीर्ष वरीय शी युकी ने ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने मंगलवार को इंडोनेशिया के चिको ऑरा द्वी वार्डोयो को सीधे सेटों में 21-13, 21-8 से हराया। शी (29) का मुकाबले से पहले वार्डोयो के खिलाफ 4-0 का सिर-से-सिर रिकॉर्ड था और उन्होंने केवल 34 मिनट में विश्व नंबर 34 वार्डोयो (26) को पराजित कर दिया। शी, जो वर्तमान में विश्व नंबर 1 हैं, अब प्री-क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे के चाउ टिएन-चेन से भिड़ेंगे। चाउ (विश्व नंबर 9) ने फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव को 21-10, 21-12 से मात दी। शी के हमवतन ली शिफेंग, जिन्होंने दो साल पहले ऑल इंग्लैंड खिताब जीता था, ने कनाडा के ब्रायन यांग को 21-11, 18-21, 21-16 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। अब वह टोमा जूनियर पोपोव से भिड़ेंगे। पुरुष युगल में बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जहां शीर्ष वरीय डेनमार्क की जोड़ी किम एस्ट्रुप और एंडर्स स्कारुप रासमुसेन पहले ही दौर में बाहर हो गई। उन्हें इंडोनेशिया के मुहम्मद शोहिबुल फिकरी और डेनियल मार्टिन की जोड़ी ने 22-20, 21-18 से हराया। महिला एकल वर्ग में शीर्ष दो वरीय, दक्षिण कोरिया की आन से-यंग और चीन की वांग झीयी, बुधवार को अपने-अपने अभियान की शुरुआत करेंगी।

पाकिस्तान के बल्लेबाजी कोच यूसुफ अब न्यूजीलैंड दौरे पर जाने तैयार

लाहौर। पाकिस्तान के बल्लेबाजी कोच मोहम्मद यूसुफ ने अपने पहले वाले फैसले को बदलते हुए कहा है कि वह टीम के साथ न्यूजीलैंड दौरे पर जाने के लिए तैयार हैं। यूसुफ ने इससे पहले कहा था कि वह सीमित ओवरों की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड दौरे पर नहीं जाएंगे। यूसुफ ने तब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को बताया था कि वह अपनी बेटी की बीमारी के कारण इस दौरे से नाम वापस ले रहे हैं। पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा, 'यूसुफ ने अब बोर्ड को जानकारी दी है कि कि उनकी बेटी की हालत अब ठीक है, इसलिये वह टीम के साथ न्यूजीलैंड जा सकते हैं।' पाक टीम पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन एकदिवसीय मैचों के लिए इस दौर पर जा रही है। टीम बुधवार को न्यूजीलैंड के लिए रवाना होगी पाकिस्तान की टी20 टीम: सलमान अली आगा (कप्तान), शादाब खान, अब्बास अफरीदी, अब्दुल समद, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, हसन नवाज, इरफान खान, जहांदाद खान, खुशदिल शाह, मोहम्मद अली, मोहम्मद हारिस, ओमैर बिन यूसुफ, शाहीन शाह अफरीदी, सुफियान मुकीम और उस्मान खान पाकिस्तान की वनडे टीम: मोहम्मद रिजवान (कप्तान), सलमान अली आगा, अब्दुल्ला शफीक, अबरार अहमद, आकिफ जावेद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, इमाम-उल-हक, इरफान खान, खुशदिल शाह, मोहम्मद अली, मोहम्मद वसीम, नसीम शाह, सुफियान मुकीम और तैयब ताहिर।

खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2025

आर्मी के जवानों का दबदबा, हिमाचल प्रदेश ने पदक तालिका में ली बढ़त

नई दिल्ली,12 मार्च (एजेंसियां)।

खेलो इंडिया विंटर गेम्स के दूसरे और अंतिम चरण के तीसरे दिन भारतीय सेना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 पदक अपने नाम किए और पदक तालिका में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। आर्मी की चौकड़ी - नरसिंह थापा, राजेश्वर सिंह, सुनील राय और विशाल चंदल ने 49:58.1 के समय के साथ पुरुषों की स्की माउंटेनियरिंग रिले स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर सुर्खियां बटोरीं। उत्तराखंड की टीम - हिमांशु सिंह, हिमांशु कावन, सुनील राय और विशाल चंदल ने 52:50.97 समय के साथ रजत पदक जीता। राजेश्वर सिंह, जो पिछले तीन वर्षों से स्की माउंटेनियरिंग की ट्रेनिंग ले रहे हैं, ने इस प्रतियोगिता में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीतकर खुशी जाहिर की।

उन्होंने इससे पहले स्की माउंटेनियरिंग स्प्रिंट स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक हासिल किया था। राजेश्वर, जो इस समय गुलमर्ग स्थित हाई-एल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल में तैनात हैं, ने कहा, आर्मी ने मुझे हमेशा समर्थन दिया है और मेरे वरिष्ठों ने मुझे खेल में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया है। गुलमर्ग में तैनात होने से मुझे यहां की परिस्थितियों से तालमेल बैठाने में मदद मिली है। मैं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहता हूं और खेलो इंडिया ने हमारे जैसे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतरीन मंच दिया है।

सेना पदक तालिका में शीर्ष पर, हिमाचल प्रदेश ने बढ़त बनाई

भारतीय सेना ने नॉर्डिक स्कीइंग पुरुषों की 15 किमी स्पर्धा में क्लीन स्वीप किया। आर्मी के सनी सिंह ने 41:04.54 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि स्टैंजिन (41:20.70) ने रजत और थुपस्तान (41:51.38) ने कांस्य पदक जीता।

हिमाचल प्रदेश ने अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ पदक तालिका में जबरदस्त बढ़त बनाई। राज्य ने अल्पाइन स्कीइंग महिला स्लालम स्पर्धा में स्वर्ण, रजत और कांस्य तीनों पदक अपने नाम किए। अंचल ठाकुर (स्वर्ण), तनुजा ठाकुर (रजत) और प्रमिला ठाकुर (कांस्य) ने अपनी श्रेष्ठता साबित की। स्नोबोर्डिंग महिला स्लालम में भी हिमाचल प्रदेश का दबदबा रहा। प्रीति ठाकुर ने स्वर्ण और प्रकृति ठाकुर ने रजत पदक जीता, जबकि महाराष्ट्र की उर्मिला पाबले ने कांस्य पदक जीता। प्रीति ठाकुर ने अपनी जीत के बाद कहा, प्रतियोगिता जितनी कठिन होगी, हमारा स्तर उतना ही ऊंचा होगा। मैंने 20 साल की उम्र में स्नोबोर्डिंग शुरू की और पिछले तीन वर्षों से प्रशिक्षण ले रही हूं। राजा खान से कोचिंग लेने के बाद मैंने अपने खेल में काफी सुधार किया है। मेरा सपना है कि मैं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करूं। इंडो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस (आईटीबीपी) की महिला स्कीयरों ने नॉर्डिक स्कीइंग स्प्रिंट स्पर्धा में तीनों पदक जीतकर अपना दबदबा कायम रखा। कुसुम राणा ने 06:40.59 के समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि कर्नाटक की भवानी थेक्कड़ा (06:43.65) ने रजत की सेलमा सोरेंग ने कांस्य पदक जीता।

तीसरे दिन के प्रमुख परिणाम-

- अल्पाइन स्कीइंग (महिला स्लालम):
- स्वर्ण - अंचल ठाकुर (हिमाचल प्रदेश)
- रजत - तनुजा ठाकुर (हिमाचल प्रदेश)
- कांस्य - प्रमिला ठाकुर (हिमाचल प्रदेश)

नॉर्डिक स्कीइंग (पुरुष 15 किमी):

- स्वर्ण - सनी सिंह (भारतीय सेना)
- रजत - स्टैंजिन (भारतीय सेना)
- कांस्य - थुपस्तान (भारतीय सेना)

नॉर्डिक स्कीइंग (महिला स्प्रिंट):

- स्वर्ण - कुसुम राणा
- रजत - भवानी थेक्कड़ा (कर्नाटक)
- कांस्य - सेलमा सोरेंग

स्की माउंटेनियरिंग (पुरुष रिले):

- स्वर्ण - भारतीय सेना (नरसिंह थापा, राजेश्वर सिंह, सुनील राय, विशाल चंदल)
- रजत - उत्तराखंड (हिमांशु कावन, हिमांशु सिंह, मयंक डिमरी, शार्दुल थपलियाल)
- कांस्य - हिमाचल प्रदेश (साहिल, गरवित ठाकुर, सिद्धार्थ नेगी, तेनजिन बोध)

स्नोबोर्डिंग (महिला स्लालम):

- स्वर्ण - प्रीति ठाकुर (हिमाचल प्रदेश)
- रजत - प्रकृति ठाकुर (हिमाचल प्रदेश)
- कांस्य - उर्मिला पाबले (महाराष्ट्र)।

पांड्या मुंबई इंडियंस टीम से जुड़े

मुंबई,12 मार्च (एजेंसियां)।

चैम्पियंस ट्रॉफी से लौटने के बाद ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या 22 मार्च से शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए अपनी टीम मुंबई इंडियंस से जुड़ गये हैं। पांड्या टीम के कप्तान भी हैं। मुंबई इंडियंस ने सोशल मीडिया पर अपने कप्तान की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा द गन हैज अराइव। पांड्या ने चैम्पियंस ट्रॉफी में गेंद और बल्ले से भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। अब उनका लक्ष्य मुम्बई को आईपीएल के 18 वें सत्र में जीत दिलाना रहेगा। आईपीएल 2024 में उन्हें मुम्बई का कप्तान बनाया गया था पर टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। उसे 14 मैचों में से चार में जीत मिली थी और वह सबसे निचले स्थान पर रही। ऑलराउंडर को आगामी सीजन में बेहतर परिणाम की उम्मीद होगी। पांड्या पिछले संस्करण के अंत में एक मैच के निलंबन के कारण 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ टीम के शुरुआती मैच में नहीं खेल पायेंगे। यह जुर्माना आईपीएल 2024 के दौरान तीन ओवर-रेट उल्लंघन के बाद लगाया गया है। आईपीएल नियमों के अनुसार, एक कप्तान को एक मैच के निलंबन का सामना करना पड़ता है, जब कोई टीम एक सीजन में तीन ऐसे उल्लंघन करती है।

आईसीसी रैंकिंग में भारत की मंधाना और दीप्ति शीर्ष दस में शामिल

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटट परिषद (आईसीसी) ताज एकदिवसीय रैंकिंग में दो भारतीय महिला क्रिकेटरों को शीर्ष दस में जगह मिली है। बल्लेबाजी रैंकिंग में स्मति मंधाना दूसरे नंबर पर जबकि ऑलराउंडरों की रैंकिंग में दीप्ति शर्मा पांचवें स्थान पर हैं। दीप्ति ने रैंकिंग में न्यूजीलैंड की अमेलिया केर को पीछे छोड़ा है। दीप्ति 344 अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया की एश्लेग गार्डनर पहले स्थान पर बरकरार है। वहीं श्रीलंका की शीर्ष ऑलराउंडर चामरी अटापट्टू न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के बाद दो स्थान के लाभ से ऑस्ट्रेलिया की अनाबेल सदरलैंड के साथ संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर है। न्यूजीलैंड ने श्रीलंका के खिलाफ सीरीज 2-0 से जीती थी जिसमें अटापट्टू ने 25 रन बनाने के अलावा तीन विकेट लिए थे। वहीं एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में मंधाना शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय हैं। वह दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोलवार्ट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। नैट स्किवर ब्रंट तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने अटापट्टू को पीछे छोड़ा।

डब्यलू टीटी चैम्पियंस

चीन में डब्यलू टीटी चैम्पियंस मुकाबले में खेलते हुए मेजबान टीम के लिन गयोन!

टाइगर वुड्स की हुई एकिलीज टेंडन सर्जरी वापसी को लेकर अनिश्चितता बरकरार

नई दिल्ली,12 मार्च (एजेंसियां)।

गोल्फ के दिग्गज खिलाड़ी टाइगर वुड्स को एक और झटका लगा है। मंगलवार को उन्होंने अपने बाएं एकिलीज़ टेंडन की सर्जरी करवाई, जिससे उनकी वापसी पर फिलहाल अनिश्चितता बनी हुई है। वुड्स ने बताया कि यह चोट फ्लोरिडा के जुपिटर में घर पर ट्रेनिंग के दौरान लगी।

वुड्स ने सोशल मीडिया पर कहा, जैसे ही मैंने अपनी ट्रेनिंग और प्रैक्टिस बढ़ाई, मुझे बाएं एकिलीज़ में तेज दर्द महसूस हुआ। जांच में पता चला कि यह पूरी तरह से फट चुका है। पाम बीच, फ्लोरिडा के हॉस्पिटल फॉर स्पेशल सर्जरी में डॉ. चार्लटन स्टकन ने मेरी सर्जरी की, जो सफल रही।

डॉ. स्टकन ने भी पुष्टि की कि ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा, लेकिन वुड्स की वापसी को लेकर कोई स्पष्ट समयसीमा नहीं दी गई है। वुड्स 15 बार के मेजर चैंपियन हैं और लगातार चोटों और सर्जरी से जूझ रहे हैं। पिछले साल उन्होंने अपनी छठी पीठ की सर्जरी करवाई थी और वह अब भी 2021 की कार दुर्घटना के प्रभावों से उबरने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी यह ताजा सर्जरी अगले महीने होने वाले प्रतिष्ठित 'मास्टर्स' टूर्नामेंट से बाहर कर सकती है, जिससे उनके करियर पर और असर पड़ सकता है। वुड्स ने इस सप्ताह टीपीसी सॉग्रास में द प्लेयर्स चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लिया था। इसके पीछे उन्होंने हाल ही में अपनी मां के निधन और अभ्यास की कमी को वजह बताया था। उनका आखिरी आधिकारिक टूर्नामेंट 2024 ओपन चैंपियनशिप था, जहां वह कट में जगह नहीं बना सके थे। इसके अलावा, वह इस सीजन में इवेंट्स में भी खेल चुके हैं। सर्जरी के बाद वुड्स ने कहा, अब मैं घर लौट आया हूं और पूरी तरह से रिकवरी और रिहैब पर ध्यान केंद्रित करूंगा। आप सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद। फैंस को उम्मीद है कि वह जल्द ही पूरी तरह फिट होकर दोबारा गोल्फ कोर्स पर लौटेंगे, लेकिन उनकी वापसी की राह पहले से कहीं ज्यादा मुश्किल होती दिख रही है।

बार्सिलोना ने बेनफिका को 3-1 से हराकर चैंपियंस लीग क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

बार्सिलोना,12 मार्च (एजेंसियां)।

बार्सिलोना ने को खेले गए यूईएफए चैंपियंस लीग के राउंड ऑफ़ 16 के दूसरे चरण में बेनफिका को 3-1 से हराकर कुल 4-1 के अंतर से क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया।

कैम्प नू में खेले गए इस मुकाबले में ब्राजीलियाई फारवर्ड राफिन्हा ने दो गोल दागे, जबकि युवा खिलाड़ी लामिन यामाल ने शानदार गोल कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। अब बार्सिलोना क्वार्टरफाइनल में लिले और बोरुसिया डॉर्टमुंड के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेगा। यामाल का जलवा, बेनफिका बेबस 17 वर्षीय स्पेनिश विंगर लामिन यामाल पूरे मैच में बेनफिका के डिफेंस के लिए सिरदर्द बने रहे। उन्होंने 11वें मिनट में शानदार व्यक्तिगत कौशल दिखाते हुए दो डिफेंडरों को छकाया और राफिन्हा को बेहतरीन क्रॉस दिया, जिस पर उन्होंने करीब से वॉली मारकर गोल कर दिया। हालांकि, बेनफिका ने तुरंत वापसी करते हुए निकोलस ओटामेंडी के हेडर से दो मिनट बाद ही बराबरी कर ली। लेकिन बार्सिलोना ने हमलों की झड़ी लगा दी। यामाल ने रॉबर्ट लेवांडोव्स्की और डैनी ओल्मो के लिए मौके बनाए और खुद भी बॉक्स के किनारे से एक शॉट लिया जो लक्ष्य से थोड़ा चूक गया। आखिरकार, 28वें मिनट में यामाल ने कमाल का गोल दागा। उन्होंने बेनफिका के डिफेंडर सैमुएल डाहल को चकमा देकर बाएं पैर से शानदार शॉट लगाया, जो सीधा गोलकीपर अनातोली ट्रूबिन के टॉप-राइट कॉर्नर में जाकर लगा। इस गोल के साथ, 17 साल और 241 दिन की उम्र में, यामाल चैंपियंस लीग में एक ही मैच में गोल और असिस्ट करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। उन्होंने बेसल के लिए 2014 में ब्रील एंबोलो द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को 22 दिनों से तोड़ दिया। राफिन्हा का दम, ब्राजीलियाई रिकॉर्ड ध्वस्त बार्सिलोना ने 42वें मिनट में एक त्वरित काउंटर-अटैक के जरिए अपनी बढ़त को 3-1 कर लिया, जब राफिन्हा ने अपना दूसरा गोल किया। इस गोल के साथ, उन्होंने इस सत्र में 11 गोल कर चैंपियंस लीग के टॉप स्कोरर बन गए। 28 वर्षीय राफिन्हा एक ही चैंपियंस लीग सीजन में सबसे ज्यादा गोल करने वाले ब्राजीलियाई खिलाड़ी भी बन गए। उन्होंने 10 गोल के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए जैर्डेल, रिवाल्डो, काका, नेमार और फिरमिनो को पीछे छोड़ दिया। दूसरे हाफ में नियंत्रण, बार्सिलोना की शानदार फॉर्म बरकरार दूसरे हाफ में बार्सिलोना ने आसानी से खेल को नियंत्रित किया, जबकि बेनफिका के पास वापसी करने की ताकत और इच्छाशक्ति नहीं दिखी। मैच के अंतिम क्षण एक ट्रेनिंग सेशन जैसे लगने लगे। बार्सिलोना इस समय शानदार फॉर्म में है और सभी प्रतियोगिताओं में लगातार 17 मैचों से अजेय बना हुआ है। टीम ला लीगा में शीर्ष पर है और कोपा डेल रे के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है, जहां उसे एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ 2 अप्रैल को दूसरा चरण खेलना है।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दें

सर्राफा बाजार में गिरावट से सस्ता हुआ सोना, चांदी का भाव भी टूटा

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। घरेलू सर्राफा बाजार में बुधवार को गिरावट का रुख बना हुआ है। सोना 320 रुपये से लेकर 350 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इसी तरह चांदी भी 1 हजार रुपये किलोग्राम तक कमजोर हुई है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 87,480 रुपये से लेकर 87,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 80,190 रुपये से लेकर 80,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। कीमत में गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी भी 97,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,530 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 87,480 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 87,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 80,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 87,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 80,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

चालू वित्त वर्ष में जनवरी तक 18,120 करोड़ से ज्यादा के हुए ट्रांजैक्शन, डिजिटल पेमेंट में उछाल, यूपीआई सबसे आगे

नई दिल्ली,12 मार्च। केंद्र सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में इस साल जनवरी तक यूपीआई सहित डिजिटल पेमेंट ट्रांजैक्शन 18,120 करोड़ से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया है, जिसमें ट्रांजैक्शन वैल्यू 2,330 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई है।वित्त वर्ष 2021-22 में कुल डिजिटल पेमेंट ट्रांजैक्शन 8,839 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 18,737 करोड़ हो गया है, जिसमें 46 प्रतिशत की सीएजीआर वृद्धि हुई।वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि यह वृद्धि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के कारण हुई है, जो 69 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ा और वित्त वर्ष 2021-22 के 4,597 करोड़ ट्रांजैक्शन से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 13,116 करोड़ ट्रांजैक्शन हो गया।केंद्रीय मंत्री ने जानकारी दी कि वित्त वर्ष 2023-24 में कुल डिजिटल पेमेंट ट्रांजैक्शन का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा यूपीआई ने हासिल किया है। इसके अलावा, डिजिटल पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर (क्यूआर कोड और पीओएस टर्मिनल), नए व्यापारियों की ऑनबोर्डिंग और थर्ड पार्टी ऐप प्रोवाइडर (टीपीएपी) भी योजना अवधि के दौरान काफी हद तक बढ़े हैं।सरकार ने देश में डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने और डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए डिजिधन मिशन की शुरुआत की है।यूपीआई और डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए बैंकों और दूसरे इकोसिस्टम पार्टनर्स को प्रोत्साहित करने के लिए वित्त वर्ष 2021-22 से एक प्रोत्साहन योजना लागू की गई है।

अल्ट्रावायलेट टेसरेक्ट स्कूटर को मिली 20 हजार बुकिंग

नई दिल्ली। अल्ट्रावायलेट टेसरेक्ट कंपनी के इलेक्ट्रिक स्कूटर को लॉन्च के महज 48 घंटों में इसे 20,000 से अधिक बुकिंग मिल चुकी हैं। यह इलेक्ट्रिक स्कूटर एक बार फुल चार्ज करने पर 261 किलोमीटर तक चल सकता है। इसमें 20 एचपी की इलेक्ट्रिक मोटर दी गई है, जो इसे सिर्फ 2.9 सेकंड में 0 से 60 केएमपीएच की रफ्तार तक पहुंचाने में सक्षम बनाती है। स्कूटर की टॉप स्पीड 125 केएमपीएच है और कंपनी का दावा है कि यह केवल रुपए100 में 500 किलोमीटर तक चल सकता है। टेसरेक्ट में 7-इंच टीएफटी टचस्क्रीन, 34 लीटर अंडरसीट स्टोरेज, फ्रंट और रियर रडार तकनीक, ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटरिंग, ओवरटेक अलर्ट, लेन चेंज असिस्ट और 14 इंच के बड़े व्हील्स जैसे एडवांस फीचर्स दिए गए हैं। इससे पहले कंपनी ने अपनी इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल एफ 77 लॉन्च की थी, जिसे भी शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। अल्ट्रावायलेट के इस नए स्कूटर से इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है।स्कूटर की शुरुआती कीमत रुपए1.20 लाख रखी गई है, जो पहले 10,000 ग्राहकों के लिए लागू होगी। भारी डिमांड को देखते हुए कंपनी ने इस ऑफर को 50,000 बुकिंग तक बढ़ाने का फैसला किया है।

दिल्ली-एनसीआर के आवासीय मार्केट ने मुंबई और हैदराबाद को पछाड़ा

मुंबई। दिल्ली-एनसीआर के आवासीय बाजार ने 2024 में मुंबई और हैदराबाद को पछाड़ दिया है। यह एक लाख करोड़ रुपये बिक्री मूल्य क्लब में शामिल हो गया है। इस दौरान सबसे अधिक गुरुग्राम के आवासीय बाजार में वृद्धि दर्ज हुई है। 2024 में टॉप 9 शहरों में मकानों का कुल बिक्री मूल्य 12 फीसदी बढ़कर 6.73 लाख करोड़ पर पहुंच गया, जो 2023 में 6 लाख करोड़ था। देश के टॉप 9 शहरों में दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, नवी मुंबई, पुणे, ठाणे, कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद शामिल हैं। फर्म के मुताबिक 2024 के दौरान दिल्ली-एनसीआर में 1.53 लाख करोड़ रुपये मूल्य के मकान बिके, जो 2023 में बिके 94,143 करोड़ रुपये से 63 प्रतिशत अधिक हैं। साथ ही दिल्ली-एनसीआर में पहली बार मकानों की बिक्री का मूल्य एक लाख करोड़ रुपये पार गया और यह मार्केट एक लाख करोड़ रुपये बिक्री मूल्य के क्लब में शामिल हो गया।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। ग्लोबल मार्केट से कमजोर संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं, एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

आर्थिक मंदी की आशंका के कारण अमेरिकी बाजार में लगातार दूसरे दिन घबराहट का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.76 प्रतिशत टूट कर 5,572.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,436.10 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.19 प्रतिशत की मजबूती के साथ 41,513.91 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह यूरोपीय बाजार भी पिछली सत्र के दौरान बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। एफटीएसई इंडेक्स 104.23 अंक यानी 1.23 प्रतिशत फिसल कर 8,495.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 105.69 अंक यानी 1.33 प्रतिशत लुढ़क कर 7,941.91 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 292.18 अंक यानी 1.31 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,328.77 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,832.30 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 1.04 प्रतिशत उछल कर 6,614.14 के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1.37 प्रतिशत उछल कर 2,572.32 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 281.71 अंक यानी 1.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,352.80 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,483 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 158.59 अंक यानी 0.67 प्रतिशत फिसल कर 23,623.55 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। सेट कंपोजिट इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।

फिलहाल यह सूचकांक 1.55 प्रतिशत टूट कर 1,169.26 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,375.17 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 36,777.32 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

कुछ ही दिन शेष जल्द से जल्द निपटा लें टैक्स दायित्वों से जुड़े काम

नई दिल्ली। मार्च 2025 का महीना टैक्सपेयर्स के लिए बेहद महत्वपूर्ण होने वाला है, क्योंकि महीने के अंत के साथ ही वित्तीय वर्ष 2024-25 भी समाप्त होगा। इसके बाद टैक्सपेयर्स को अपने सभी टैक्स दायित्वों को समय पर पूरा करना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी तरह की पेनल्टी या कानूनी झंझट से बच सके। समय पर टैक्स फाइलिंग न करने पर ब्याज, लेट फीस और अन्य दंड का सामना करना पड़ सकता है। 15 मार्च तक एडवांस टैक्स की चौथी और आखिरी किस्त जमा करनी होगी। जो लोग प्रेजम्पटिव टैक्सेशन स्कीम के तहत आते हैं, उन्हें इसी तारीख तक पूरा टैक्स भरना अनिवार्य होगा। इसके अलावा, सरकारी कार्यालयों को बिना चालान के कटे गए टीडीएस/टीसीएस की रिपोर्टिंग भी इसी दिन तक करनी होगी। जिससे करदाताओं को अपने भुगतान का पूरा रिकॉर्ड मिल सके। 30 मार्च तक फरवरी महीने के लिए चालान-कम-स्टेटमेंट की रिपोर्टिंग करनी होगी। 31 मार्च 2025 की तारीख टैक्सपेयर्स के लिए सबसे अहम है, क्योंकि इस दिन तक कई महत्वपूर्ण फॉर्म और दस्तावेज जमा करना होगा। मल्टीनेशनल कंपनियों को वित्तीय साल 2023-24 के लिए देशों से जुड़ी रिपोर्ट (फॉर्म 3सीईएडी) फाइल करनी होगी, ताकि उनकी अंतरराष्ट्रीय टैक्स रिपोर्टिंग नियमों के अनुरूप हो। विदेशी आय पर टैक्स क्रेडिट का दावा करने वालों को फॉर्म 67 भरना जरूरी होगा। इसके अलावा, जिन टैक्सपेयर्स ने वित्तीय ईयर 2022-23 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल नहीं किया था, वे 31 मार्च तक अपडेटेड आरटीआर दाखिल कर सकते हैं।

क्रिजैक लिमिटेड को 1000 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)।

कोलकाता स्थित अग्रणी छात्र भर्ती समाधान प्रदाता क्रिजैक लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी मिल गई है। कंपनी की योजना इस इश्यू के जरिए 1000 करोड़ रुपये जुटाने की है।

कंपनी ने 18 नवंबर, 2024 को सेबी के समक्ष अपने आईपीओ के कागजात फिर से दाखिल किए थे। यह आईपीओ पूरी तरह से प्रमोटरों पिंकी अग्रवाल और मनीष अग्रवाल के बिक्री के लिए प्रस्ताव (ओएफएस) के रूप में होगा। इसमें कोई फ्रेश इश्यू शामिल नहीं होगा। क्रिजैक लिमिटेड का 2 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह से प्रमोटर द्वारा शेयरधारकों को बेचने वाले 1,000 करोड़ रुपये तक की बिक्री का प्रस्ताव है। बिक्री के प्रस्ताव में पिंकी अग्रवाल द्वारा 841 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों और मनीष अग्रवाल द्वारा 159 करोड़ रुपये तक की बिक्री शामिल है। इस प्रस्ताव में पात्र कर्मचारियों द्वारा सदस्यता के लिए आरक्षण शामिल है।

कोलकाता स्थित छात्र भर्ती समाधान प्रदाता क्रिजैक लिमिटेड एजेंटों और उच्च शिक्षा के वैश्विक संस्थानों के लिए एक बी2बी शिक्षा प्लेटफ़ॉर्म है। ये कंपनी यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, आयरलैंड गणराज्य, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड में उच्च शिक्षा के वैश्विक संस्थानों को अंतरराष्ट्रीय छात्र भर्ती समाधान प्रदान करता है। इसका भारत में एक आधार के साथ-साथ लंदन, यूनाइटेड किंगडम में सह-प्राथमिक संचालन भी है। इसके अलावा इसके कैमरून, चीन, घाना और केन्या सहित कई देशों में सलाहकार हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राजा ज्ञानेंद्र की...

सरकार बना ली। चौंकाने वाली बात यह है कि 2008 के बाद से नेपाल में कभी भी एक पार्टी की सरकार नहीं बनी है। यहां हमेशा दो या इससे ज्यादा पार्टी के गठबंधन से ही सरकार बनी है, जिससे देश में राजनीतिक अस्थिरता का भी माहौल रहा है। नेपाल में बड़ी संख्या में लोग इस अस्थिरता को विकास कार्यों में बाधा मानते हैं। बताया जाता है कि इसके चलते ही नेपाल में एक बड़ा तबका इस हफ्ते राजशाही समर्थक प्रदर्शनों में शामिल हुआ।राजा ज्ञानेंद्र के समर्थन में जब काठमांडू एयरपोर्ट के बाहर रैली चल रही थी, तब इनमें कुछ पोस्टरों का दिखना सबसे चौंकाने वाला रहा। यह पोस्टर थे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के। नेपाल के पूर्व राजा की रैली में मौजूद इन्हीं पोस्टरों को लेकर पूरा विवाद भड़क उठा। इस बीच नेपाल से भागकर भारत के गोरखपुर आए एक व्यक्ति विक्रम सिंह राणा ने दावा किया है कि उन्हें सिर्फ आदित्यनाथ का पोस्टर लहराने के लिए नेपाल पुलिस ने ढूंढ़ना शुरू कर दिया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जुलूस की अगुवाई करने वाले राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी राष्ट्रवादी के पूर्व पदाधिकारी प्रदीप विक्रम राणा ने कहा कि नेपाल के लोग हिंदूवादी और योगी आदित्यनाथ के समर्थक हैं। इसीलिए वहां की सरकार पोस्टर को लेकर बखेड़ा खड़ा कर रही है।नेपाल नरेश के समर्थन में की गई रैली के बाद नेपाल पुलिस ने राणा की खोज शुरू कर दी। इसके बाद वह काठमांडू से भागकर पहले बिहार के रक्सौल पहुंचे। इसके बाद वे यात्री ट्रेन से गोरखपुर आए। उन्होंने कहा कि नेपाल के लोग यूपी सीएम को हिंदू गौरव के तौर पर देखते हैं, लेकिन नेपाल में उनका पोस्टर लहराने पर ही विवाद हो गया। हालांकि, नेपाल में योगी आदित्यनाथ के पोस्टर को लेकर विवाद शुरू हो गया। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने राजशाही के समर्थन में किए गए प्रदर्शनों पर तो टिप्पणी नहीं की, लेकिन उन्होंने इन रैलियों में योगी आदित्यनाथ की तस्वीरों को लेकर कटाक्ष किया। ओली ने कहा कि किसी देश को ऐसी स्थिति में नहीं होनी चाहिए, जहां विदेशी नेताओं की तस्वीरों का इस्तेमाल प्रदर्शनों में हो। ओली के समर्थकों ने भी इस दौरान आरोप लगाया कि ज्ञानेंद्र के समर्थन के पीछे भारत का हाथ है।हालांकि, नेपाल नरेश ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया। उनकी तरफ से कहा गया कि रैली में योगी आदित्यनाथ के पोस्टर राजशाही समर्थक आंदोलन की छवि खराब करने की कोशिश है। उन्होंने इसके पीछे केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने ओली सरकार पर रैली में घुसपैठ कराने का आरोप भी लगाया। दूसरी तरफ राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के प्रवक्ता ज्ञानेंद्र शाही ने दावा किया, रैली में योगी आदित्यनाथ की फोटो केपी शर्मा ओली की सलाह पर दिखाई गई। उन्होंने इसके पीछे ओली के मुख्य सलाहकार विष्णु रिमल का हाथ बताया।नेपाल नरेश के समर्थकों ने रविवार की रैली में योगी की तस्वीर दिखाए जाने के पीछे किसी भी एजेंडे से इनकार किया है। हालांकि, यूपी सीएम के नेपाल राजपरिवार से अच्छे रिश्ते जगजाहिर हैं। दरअसल, योगी आदित्यनाथ गोरखनाथ मठ से हैं, जिसका नेपाल के राजपरिवार के साथ ऐतिहासिक रिश्ता रहा है। इस मठ को स्थापित करने वाले बाबा गोरखनाथ नेपाल पर कई वर्षों तक शासन करने वाले शाह परिवार के इष्टदेव रहे हैं। इतना ही नहीं ज्ञानेंद्र शाह के भाई वीरेंद्र शाह ने लंबे समय तक योगी आदित्यनाथ के गुरु रहे महंत अवैद्यनाथ की गुरु के तौर पर सेवा की है। राजा बनने के बाद बीरेंद्र 1992 में खुद गाड़ी चलाकर काठमांडू से गोरखपुर मठ तक पहुंचे थे। माना जाता है कि 1990 में जब नेपाल में संविधान संशोधन किया गया तब महंत अवैद्यनाथ की सलाह पर ही राजा बीरेंद्र ने नेपाल को हिंदू राष्ट्र के तौर पर आगे बढ़ाने का फैसला किया।

नेपाल राजपरिवार और गोरखनाथ मठ के यह करीबी रिश्ते नेपाल के लोकतंत्र बनने के बाद भी जारी रहे हैं। 2015 में जब नेपाल में भीषण भूकंप आए थे, तब गोरखपुर के सांसद रहे योगी आदित्यनाथ ने सीमाई इलाकों पर खुद निर्माण कार्यों की निगरानी की थी। इतना ही नहीं राहत और बचाव कार्यों में मठ के कई लोग भी जुटे थे।

मॉरीशस के...

विशेष अवसर पर मुझे अपने अच्छे मित्र प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम से मिलने और भारत-मॉरीशस मैत्री के सभी पहलुओं पर चर्चा करने का अवसर मिला। हमने अपनी साझेदारी को एक उन्नत रणनीतिक साझेदारी के रूप में बढ़ाने का निर्णय लिया है। हमने इस बारे में चर्चा की कि हम बुनियादी ढांचे, आवास, डिजिटल प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में कैसे एक साथ काम कर सकते हैं। हम एआई, क्षमता निर्माण और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में और अधिक प्रगति करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, भारत और मॉरीशस का संबंध सिर्फ हिंद महासागर ही नहीं बल्कि हमारी साझी सांस्कृतिक परंपराओं और मूल्यों से भी जुड़ा है। हम आर्थिक और सामाजिक प्रकृति की राह पर एक दूसरे के साथी है। प्राकृतिक आपदा हो या कोविड विपदा, हमने हमेशा एक दूसरे का साथ दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम ने पोर्ट लुई में अटल बिहारी वाजपेयी सिविल सेवा संस्थान का उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मॉरीशस को भारत और ग्लोबल-साउथ के बीच का महत्वपूर्ण सेतु बताया। उन्होंने कहा कि मॉरीशस सिर्फ एक साझीदार देश भर नहीं है, बल्कि भारत के परिवार का हिस्सा है। पीएम मोदी ने पोर्ट लुई में एक सामुदायिक कार्यक्रम में प्रवासी भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए इस दक्षिण-पूर्वी अफ्रीकी द्वीपीय देश को नए संसद भवन के निर्माण सहित विकास में हर प्रकार से सहयोग का आश्वासन दिया।विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम के बीच औपचारिक प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई, जिसमें उन्होंने विकास साझेदारी पहल, व्यापार और आर्थिक संबंधों का विस्तार से जायजा लिया। उन्होंने एक बेहतर रणनीतिक साझेदारी के लिए एक संयुक्त दृष्टिकोण अपनाया है। यह हमारी साझेदारी को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाता है। यह भारत की तरफ से अपने पड़ोस के किसी भी देश के साथ की गई पहली ऐसी साझेदारी है।

कांग्रेस का...

डॉ. संजय जांगड़ा को 3771 वोट मिले. वहीं, निर्दलीय प्रत्याशी गल्लू लाठर को 3100 वोट मिले और वो दूसरे स्थान पर रहीं।भाजपा नेताओं का कहना है कि ये जीत विकास की गारंटी है। मोहन लाल बडौली ने कहा, कांग्रेस अब खत्म होने की कगार पर है। हरियाणा में ट्रिपल इंजन सरकार से विकास की रफ्तार तीन गुना होगी। वहीं, सीएम नायब सैनी ने जनता और चुनाव आयोग को धन्यवाद देते हुए कहा, ये जीत पीएम मोदी के विजन को पूरा करने में मदद करेगी। कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा के गढ़ रोहतक में भी भाजपा ने झंडा गाड़ दिया है। कांग्रेस की हार पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा, हम पहले भी इन सीटों पर नहीं थे। हार से फर्क नहीं पड़ता। हमने प्रचार पर जोर नहीं दिया। लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं में मायूसी साफ दिख रही है। दूसरी ओर भाजपा ने इसे विधानसभा चुनाव के बाद एक और बड़ी कामयाबी बताया। 2 मार्च को हुई वोटिंग में 46 प्रतिशत मतदाताओं ने हिस्सा लिया था। पानीपत में कुछ दिन की देरी से 9 मार्च को वोटिंग हुई थी।

कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट के विधानसभा क्षेत्र जुलाना की नगर पालिका में चेयरमैन पद के लिए भाजपा के डॉ. संजय जांगड़ा ने जीत दर्ज की है। फतेहाबाद जिले की जाखल मंडी नगर पालिका में निर्दलीय उम्मीदवार विकास कुमार चेयरमैन बन गए हैं। नगर निगम मेयर के चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस को करारी शिकस्त दी है। तीन बार कलानौर हलके से विधानसभा चुनाव हार चुके पार्टी के मेयर प्रत्याशी रामअवतार वाल्मीकि ने कांग्रेस प्रत्याशी सूरजमल किलोई को 45 हजार 191 हजार वोटों के अंतर से मात दी। खास बात यह रही कि लोकसभा व विधानसभा चुनाव में जाट बाहुल्य वार्डों में जहां कांग्रेस ने जीत हासिल की थी, वहां भाजपा मेयर चुनाव में भारी पड़ी। नॉन जाट बाहुल्य वार्डों में तो कांग्रेस को करारी हार मिली है। 13 राउंड चली मतगणना में कांग्रेस भाजपा को एक भी राउंड में नहीं हरा सकी।निगम चुनाव में भाजपा ने जहां पूरा जोर लगाया, जबकि कांग्रेस में उत्साह नजर नहीं आया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा चुनाव प्रचार करने तक नहीं आए। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने ही चुनाव प्रचार की कमान संभाली। कांग्रेस विधायक बीबी बतरा व शकुंतला खटक ही अपने हलकों में प्रचार करते दिखे। दूसरी तरफ भाजपा पूरी ताकत लगा रखी थी। मुख्यमंत्री नायब सैनी न केवल मेयर प्रत्याशी का नामांकन कराने आए, बल्कि रोहतक से ही निकाय चुनाव के लिए संकल्प पत्र जारी किया गया। इसके अलावा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, मंत्री अरविंद शर्मा, कृष्णलाल पंवार, कृष्ण बेदी, श्रुति चौधरी, विधानसभा के उपाध्यक्ष कृष्णलाल मिड्ढा व पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने प्रचार में भाग लिया।

भारत-पाक सीमा...

अंतरराष्ट्रीय सीमा से महज एक किलोमीटर की दूरी पर होगी, जबकि सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार किसी भी बड़े बुनियादी ढांचे की परियोजना को सीमा से कम से कम किलोमीटर दूर होना चाहिए। तिवारी ने पूछा कि क्या इस परियोजना के लिए किसी प्रकार की छूट दी गई है।लेकिन कांग्रेस सांसद सरकार के जवाब से संतुष्ट नहीं हुए और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर नारेबाजी करने लगे। इसके बाद वे सदन के बीच में पहुंच गए। फिर उन्होंने और द्रमुक सांसदों ने संसद से वॉकआउट किया। बाद में संसद के बाहर पत्रकारों से बातचीत में तिवारी ने कहा, ऊर्जा सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा में संतुलन होना चाहिए। खावड़ा में एक बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना आ रही है, जो पाकिस्तान की सीमा से महज एक किलोमीटर दूर है। राष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के तहत सीमा से दस किलोमीटर के भीतर कोई भी परियोजना नहीं आ सकती। हमने सवाल पूछा, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला, इसलिए हम संसद से बाहर आ गए।लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने कहा कि कांग्रेस यह जानना चाहती है कि क्या अदाणी समूह राष्ट्रीय सुरक्षा से ऊपर है, क्योंकि सेना की चिंताओं को नजरअंदाज करते हुए इस समूह को लाभ पहुंचाने के लिए सीमा सुरक्षा नियमों छूट दी गई है। गोगोई ने कहा, सरकार ने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। जो पार्टी राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर वोट मांगती है, उसने अपने करीबी मित्र अदाणी के लाभ के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा की अनदेखी की है। हम इसकी निंदा करते हैं और सरकार से संतोषजनक जवाब की मांग करते हैं।

भारत में...

इसका उपयोग करने के लिए इस एंटीना को सैटेलाईट की तरफ किया जाता है। स्टारलिंक का एप इसमें सहायता करता है। यह एंटीना रेडियो सिगनल पकड़ता है। इससे एक तार निकलता है जो मॉडम में जाकर जुड़ता है। यह मॉडम भी आपके इंटरनेट राऊटर जैसा काम करता है। इसके बाद उस घर में इंटरनेट की सेवाएं ली जा सकती हैं।स्टारलिंक का इंटरनेट अन्य किसी मोबाइल इंटरनेट की तुलना में तेज स्पीड देता है क्योंकि इसमें ज्यादा बाधाएं नहीं होती हैं। कुल मिलाकर इसके काम करने का तरीका कुछ-कुछ डीटीएच टीवी जैसा ही है। इसकी स्पीड लगभग 100 एमबीपीएस तक होती है, जो कि सामान्य मोबाइल इंटरनेट की तुलना में कहीं तेज है। वर्तमान में भारत में अधिकांश आबादी मोबाइल सिम का उपयोग करके इंटरनेट एक्सेस करती है। मोबाइल नेटवर्क के साथ कई समस्याएं हैं। मोबाइल नेटवर्क के लिए सेल टावर की आवश्यकता होती है। यह टावर उस इलाके में मौजूद मोबाइल यूजर से रेडियो तरंगे लेता है और आगे भेजता है। इसी माध्यम से मोबाइल फोन यूजर रेडियो तरंगे लेता है। इस प्रकार एक नेटवर्क स्थापित होता है। हर जगह मोबाइल टावर पहुंचाना संभव नहीं है। विशेषकर, दुर्गम स्थानों पर। ऐसे में सैटेलाइट वाली व्यवस्था काम आती है। इसके लिए किसी टावर की जरूरत नहीं होती है। बल्कि, इनका एंटीना खुद ही एक टावर की तरह काम करता है।सैटेलाइट से सीधे जुड़े होने के चलते इसमें इंटरनेट की गति भी तेज होती है। मोबाइल टावर को चलाने के लिए बिजली की आवश्यकता भी होती है, सैटेलाइट में यह समस्या भी नहीं होती। ऐसे में इसे सभी इलाकों में पहुंचाना बड़ा आसान हो जाता है।सैटेलाइट के माध्यम से इंटरनेट देने वाले स्टारलिंक ने भारत में सेवाएं प्रदान करने के लिए एयरटेल और जियो से समझौता किया है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि जब स्टारलिंक को किसी टावर की जरूरत नहीं तो वह इनसे क्यों समझौता कर रहा है। दरअसल, एयरटेल और जियो दोनों ही भारत में स्टारलिंक की बिक्री करेंगी। वह अपने स्टोर के माध्यम से स्टारलिंक की इंटरनेट किट बेचेंगी और साथ ही उनको इंस्टाल करने में भी भूमिका निभाएंगी। इसके अलावा स्टारलिंक की बिक्री के बाद सेवाओं के लिए भी यही कम्पनियां काम करेंगी।जियो और एयरटेल, स्टारलिंक के माध्यम से उन इलाकों में भी अब इंटरनेट पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं, जो काफी दुर्गम हैं। इसके अलावा, जियो अपने बाकी प्रोडक्ट जैसे कि जियोटीवी, जियोसिनेमा, जियोहॉटस्टार एवं जियोफाइबर आदि भी इस स्टारलिंक के साथ जोड़ सकता है। एक तरह से यह कम्पनियां स्टारलिंक के डिस्ट्रीब्यूटर की तरह काम करेंगी। विश्व में सबसे अधिक इंटरनेट देने वाले देशों में से एक भारत है। स्टारलिंक अभी भारतीय उपमहाद्वीप में भूटान के भीतर काम करता है। यहां उसका सबसे सस्ता प्लान ही 3 हजार रुपए प्रति महीने से शुरू होता है। इसके अलावा दूसरे प्लान 4 हजार से ऊपर हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि भारत में भी स्टारलिंक यही कीमतें रख सकती है। इनमें हल्का-फुल्का बदलाव भी किया जा सकता है। हालांकि, भारत में मोबाइल डाटा काफी सस्ता होने चलते इसे अपने ग्राहक बनाने में काफी संघर्ष करना पड़ेगा। स्टारलिंक लगाने के लिए इसका एंटीना और बाकी सामान भी महंगा आता है, उसके लिए भी इसे नई रणनीति अपनानी होगी।भारत में वर्तमान में अधिकांश कम्पनियां मोबाइल डाटा प्लान 300 जबकि ब्रॉडबैंड प्लान 600 के आसपास देती हैं। इन कीमतों से प्रतिद्वंदिता के लिए स्टारलिंक को भी भारतीय ग्राहकों के अनुसार कीमतें और प्रोडक्ट देने पड़ेंगे। हालांकि, भारतीय बाजार में स्टारलिंक को एक बढ़त जरूर है। भारत में वर्तमान में 90 करोड़ से अधिक इंटरनेट यूजर्स हैं। हालांकि, बड़ी आबादी अब भी इससे बाहर है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण वह इलाके हैं, जहां पहुंचना मुश्किल है। स्टारलिंक से यह चुनौती खत्म हो सकती है। इसके अतिरिक्त स्टारलिंक सरकारी योजनाओं को पहुंचाने में भी सहायक हो सकता है।स्टारलिंक के भारतीय बाजार में घुसने के साथ ही सुरक्षा चिंताएं भी हैं। हाल ही में मणिपुर में सुरक्षा एजेंसियों ने एक उग्रवादी को गिरफ्तार किया था। उसके पास से हथियारों के साथ ही एक स्टारलिंक भी मिला था। ऐसे में सुरक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि स्टारलिंक पर नियंत्रण करना मुश्किल होगा। स्टारलिंक के उपयोग पर एजेंसियों का रोक लगाना भी मुश्किल माना जा रहा है। ऐसे में आतंकियों और उग्रवादियों द्वारा इसका उपयोग किए जाने की आशंका है। स्टारलिंक के भारतीय बाजार में प्रवेश करने में देरी के पीछे भी यही चिंताएं हैं। स्टारलिंक को अभी भारत सरकार से सुरक्षा परमिट नहीं मिला है। कयास है कि यह जल्द ही मिल सकती है। हालांकि, इससे पहले सरकार सारी चुनौतियों का आकलन कर लेगी।

शनि की महादशा, साढ़ेसाती और ढैय्या के प्रभाव को कम करेंगे ये उपाय

हर व्यक्ति चाहता हैं कि उसे शनिदेव के क्रोध का सामना न करना पड़े, क्योंकि ऐसा होने पर जीवन में कई तरह की समस्याएं बढ़ जाती हैं। ऐसे में अगर आप शनि की महादशा, साढ़ेसाती या फिर ढैय्या से परेशान हैं, तो इसके लिए कुछ उपाय कर सकते हैं, जिससे आपको इसके प्रभाव से कुछ राहत मिल सकती है।

जरूर करें ये काम

शनि दोष से मुक्ति पाने के लिए शनिवार का दिन विशेष माना जाता है। इस दिन पर शनिदेव की पूजा-पाठ करें और 11 बार शनि स्तोत्र का पाठ करें। इसके साथ ही पीपल के पेड़ की जड़ में पानी में गुड़ और काले तिल मिलाकर अर्पित करें और सात बार इसकी परिक्रमा करें। इन उपायों को करने से आपको अपनी स्थिति में लाभ देखने को मिल सकता है।

जरूर करें ये उपाय

शनि दोष से निजात पाने के लिए शनिवार के दिन एक कांसे के कटोरे में सरसों का तेल लें और उसमें अपना चेहरा देखें। इसके बाद इस कटोरे को शनि मंदिर में रख आएं और शनिदेव से अपने कष्टों को दूर करने के लिए विनम्रतापूर्वक प्रार्थना करें।

मिलेगी शनि दोष से राहत

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शनिवार के दिन शनि देव के साथ-साथ हनुमान जी और भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने से भी आपको शनि दोष से राहत मिल सकती है। इसी के साथ रोजाना खासकर मंगलवार और शनिवार के दिन हनुमान चालीसा का पाठ करना भी शनि दोष से राहत पाने का एक बेहतर उपाय है।

मजबूत होगी स्थिति

अगर किसी जातक की कुंडली में शनि ग्रह की स्थिति कमजोर है, तो इसके लिए आपको कम-से-कम 19 शनिवार तक व्रत करना चाहिए। अधिक लाभ के लिए लगातार 51 शनिवार तक भी व्रत किया जा सकता है। इससे शनि की स्थिति मजबूत होती है।

होली के दिन वृषभ और तुला राशियों पर बरसेगी शनिदेव की कृपा, आर्थिक तंगी से मिलेगी निजात

ज्योतिषीय गणना अनुसार, शुक्रवार 14 मार्च कई राशि के जातकों के लिए शुभ रहने वाला है। इस दिन रंगों का त्योहार होली धूमधाम से मनाया जाएगा। यह पर्व देश और दुनिया के कई देशों में मनाया जाएगा। इस शुभ अवसर पर कई ग्रहों का संयोग मीन राशि में हो रहा है। इस संयोग से लक्ष्मी नारायण योग का निर्माण हो रहा है। होली के दिन मां लक्ष्मी की कृपा कई राशि के जातकों पर बरसेगी।

ज्योतिषियों की मानें तो न्याय के देवता शनिदेव की कृपा दो राशि के जातकों पर बरसेगी। उनकी कृपा से पैसों की तंगी दूर होगी। साथ ही आर्थिक तंगी दूर होगी। इसके अलावा, उनकी कृपा से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होगी। साथ ही आर्थिक तंगी से मुक्ति मिलेगी।

वृषभ राशि–शनिदेव की कृपा से मान-सम्मान में वृद्धि होगी। धार्मिक कामों में रूचि बढ़ेगी। होली के दिन मन प्रसन्न रहेगा। कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति मजूबत होगी। आप अपने प्रभाव से लोगों का दिल जीतने में कामयाब होंगे। सरकारी तंत्र से सफलता मिलेगी। करियर संबंधी परेशानी दूर होगी। शत्रुओं पर विजयश्री मिलेगी। किसी से चला आ रहा दुश्मनी समाप्त होगी। गिले-शिकवे भूलाकर आप दोनों एक होंगे। सामाजिक कामों में सक्रियता बढ़ेगी। किसी खास शख्स से मुलाकात होगी। लोगों का साथ और स्नेह मिलेगा। चंद्र देव की कृपा से मानसिक तनाव से निजात मिलेगी। कारोबार से जुड़े लोगों पर शनिदेव की कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से कारोबार में दोगुना लाभ मिलेगा। निवेश से लाभ होगा। शनिदेव की कृपा पाने के लिए होली के दिन चावल, आटा, काले तिल, सरसों तेल और वस्त्र का दान करें।

तुला राशि –फाल्गुन पूर्णिमा के दिन तुला राशि के जातकों पर शनिदेव की कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से धन संबंधी परेशानी दूर होगी। अटका या फंसा हुआ पैसा वापस मिलेगा। कारोबार में तेजी देखने को मिलेगी। करियर को नया आयाम मिलेगा। घर पर मेहमानों का आगमन होगा।बिजनेस प्लानिंग कर सकते हैं। दोस्तों का साथ मिलेगा। माता-पिता की सेवा और सम्मान करें। हर मनोकामना पूरी होगी। कोई भी काम जल्दबाजी में न करें। तामसिक चीजों का सेवन न करें। वाणी में मधुरता रखें। बुरे लोगों से दूर रहें। आमदनी बढ़ेगी। धन लाभ के भी प्रबल योग बन रहे हैं। शनिदेव की कृपा पाने के लिए होली के दिन भगवान शिव का अबीर से अभिषेक करें।

अगर आपके परिवार पर है भगवान की कृपा, तो मिलने लगते हैं ये संकेत

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जब किसी व्यक्ति पर ईश्वर किसी व्यक्ति से प्रसन्न होते हैं, तो उसे रोजाना के जीवन में कुछ संकेत मिलने हैं। ऐसे में इन्हें अनदेखा बिल्कुल भी न करें। ऐसे में चलिए जानते हैं कि कहीं वह भाग्यशाली व्यक्ति आप ही तो नहीं हैं।

मिलता है ये संकेत

हिंदू मान्यताओं के अनुसार, ब्रह्म मुहूर्त को एक पवित्र समय माना जाता है। ऐसे में अगर किसी व्यक्ति की नींद रोजाना मुहूर्त में अपने आप ही खुल जाती है, तो यह भी भगवान की कृपा प्राप्ति का एक संकेत माना जाता है। इसका अर्थ है कि भगवान आपसे प्रसन्न हैं और आपके सभी कार्य सिद्ध होने वाले हैं।

आने लगते हैं ये सपने

अगर किसी व्यक्ति को सपने में मंदिर फिर भगवान की मूर्ति दिखाई देती है, तो यह भी ईश्वर की कृपा प्राप्ति का संकेत माना जाता है। इसी के साथ यदि सपने में आपको ऊचें-ऊचें पहाड़ नजर आते हैं, तो यह भी इस बात का संकेत माना जाता है कि आपके ऊपर ईश्वर की कृपा बनी हुई

जब घर से निकलते समय दिखें ये चीजें

अगर आपको घर से बाहर जाते समय लगातार कुछ दिनों तक नीलकंठ पक्षी दिखाई देता है, तो यह इस बात की ओर इशारा करता है कि आपके घर में ईश्वर का वास है। इसी के साथ कहीं जाते समय अगर आपको में झाड़ू लगाने वाली महिला दिखाई देती है, तो यह भी एक शुभ संकेत माना जाता है।

यह भी है कृपा प्राप्ति का संकेत

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जब आप पूजा कर रहे हों और उसी समय आपके द्वार पर कुत्ता, बिल्ली, गाय, भिक्षा मांगने वाला या फिर कोई आता है, तो यह भी इस बात की ओर संकेत करता है कि आपके पूजा-पाठ से भगवान प्रसन्न हैं।

रंगों का त्यौहार बदलेगा इन राशियों की किस्मत

लक्ष्मी नारायण योग से होगी धनवर्षा

बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक पर्व होली हर साल फाल्गुन पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। यह पर्व देश और दुनिया के कई देशों में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर लोग एक दूसरे को

रंग और गुलाल लगाते हैं। इस साल 14 मार्च को होली मनाई जाएगी।

ज्योतिषियों की मानें तो होली पर मंगलकारी लक्ष्मी नारायण योग बन रहा है। लक्ष्मी नारायण योग बनने से कई राशि के जातकों के जीवन में नया सवेरा होगा। उनकी किस्मत सूरज की तरह चमकने लगेगी। साथ ही किस्मत का पिटारा खुल जाएगा।

लक्ष्मी नारायण योग

वर्तमान समय में ग्रहों के राजकुमार बुध देव और सुखों के कारक शुक्र देव मीन राशि में विराजमान हैं। इस राशि में पूर्व से मायावी ग्रह केतु उपस्थित हैं। बुध और शुक्र की युति से मीन राशि में लक्ष्मी नारायण योग बन रहा है। इस राशि से कई राशि के जातक लाभान्वित होंगे।

वृषभ राशि –लक्ष्मी नारायण योग से वृषभ राशि के जातकों को सबसे अधिक फायदा हो सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कोई बड़ी मनोकामना पूरी होगी। भाई और बहनों का प्यार मिलेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं। सोचे हुए काम पूरे होंगे। शेयर मार्केट से धन लाभ होगा। निवेश से भी बात बनेगी। आसान शब्दों में कहें तो दोगुना धन लाभ होगा। हालांकि, अकारण तनाव की समस्या घर कर सकती है। इससे दूर रहें। परम पिता परमेश्वर पर यकीन रखें। लक्ष्मी नारायण जी की कृपा से बिगड़े काम बनेंगे। घर में मंगल का आगमन होगा। कारोबार में तेजी आएगी।

कन्या राशि – होली के दिन कन्या राशि के जातकों को पार्टनर का पूरा साथ मिलेगा। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। कारोबार में दोगुना लाभ मिलेगा। बुध देव की विशेष कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से कन्या राशि के जातकों को कारोबार में लॉटरी लग सकती है। कोई बड़ी डील हाथ लग सकती है। निवेश से लाभ होगा। पार्टनर के साथ खूबसूरत पल बिताएंगे। जीवनसाथी हर काम में आपको सहयोग करेगी। वैवाहिक जीवन में खुशहाली आएगी। पार्टनरशिप में किए गए कामों में सफलता मिलेगी।

कुंभ राशि–लक्ष्मी नारायण योग से कुंभ राशि के जातकों को आय में बढ़ोतरी होगी। वहीं, खर्च भी बहुत अधिक होगा। कारोबार से जुड़े लोगों को नए अवसर मिलेंगे। इससे न केवल कारोबार में लाभ होगा, बल्कि भविष्य की भी प्लानिंग करेंगे। धन की देवी मां लक्ष्मी की कृपा से बड़ी मनोकामना पूरी होगी। घर में खुशियों का माहौल रहेगा। घर पर मेहमानों का आगमन होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार के सदस्यों के मध्य प्रेम और स्नेह का भाव रहेगा।

विभिन्न शहरों में होलिका दहन के मुहूर्त!

होलिका दहन - 13 मार्च 2025, गुरुवार रंगवाली होली - 14 मार्च 2025, शुक्रवार,

भद्रा पूँछ - 18:57 से 20:14, भद्रा मुख - 20:14 से 22:22

पूर्णिमा तिथि प्रारम्भ - मार्च 13, 2025 को 10:35 बजे

पूर्णिमा तिथि समाप्त - मार्च 14, 2025 को 12:23 बजे

किसी भी जगह होलिका दहन के लिए सूर्यास्त के बाद प्रदोष के समय, जब पूर्णिमा तिथि प्रभावी हो, होलिका दहन मुहूर्त उत्तम माना जाता है। क्योंकि सभी शुभ कार्य में भद्रा वर्जित होती है, इसलिए भद्रा के समय होलिका पूजन और होलिका दहन नहीं करना चाहिए।

विशेष परिस्थितियों में भद्रा-पूंछ के दौरान होलिका दहन हो सकता है, लेकिन भद्रा-मुख में होलिका दहन नहीं करना चाहिए। इस वर्ष स्थानीय धर्मगुरु के मार्गदर्शन एवं परंपराओं के अनुसार इन मुहूर्त में 13 मार्च 2025 की रात होलिका दहन किया जा सकता है...।

नई दिल्ली- 11:26 से 12:30
मुंबई- 11:26 से 12:48
चेन्नई- 11:26 से 12:18
कोलकाता- 11:26 से 11:46
जयपुर- 11:26 से 12:36
जोधपुर- 11:26 से 12:47
उदयपुर- 11:26 से 12:44
अजमेर- 11:26 से 12:40
कोटा- 11:26 से 12:36
बीकानेर- 11:26 से 12:46
अलवर- 11:26 से 12:33
भरतपुर- 11:26 से 12:29
बांसवाड़ा- 11:26 से 12:41
डूंगरपुर- 11:26 से 12:44
चित्तौड़गढ़- 11:26से 12:41
राजसमंद- 11:26 से 12:44
फरीदाबाद- 11:26 से 12:30
चंडीगढ़- 11:26 से 12:32
अहमदाबाद- 11:26 से 12:49
सूरत- 11:26 पी एम से 12:48
जबलपुर- 11:26 से 12:19
इंदौर- 11:26 से 12:36
भोपाल- 11:26 से 12:29
उज्जैन- 11:26 से 12:36
हरिद्वार- 11:26 से 12:26
नागपुर- 11:26 से 12:23
अयोध्या- 11:26 से 12:10
प्रयाग- 11:26 से 12:12
आगरा- 11:26 से 12:27
मथुरा- 11:26 से 12:28
पटना- 11:26 से 11:59
रांची- 11:26 से 11:58

साल का सबसे बड़ा चंद्र ग्रहण 14 को

ज्योतिष की नजर से जानें क्या होगा देश-दुनिया पर इसका असर

इस वर्ष 13 और 14 मार्च की मध्य रात्रि अमेरिका में पिछले तीन वर्षों का सबसे बड़ा चंद्र ग्रहण दिखाई देगा, जिसके चन्द्रमा का रंग कुछ लाल सा दिखलाई देगा। यह चंद्र ग्रहण खोगल शास्त्रियों के अनुसार वर्ष 2022 में पड़े चंद्र ग्रहण के बाद का सबसे बड़ा पूर्ण चंद्र ग्रहण है। इस पूर्ण चंद्र ग्रहण की कुल अवधि 3 घंटे और 38 मिनट की होगी। मेदिनी ज्योतिष के ग्रन्थ अद्भुत के अनुसार यदि लाल रंग का चन्द्रमा दिखाई दे तो राजा के लिए साधारण और देश के लिए विनाशकारी होता है। युवराज और सेनापति का वध होता है। प्रजागण अधर्मी होते हैं अर्थात समाज में बड़े स्कैंडल्स उभर कर आते हैं। यह पूर्ण चंद्र ग्रहण चूंकि अमेरिका महाद्वीप और में विशेष रूप से दिखाई दे रहा है तो वहां पर बड़े अधिकारियों और मंत्रियों की सुरक्षा को अगले 3 महीने में बड़ा खतरा हो सकता है।

गोचर के दृष्टिकोण से देखें तो इस चंद्र ग्रहण के समय सिंह राशि के विशेष रूप से पीड़ित होने से बड़े नेताओं कष्ट होगा और आम जन में हृदय रोग और पेट के रोग बढ़ेंगे। चंद्र ग्रहण के समय शनि की नज़दीकी अंशों में सूर्य से कुम्भ राशि में युति होगी और इनकी संयुक्त दृष्टि सिंह राशि के चन्द्रमा को पीड़ित कर कुछ स्थानों पर तेज़ गर्मी तो कही आसामान्य वर्षा बड़े मौसमी बदलाव ले कर आएगी जिसका असर भारत पर विशेष रूप से होगा। ग्रहण के तुरंत बाद मौसमी बदलावों से पेट के रोग, इन्फेक्शन्स, बुखार आदि के मरीजों की संख्या उत्तर और मध्य भारत में बढ़ेगी। गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ में समय से पूर्व गर्मी आ सकती दक्षिण भारत के कुछ इलाकों में तथा ओडिशा और आंध्र प्रदेश में असामान्य वर्षा हो सकती है।

अमेरिका भारत पर लगा सकता है व्यापार शुल्क

इस वर्ष 20 जनवरी को शपथ लेने के बाद से डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में अप्रत्याशित रूप से अपने कई राष्ट्रों की सैन्य और वित्तीय सहायता रोक दी।कनाडा, मैक्सिको और चीन पर डोनाल्ड ट्रम्प के अतिरिक्त व्यापार शुल्क लगाने के बाद से अमेरिका के स्टॉक मार्केट गिरावट की ओर हैं। अब 14 मार्च की रात्रि जब सिंह राशि में ग्रहण पड़ेगा तो वह डोनाल्ड ट्रम्प (14 जून 1946 को में सुबह 10 बज कर 52 मिनट पर जन्म) के जन्म लग्न को पीड़ित करेगा। आज़ाद भारत की कुंडली (15 अगस्त 1947,मध्यरात्रि, दिल्ली) में चन्द्रमा कर्क राशि में है जिससे धन के दूसरे भाव में ग्रहण से ग्रसित चन्द्रमा भारत के आर्थिक हितों को चोट कर सकता है। डोनाल्ड भारत पर व्यापार शुल्क लगा कर उसे अपना बाज़ार अमेरिका के उत्पादों के लिए और अधिक उदारता के साथ खोलने के लिए दबाव ड़ाल सकते हैं। मार्च के दूसरे पखवाड़े में भी भारत के स्टॉक मार्केट की स्थिति कुछ डांवाडोल रह सकती है।

समुद्री तूफान और असामान्य वर्षा का खतरा14 मार्च के चंद्र ग्रहण की कुंडली अमेरिका के स्थानीय समय के अनुसार रात्रि 2 बजकर 53 मिनट पर वाशिंगटन में धनु लग्न के उदय होते समय बनेगी। चंद्र ग्रहण के समय उत्तरा-फाल्गुनी नक्षत्र में होगा जो कि कूर्म चक्र में दक्षिण दिशा को इंगित करता है। संयुक्त राज्य के दक्षिण में मेक्सिको की खाड़ी में किसी समुंदरी तूफ़ान के कारण अमेरिका और मेक्सिको के कुछ शहरों में जन-धन की हानि अगले 30 दिनों में हो सकती है। भारत के दक्षिण पूर्व में उड़ीसा और आंध्र प्रदेश में असामान्य वर्षा से फसलों को कुछ नुकसान की आशंका होगी। के समय राहु के साथ बुध और शुक्र की युति से व्यापार जगत में उथल-पुथल और सेक्स स्कैंडल का योग बन रहा है।

होली के दिन चंद्र ग्रहण, क्या होलिका दहन पर लगेगा सूतक काल?

साल 2025 का पहला चंद्र ग्रहण 14 मार्च, शुक्रवार को लगने वाला है। भारतीय समयानुसार यह चंद्र ग्रहण सुबह 9 बजकर 27 मिनट से दोपहर 12 बजकर 28 मिनट तक चलेगा। ग्रहण की समाप्ति होली के दिन दोपहर 3:30 बजे होगी।

भारत में दृश्यता

हालांकि, यह चंद्र ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, ग्रहण के समय भारत में सुबह होगी, जिसके कारण यह खगोलीय घटना यहां दृष्टिगोचर नहीं होगी।

कहां दिखेगा यह चंद्र ग्रहण

यह चंद्र ग्रहण ऑस्ट्रेलिया, पश्चिमी अफ्रीका, यूरोप, प्रशांत महासागर, अटलांटिक महासागर, आर्कटिक महासागर, उत्तरी अमेरिका और दक्षिणी अमेरिका जैसे क्षेत्रों में दिखाई देगा।

क्या होलिका दहन पर लगेगा सूतक काल?

अक्सर, ग्रहण लगने से 9 घंटे पहले सूतक काल लग जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सूतक काल एक अशुभ समय माना जाता है, जिसमें कई कामों को करने की मनाही होती है। इस वर्ष, होली के दिन सुबह चंद्र ग्रहण लगने के कारण कई लोगों में इस बात को लेकर उलझन है कि क्या सूतक काल होलिका दहन की रात से ही शुरू हो जाएगा।

सूतक काल का प्रभाव

हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि जहां चंद्र ग्रहण दिखाई नहीं देता, वहां सूतक काल मान्य नहीं होता है। इसलिए, होली के दिन लगने वाले इस चंद्र ग्रहण का सूतक काल होलिका दहन पर भी प्रभावी नहीं होगा। इसका अर्थ है कि होलिका दहन सामान्य रूप से शुभ मुहूर्त में किया जा सकेगा।

14 मार्च को लगने वाला चंद्र ग्रहण भारत में दृश्यमान नहीं होगा और इसका सूतक काल होलिका दहन को प्रभावित नहीं करेगा। लोग बिना किसी चिंता के होलिका दहन और होली का त्योहार मना सकते हैं।

धर्मेंद्र के भाई कंवर अजीत सिंह ने बनाई फिल्म प्रतिज्ञा

जिसने बॉक्स ऑफिस पर तोड़े कमाई के रिकॉर्ड, इसी से मिली गरम-धरम की इमेज

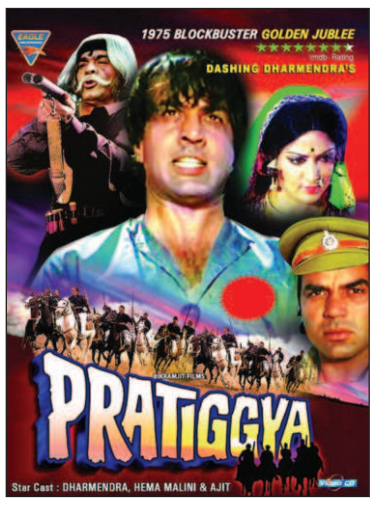

धर्मेंद्र हिंदी सिनेमा के ऐसे एक्टर रहे हैं जिन्हें गरम-धरम और हीमैन के नाम से भी जाना जाता है। बॉलीवुड एक्टर धर्मेंद्र को उनके अंदाज और एक्शन के लिए पहचाना जाता रहा है। उनके नाम शोले से लेकर तहलका तक ऐसी फिल्में दर्ज हैं जिसमें खूब एक्शन रहता था और इसके साथ ही वह इमोशंस का खूब छौंक भी लगाते थे। उनकी एक ऐसी फिल्म थी जिसमें एक्शन भरपूर था, गाने सुपरहिट भी खूब सुने गए और एक्टिंग के तो कहने ही क्या। फिर बॉलीवुड की सदाबहार जोड़ी धर्मेंद्र और हेमा मालिनी एक साथ आए थे। लेकिन आप जानते हैं, यही वो फिल्म है जिसने धर्मेंद्र को गरम-धरम की इमेज दी।

धर्मेंद्र के भाई कंवर अजीत सिंह ने इस फिल्म का निर्माण किया था। यही नहीं, अजीत सिंह ने फिल्म की कहानी भी लिखी थी। यही नहीं, फिल्म में उन्होंने ट्रक डाइवर का छोटा सा रोल भी किया था। प्रतिज्ञा ही वो फिल्म थी जिसकी वजह से उन्हें गरम-धरम की इमेज मिली थी। धर्मेंद्र को फिल्म में तीन अलग-अलग लुक में देखा गया था। एक मैं वह क्लीन शेव थे और उन्होंने थानेदार इंद्रजीत सिंह का रिलो किया था। एक रोल इंस्पेक्टर देविंदर सिंह का था, जिसमें उनकी मूंछें थी। एक रोल ट्रक

डाइवर अजित सिंह का था जिसकी दाढ़ी और मूंछें थीं। इस तरह धर्मेंद्र के सभी किरदारों को फैन्स का खूब प्यार मिला था।

धर्मेंद्र की प्रतिज्ञा फिल्म का डायरेक्शन दुलाल गुहा ने किया था। फिल्म प्रतिज्ञा में धर्मेंद्र, हेमा मालिनी और अजित लीड रोल में थे। फिल्म प्रतिज्ञा ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कामयाबी हासिल की थी। इसने 1 करोड़ 40 लाख के बजट में सात करोड़ रुपये का कलेक्श किया था।

खतरों के खिलाड़ी 15 में नजर आ सकती हैं मल्लिका शेरावत!

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत को पिछली बार राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी के साथ फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में देखा गया था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।अब खबर आ रही है कि मल्लिका जल्द ही रोहित शेट्टी का स्?टंट पर आधारित रियलिटी शो खतरों के ख?लाड़ी के 15वें सीजन में नजर आएंगी।वह इस शो का हिस्सा बनने को लिए काफी उत्साहित हैं।रिपोर्ट्स के अनुसार, मल्लिका स्?टंट पर आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 15 में बतौर प्रतियोगी भाग लेने के लिए तैयार हैं।निर्माताओं ने हाल ही में अभिनेत्री से संपर्क किया था और इस सीजन में दिलचस्पी दिखाई है।बता दें कि इससे पहले भी मल्लिका को यह शो ऑफर किया गया था, लेकिन व्यस्त शेड्यूल के चलते वह इसमें भाग नहीं ले पाईं। हालांकि, इस साल उनकी तरफ से चीजें सकारात्मक दिख रही हैं।मल्लिका के अलावा खतरों के खिलाड़ी 15 में एल्विश यादव, अविनाश मिश्रा, ओरी, दिग्विजय सिंह, ईशा सिंह, चुम दरंग, सिद्धार्थ निगम, बसीर अली, गुलकी जोशी और भाविका शर्मा सहित कई अन्य सितारे नजर आ सकते हैं।मोहसिन खान को शो का

हिस्सा बनने के लिए संपर्क किया गया है।बता दें कि खतरों के खिलाड़ी 15 की शूटिंग मई 2025 में शुरू होने वाली है और इस साल जून या जुलाई के आसपास इसका प्रीमियर होने की उम्मीद है।

प्रियंका चोपड़ा ने तिनका-तिनका गाने को फिर से किया याद,कहा यकीन नहीं होता 20 साल हो गए

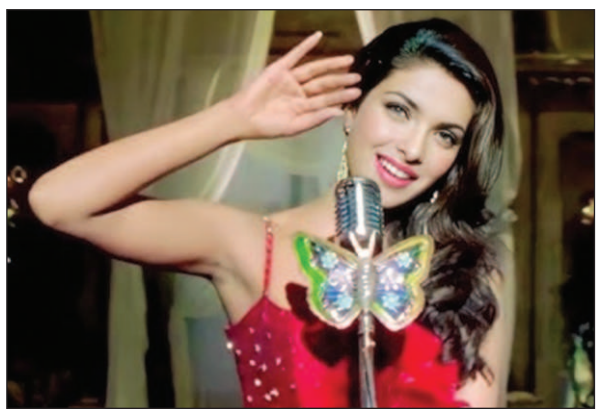

प्रियंका चोपड़ा को अपनी एक्शन थ्रिलर फिल्म 'करम' के मशहूर गाने 'तिनका तिनका' की याद आई है। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर इस गाने का वीडियो शेयर किया है।अभिनेत्री ने लिखा, वाह, मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि 20 साल हो गए। संजय एफ. गुप्ता द्वारा निर्देशित इस फिल्म में जॉन अब्राहम, भरत दाभोलकर, विश्वजीत प्रधान, शाइनी आहूजा, मुरली शर्मा, राजेश खेरा, अंजन श्रीवास्तव, नितिन अरोड़ा, बिक्रमजीत कंवरपाल और सोहेल खान ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थी।

यह फिल्म 11 मार्च 2005 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसे आलोचकों और दर्शकों से मिली-जुली समीक्षा मिली थी। हाल ही में, प्रियंका ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट की। जिसमें वह कथित तौर पर एसएस राजामौली की फिल्म एसएसएमबी 29 की शूटिंग के लिए ओडिशा पहुंची हैं, जिसमें उनके साथ महेश बाबू भी हैं।

अभिनेत्री एयरहोस्टेस के साथ पोज देती तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। इसके अलावा अभिनेत्री ने एक तस्वीर भी शेयर की है जिसमें वह हवाई जहाज की खिड़की से बाहर झांक रही हैं। इसके अलावा, प्रियंका ने पेड़ों की तस्वीरें और शूटिंग के रास्ते में देखे गए सुंदर दृश्यों को वीडियो के माध्यम से पोस्ट किया।

जिस आगामी फिल्म में प्रियंका चोपड़ा दिखाई देंगी। उस फिल्म में महेश बाबू की भूमिका भगवान हनुमान से प्रेरित मानी जाती है। अगर रिपोर्टों पर विश्वास किया जाए, तो यह महत्वाकांक्षी परियोजना 900-1,000 करोड़ रुपये के भारी भरकम बजट पर बनाई जाएगी।

बहुप्रतीक्षित ड्रामा को दो भागों में बनाए जाने की उम्मीद है। एसएसएमबी29 के साथ प्रियंका 23 साल के लंबे अंतराल के बाद तेलुगु सिनेमा में वापसी कर रही हैं।

उनकी आखिरी फिल्म पी रविशंकर की 2002 की रोमांटिक एंटरटेनर अपुरूपम थी। इस बीच, पीसी की आखिरी बॉलीवुड रिलीज शोनाली बोस की 2016 की ड्रामा, द स्काई इज पिंक थी।

स्टार किड्स से तुलना पर बोलीं श्रेया चौधरी आपको कोई कमजोर नहीं कर सकता

हाल ही में आईफा 2025 में 'बंदिश बैंडिट सीजन 2' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतने वाली अभिनेत्री श्रेया चौधरी ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने मनोरंजन इंडस्ट्री में स्टार किड्स से तुलना किए जाने की चुनौतियों के साथ ही अन्य मुद्दों पर भी अपनी राय रखी।

इंडस्ट्री में स्टार किड्स से तुलना किए जाने की चुनौतियों के साथ ही श्रेया ने सोशल मीडिया स्टार्स और स्टार किड्स के बढ़ते प्रभाव पर राय रखी। उन्होंने स्टार किड्स के बढ़ते प्रभाव वाले माहौल में पहचान बनाने के प्रेशर के बारे में पूछे जाने पर अपनी मां का एक मंत्र भी शेयर किया।

श्रेया ने बताया, मेरा मानना है कि जब आपकी किसी से तुलना की जाती है तो इसका कोई मतलब नहीं है और ये आपके लिए कहीं से भी मददगार नहीं होता है। मेरी मां ने एक बार मुझसे कहा था कि जिंदगी का सफर सबके लिए अलग-अलग होता है तो इसे एक ही तरह से नहीं देखना चाहिए। कोई पहचान बना चुका है तो वो मेरी पहचान को खत्म नहीं कर सकता। किसी की चमक मेरी चमक को कम नहीं कर सकती। मैं इसी लाइन को फॉलो करती हूं। मैं अपना बेस्ट देने के लिए कड़ी मेहनत करती हूं और इसके लिए ईमानदारी से काम कर रही हूं। मैं खुश हूं।

आईफा में वेब सीरीज 'बंदिश बैंडिट सीजन 2' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का खिताब जीतने पर उन्होंने कहा, यह एक सपना सच होने जैसा है। मैं आईफा टीम, जूरी, मेरे लिए वोट करने वाले सभी लोगों और दर्शकों की बहुत आभारी हूं। यह मेरा एक सपना था। जब मैंने अपना सफर शुरू किया तो मैं सोचती थी कि एक दिन मुझे भी कोई पुरस्कार मिलेगा और जब मेरा यह सपना सच हो गया तो मेरी हालत सामान्य नहीं थी। मैं इतनी घबराई और नर्वस थी कि मुश्किल से खुद को भाषण देने के लिए तैयार कर पाई। हालांकि, मैं अंदर ही अंदर इतनी खुश और उत्साहित थी कि बस जोर-जोर से चिल्लाना और नाचना चाहती थी।

इसके अलावा, श्रेया चौधरी ने 'बंदिश बैंडिट्स' के दूसरे सीजन में काम करने के चुनौतियों पर अपने विचार रखे। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन पर बेहतर प्रदर्शन करने का दबाव था, तो उन्होंने कहा, मुझे कोई तनाव नहीं था। मैं बस खूबसूरत कहानी के साथ न्याय करना चाहती थी और उत्साहित थी। मैं आभारी हूं कि मुझे वह काम करने को मिला जो मुझे पसंद है और मैं दर्शकों के लिए विशेष रूप से आभारी हूं।

आनंद तिवारी के निर्देशन में बनी 'बंदिश बैंडिट सीजन 2' में श्रेया चौधरी के साथ ऋत्विक भौमिक, नसीरुद्दीन शाह, दिव्या दत्ता, शीबा चड्ढा, अतुल कुलकर्णी, राजेश तैलंग और कुणाल रॉय कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'बंदिश बैंडिट्स' का पहला सीजन अगस्त 2020 में अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ था। वहीं, दूसरा सीजन दिसंबर 2024 में आया था।

कार्तिक आर्यन की मां ने दी श्रीलीला के साथ बेटे की डेटिंग अफवाहों को हवा

अपने प्रोफेशनल कमिटमेंट्स के अलावा कार्तिक आर्यन अपनी लव लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। ताजा खबरों के मुताबिक, 'भूल भुलैया 2' के एक्टर फिलहाल साउथ की एक्ट्रेस श्रीलीला के साथ रिलेशनशिप में हैं।अफवाहों को हवा देते हुए कार्तिक की मां माला तिवारी ने हाल ही में आयोजित आईफा अवॉर्ड्स 2025 के दौरान कुछ ऐसा कहा, जिससे लोग हैरान हो गए।

इंटरनेट पर वायरल हो रही एक क्लिप में कार्तिक की मां से उनकी होने वाली बहू की अपेक्षाओं के बारे में पूछा गया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए माला तिवारी ने खुलासा किया कि वह अपने बेटे की पत्नी के रूप में एक अच्छी डॉक्टर चाहती हैं। कार्तिक की मां ने वीडियो में कहा, परिवार की मांग एक बहुत अच्छी डॉक्टर की है। नेटिज़ेंस उनके इस बयान को उनके बेटे की कथित प्रेमिका की ओर इशारा मान रहे हैं। जिन्हें नहीं पता, उन्हें बता दें कि श्रीलीला भी डॉक्टर बनने की पढ़ाई कर रही हैं। कार्तिक की मां के हालिया बयान ने कार्तिक और श्रीलीला के रिश्ते के बारे में अटकलों को हवा दे दी है। कुछ समय पहले, कार्तिक के पारिवारिक समारोह में श्रीलीला का मस्ती करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। क्लिप में उन्हें एक हाउस पार्टी के दौरान अन्य मेहमानों के साथ डांस करते हुए दिखाया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कार्तिक और उनके परिवार ने अपनी बहन डॉ. कृतिका तिवारी के लिए एक जश्न मनाया, क्योंकि उन्होंने अपने मेडिकल करियर में एक और उपलब्धि हासिल की है। इस बीच, कार्तिक और श्रीलीला को एक साथ एक फिल्म में भी जोड़ा गया है। ये दोनों निर्देशक अनुराग बसु की अगली फिल्म में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। ड्रामा को टी-सीरीज के बैनर तले भूषण कुमार द्वारा निर्मित किया जाएगा। हालांकि फिल्म का नाम अभी भी घोषित नहीं किया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट लोकप्रिय आशिकी फ्रेंचाइजी, आशिकी 3 का एक हिस्सा हो सकता है। आधिकारिक पुष्टि का अभी लोगों को इंतजार है।

अनुपम खेर ने बताया कैसा होता है मां का प्रेम,बोले बच्चे होते हैं उनकी पूरी दुनिया

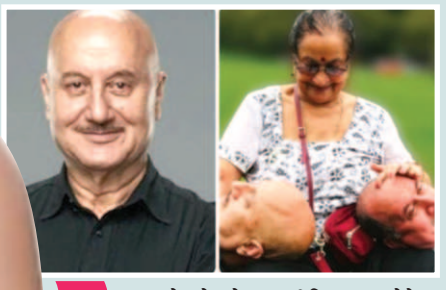

अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर लेटेस्ट पोस्ट शेयर कर अपनी मां दुलारी से संबंधित एक प्यारा किस्सा सुनाया। खेर ने पोस्ट में बताया कि एक मां के लिए उसके बच्चे ही सबकुछ होते हैं और वास्तव में उनका 'प्रेम' एक अलग ही लेवल का होता है?

अनुपम खेर प्रशंसकों को अपने नए-नए पोस्ट से अक्सर मुखातिब कराते रहते हैं। नए पोस्ट में उन्होंने मां और उनके प्रेम को खूबसूरत शब्दों के साथ कैप्शन में सजाया। एक मोंटाज वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए अनुपम खेर ने कैप्शन में लिखा, मां रोज सुबह 8 बजे फोन करके पूछती हैं, कैसा है तू? और अगर मैं केवल 'ठीक हूं' बोलता हूं तो वह गुस्सा होकर बोलती हैं, 'ठीक है क्या होता है? वही बोल न जो रोज बोलता है 'फर्स्ट क्लास' और जब मैं 'फर्स्ट क्लास' बोल देता हूं, तो वो तुरंत फोन रख देती हैं!

खेर ने पोस्ट में आगे कहा, सब मां ऐसी ही होती हैं। उनके लिए सब कुछ बच्चे ही होते हैं और उनके दिन की शुरुआत, अंत बच्चों के ख्यालों से ही होती है, इसलिए तो मैं हमेशा कहता हूं! सभी माताओं की जय! खेर मस्तमौला अंदाज में सोशल मीडिया पर अपनी उपस्थिति बनाए रखते हैं, जिसकी झलक उनके पोस्ट में अक्सर देखने को मिलती है। अभिनेता अपनी मां और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ अक्सर बिताए खूबसूरत पलों को प्रशंसकों के सामने रखते रहते हैं। इस पोस्ट से पहले अभिनेता ने मां दुलारी का भी एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उनकी फिल्म 'विजय 69' का रिव्यू देती नजर आई थीं।

वीडियो में उनकी मां कह रही हैं, तू बड़ा खतरनाक इंसान है। मैंने तुझे और राजू को बचपन में बहुत मारा है। तेरे पिता भी उम्र बढ़ने के बाद भी पहाड़ पर चढ़ जाते थे और मैं बंदर की तरह तेरे और राजू के पीछे भागती थी!अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, लो जी आ गया माता दुलारी का 'विजय 69' का रिव्यू! मां ने नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई मेरी फिल्म देखी। कितने गजब ढंग से माता ने मेरी इस फिल्म को समझा और समझाया। आप भी देखिए और सुनिए! माताएं कमाल होती हैं! दुलारी रॉक्स।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप सूर्य नमस्कार करते रहें दिन शानदार गुजरेगा । पुराने साथियों से मुलाकात होगी। आज पार्टी में शामिल हो सकते हैं। आज सकारात्मकता ज्यादा रहेगी।छात्रों को लाभ होगा। समय पर कार्य पूरे कर पाएंगे। दफ्तर सहयोगियों के साथ मधुरता रहेगी। नया काम शुरू कर सकते हैं। लाइफ पार्टनर का पूरा सहयोग मिलेगा। नए विचार आएंगे। धन लाभ होगा। सेहत ठीक रहेगी। दिनचर्या में बदलाव होगा। रिश्तेदारों के यहां धार्मिक काम पूजा पूठा का कार्यक्रम रहेगा आप व्यस्त रहेंगे ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज छात्रों को कडी महनत करने पर प्रतियोगीता मे कामयाबी मिलेगी । कारोबार की स्थिति ठीक रहेगी। यात्रा पर जाने का प्लान बनाएंगे। चुनौतियों का बखूबी मुकाबला कर पाएंगे। आपके शासकीय कार्य पूरे होंगे। पारिवारिक जिम्मेदारी पूरी कर पाएंगे। विद्यार्थियों को ज्यादा मेहनत करनी होगी। धन संबंधी दिक्कतें दूर होंगी। सेहत का ख्याल रखें। प्रभु की आराधना करें। मानसिक शांति मिलेगी। निवेश को फिलहाल टाल दें। पदोन्नति और तबादला हो सकता है,व्यर्थ का खर्चा करने की आदत को सुधारें उन्नति निश्चित होगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज विरोधी आप को नुकसान पहुंचा सकते हैं । विरोधियों से सावधान रहना होगा । अनजान लोगों के सामने निजी चर्चा करने से बचें। कोई आपके सरल स्वभाव का फायदा उठा सकता है। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। ज्यादा खर्च हो सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश कर सकते हैं। बुजुर्गों की सेहत बिगड़ सकती है। सगे संबंधियों से मुलाकात हो सकती है। जीवनसाथी की सेहत को लेकर चिंतित रहेंगे। अपने काम के प्रति जिम्मेदार रहें। डिनर मे कुछ हल्का भोजन ही करें स्वास्थ्य बहतर रहेगा सुबह योग और व्यायाम भी करते रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज लक्ष्मी जी को कनेर के पुष्प से सहस्त्रार्चन करें धन कोष मे वृद्धि होगी रुकी हुई रकम वापस मिलेगी। आपको मित्रों से लाभ होगा। घूमने के लिए जाएंगे। पारिवारिक आयोजन होंगे। कार्यों में सफलता मिलेगी। पुरानी रूकी हुई रकम मिलेगी। आपकी आर्थिक समस्या का हल होगा। युवाओं के लिए रिश्ते की बात चल सकती है। सामाजिक आयोजन में हिस्सा ले सकते हैं। जीवनसाथी का ख्याल रखें। सेहत ठीक रहेगी। निवेश के मौके मिल सकते हैं। छात्रों को पढ़ाई अव्वल आना हो तो अपनी दिनचर्या मे बदलाव लाना होगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज धन से जुडी हुई दिक्कतें दूर होंगी आपके रूके हुए कार्य पूरे होंगे। व्यापारिक गतिविधियों में तेजी रहेगी। आर्थिक स्थिति में उतार–चढ़ाव हो सकती है। आज जीवनसाथी भरपूर सहयोग मिलेगा। नया काम शुरू कर सकते है। छात्रों को सफलता मिलेगी। यात्रा कर सकते हैं। परिवार की स्थिति बेहतर होगी। नए लोगों से मुलाकात हो सकती है। जोखिम वाले कार्य सावधानी से करें। हर किसी पर भरोसा न करें। सरकारी कार्य मे रुकावटें आ रही हैं तो नंदी को गेहूँ का दलीया खिलाए कार्य मे तेजी आएगी ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज अपिरिचित लोगों से धन का लेनदेन करते समय सावधानी बरतें क्योंकि आप के विरोधी सक्रिय रहेंगे। आपको सतर्क रहना होगा। कीमती सामानों की सुरक्षा करें। आज आपको आवश्यक काम में परिवार के लोगों का सहयोग मिलेगा। कारोबार में लाभ होगा। दंपत्ति धार्मिक कार्यों में शामिल हो सकते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन बेहतर है। सेहत अच्छी रहेगी। जोखिम न लें। अगर आप आलस्य को दूर करते हैं आप के सभी काम पूरें होंगे आप शाम का वक्त सुकून से गुजारेंगे ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन उर्जा से भरपूर रहेगा तरक्की के रास्ते खुलेंगे आपको खुशखबरी मिलेगी। आपका कार्य आसानी से पूरा है। सामाजिक जिम्मेदारियों को आज पूरा कर पाएंगे। आज मानसिक रूप से आप मजबूत रहेंगे। निवेश कर सकते हैं। व्यवसायियों के लिए आज का दिन अच्छा है। धार्मिक काम में हिस्सा ले सकते हैं। जीवनसाथी के साथ सामंजस्य रहेगा। नए लोगों से मुलाकात होगी। यात्रा कर सकते हैं। संतान आप को खुशखबरी वाली खबर सुनाएंगे परिवार मे खुशी का माहौल रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज परेशानियों में बीत सकता है। जोखिम वाले कार्य करते समय लापरवाही न करें। चोट लगने की आशंका है। नौकरीपेशा लोगों को काम का तनाव रहेगा। धन लाभ होगा। परिवार के लोगों के साथ दिन बिता सकते हैं। जीवनसाथी के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं। यात्रा करने के दौरान अनजान लोगों के संपर्क में न रहें। शत्रु शांत रहेंगे। सेहत का ख्याल रखें। युवाओं को कामयाबी मिलेगी। खानपान को लेकर लापरवाही न करें पेट सम्बंधित तकलीफ आप को परेशान करेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज पारिवारिक जीवन ते उत्सव का माहौल रहेगा । रिश्तेदारों का आनाजाना लगा रहेगा । आज आपका खर्च ज्यादा होगा। कुसंगति से हानि हो सकती है। किसी के बहकावे में आकर अपने परिवार के लोगों पर संदेह न करें। जुआ, सट्टा, लाटरी जैसे व्यसनों से दूर रहें। नुकसान की आशंका है। लाइफ पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। अविवाहितों के लिए रिश्ते की सूचना मिलेगी। कैरियर मे दिक्कतें आ रही हैं तो रोज हनुमानजी को तेल सिन्दूर का श्रृंगार करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन जोरदार रहेगा परन्तु अतिउत्साही नही होना हैं परिवार का सहयोग मिलेगा। लेकिन अपनी निजी बात किसी से शेयर न करें। नए लोगों से मुलाकात होगी। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की मिल सकती है। कारोबार ठीक चलेगा। सेहत ठीक रहेगी। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति से मुलाकात होगी। आपकी योजना फलीभूत होने की संभावना है। आपका आध्यात्मिकता की ओर रूझान रहेगा। व्यवसाय में लाभ की स्थिति रहेगी दिनजनो की सेवा करनी चाहिए

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप को धन की सेवींग जरूर करना चाहिए आने वाले समय मे परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ने से आप चिंतित रहेंगे। मासिक बजट बिगड़ सकता है। तनाव दूर करने के लिए ईश्वर की आराधना करें। कठिन परिस्थिति निर्मित हो सकती है। किसी मित्र की मदद से आपका राहत मिल सकती है। विरोधी सक्रिय रह सकते हैं। यात्रा करते समय सतर्क रहें। किसी की बातों में न आएं। व्यवसाय की स्थिति ठीक रहेगी। अनजान लोगों पर भरोसा करना आप को जोखिम मे डाल सकता हैं व्यापार मे सतर्कता जरुरी हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप को अपने क्रोध पर नियंत्रण करना बहुत जरूरी हैं किसी के साथ तनाव हो सकता है। अपरिचित लोग आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ बेहतर तालमेल रहेगा। आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। अपनी जिम्मेदारियों को पूरा कर पाएंगे। छात्रों के लिए आज का दिन बेहतर है। कारोबारियों को आर्थिक लाभ होगा। सेहत का ध्यान रखें। जोखिम न लें। खर्च सावधानी से करें। दफ्तर का माहौल सामान्य रहेगा।बेरोजगारी दूर होने का समय हैं नौकरी की तलाश जारी रखें।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक :13 मार्च 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी प्रातः 10:41 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी रात्रि 06:20 तक
योग : धृति दोपहर 01:02 तक
करण : वणिज प्रातः 10:41 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:25 , सूर्यास्त 06:25 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:28 , सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:21 , सूर्यास्त 06:22 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:16 , सूर्यास्त 06:17 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पूर्णिमा व्रत, होलिका दहन रात्रि 10:35 बाद ,
भद्रा प्रातः 10:41 से रात्रि 11:35 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल शर्मा ने पेश किया नए राजस्थान के विकास का खाका, की बड़ी घोषणाएं

जयपुर,12 मार्च (एजेंसियां)। 12 मार्च 2025 का दिन प्रदेशवासियों के लिए बेहद खास रहा। विधानसभा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों को नए राजस्थान को विकास का खाका पेश किया। वित्त और विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं, जिनसे 8 करोड़ प्रदेशवासियों में उत्साह की लहर दौड़ गई।

मुख्यमंत्री की घोषणाओं को लेकर प्रदेश के विभिन्न वर्गों, विशेष रूप से युवाओं, महिलाओं, किसानों और श्रमिकों में भारी उत्साह देखा गया। सरकार द्वारा की गई घोषणाओं ने जनता की उम्मीदों को सच कर दिखाया और प्रदेशवासियों का दिल जीत लिया। राज्य बजट 2025-26 में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के प्रत्येक वर्ग की आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में कई अहम कदम उठाए हैं। इससे आमजन में सरकार के प्रति विश्वास और बढ़ा है, और जनता ने अब महसूस किया है कि यह सरकार उनके हित में काम कर रही है।

आज विधानसभा की कार्यवाही पर हर किसी की नज़रें टिकी रही, और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने होली के अवसर पर राज्य के विकास के लिए नई घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर स्पष्ट किया कि उनकी सरकार प्रदेश के हर नागरिक की खुशहाली और समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनकी सरकार सिटीजन फर्स्ट की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जब वे कोई महत्वपूर्ण फैसला लेते हैं, तो गरीब, युवा, किसान और महिला उनकी नीतियों के केंद्र में होते हैं। राज्य में पहली बार ग्रीन बजट पेश किया गया है, जो सरकार की नई सोच और विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, यह हमारी नीतियों का कमाल है कि अब देश के प्रधानमंत्री 100 रुपए

भेजते हैं, तो आम आदमी तक वही 100 रुपए बिना किसी कटौती के पहुँचते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि उनके शासन के पहले साल में ही राइजिंग राजस्थान का आयोजन इस बात का प्रमाण है कि उनकी सरकार प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है। भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी सरकार दिखावे के लिए काम नहीं करती, बल्कि प्रदेश के विकास के लिए ठोस कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि एक वरिष्ठ कांग्रेस सदस्य ने मांग की थी कि कांग्रेस के शासन के दौरान हुए गलत कार्यों की जांच कराई जाए, तो उनके अनुरोध पर मैं कांग्रेस सरकार के समय हुए गलत कार्यों की जांच कराने का घोषणा करता हूं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस नेताओं पर सीधा हमला करते हुए कहा, आपको अपनी ओर देखना चाहिए और यह सोचने की आवश्यकता है कि पिछले समय में आपने कौन से गलत काम किए। जब आप दूसरों पर उंगली उठाते हैं, तो याद रखें कि चार उंगलियां आपकी ओर भी होती हैं। आपको अब पश्चाताप करना चाहिए। यदि आपने सही काम किए होते, तो राजस्थान की जनता आज आपको विपक्ष में और हमें पक्ष में बैठाती। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जनप्रतिनिधियों को जनता के बीच में रहते हुए उनके काम करने चाहिए और उनसे किए गए वायदों को पूरा करना चाहिए। झूठ बोलकर आप ज्यादा समय तक नहीं चल सकते, हमें जनता के साथ खड़े होकर उनके काम को करना होगा, मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वर्ष 1949 में नव संवत चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल द्वारा विभिन्न रियासतों को मिलाकर वृहद राजस्थान की स्थापना की गई। इसलिए 30 मार्च 2025 को नव संवत चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन राजस्थान दिवसके अवसर पर सप्ताह भर आयोजन किए जाने के लिए 25 करोड़ रुपए के प्रावधान किए जाने की घोषणा करता हूं। साथ ही अब चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को ही राजस्थान दिवस मनाया जाएगा। आज के दिन की घोषणाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार हर वर्ग के हित में काम करने के लिए प्रतिबद्ध है और प्रदेश का भविष्य उज्जवल बनाने के लिए तत्पर है।

आईफा अवार्ड्स को लेकर नेता प्रतिपक्ष का सरकार पर तीखा हमला

जयपुर में जब सितारों की महफिल सजी थी, तब मुख्यमंत्री के क्षेत्र में गर्भवती महिला की इज्जत हो रही थी तार–तार

जयपुर,12 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में हुए आईफा अवॉर्ड्स को लेकर विपक्षी नेता टीकाराम जूली ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। जूली का आरोप है कि जब जयपुर में सितारों की महफिल सजी थी, उसी समय मुख्यमंत्री के अपने ही विधानसभा क्षेत्र सांगानेर में एक गर्भवती महिला की अस्मिता से खिलवाड़ किया जा रहा था। दुखद पहलू यह कि इस शर्मनाक घटना में किसी बाहरी अपराधी का नहीं, बल्कि पुलिसकर्मी का नाम सामने आया है–जिससे कानून और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

सरकार ने आईफा के आयोजन पर करीब 100 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि धार्मिक स्थलों, विशेष रूप से खाटू श्यामजी और गोविंद देवजी मंदिर, के लिए बजट में घोषित राशि अब तक जारी नहीं की गई। यह सवाल उठता है कि सरकार की प्राथमिकताएं क्या हैं? क्या राजस्थान की जनता के टैक्स का पैसा बॉलीवुड की चकाचौंध में उड़ाने के लिए है, जबकि आम जनता मूलभूत सुविधाओं से जूझ रही है?

जूली ने आरोप लगाया कि इस भव्य आयोजन में चुनिंदा लोगों को ही शामिल किया गया। 7-7 लाख रुपये के टिकट कुछ खास हाथों में ही गए। न सिर्फ विपक्ष बल्कि कई विधायकों और मंत्रियों को भी नजरअंदाज किया गया। क्या ये लोकतंत्र की भावना के अनुरूप है? अगर यह आयोजन वाकई राज्य के लिए गर्व की बात थी, तो आम जन को इससे दूर क्यों रखा गया? यही नहीं उन्होंने कहा कि आईफा में शाहरुख खान को छोड़ दें तो बाकी सभी सैकंड ग्रेड आर्टिस्ट थे।

बॉलीवुड सिंगर सोनू निगम ने भी इस आयोजन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिस कलाकार को राइजिंग राजस्थान में बुलाया गया उनको आईफा में भूल गए। यदि किसी कलाकार को सिर्फ इसलिए नॉमिनेशन से बाहर किया जाता है कि उसने सरकार की आलोचना की थी, तो यह सीधे तौर पर तानाशाही मानसिकता को दर्शाता है।

राजस्थान सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि जब राज्य में कानून–व्यवस्था का ये हाल है, किसानों की समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं, बेर–ोजगारी चरम पर है, तब इतना बड़ा फंड सिर्फ बॉलीवुड के एक कार्यक्रम पर क्यों खर्च किया गया? आईफा जैसे आयोजनों की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन जब जनता मूलभूत जरूरतों से जूझ रही हो, तब यह आयोजन 'ब्रांडिंग' से ज्यादा 'बेबसी का तमाशा' लगता है।

आईफा अवॉर्ड्स एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का इवेंट हो सकता है, लेकिन जब जनता की समस्याएं हाशिए पर चली जाएं, जब कानून–व्यवस्था रसातल में हो, जब धार्मिक स्थलों को घोषित फंड तक न मिले, और जब सरकार केवल अपने 'खास' लोगों के लिए तामझाम करे, तो इसे विकास नहीं कहा जा सकता। सवाल यही है–क्या राजस्थान की जनता ने सरकार को बॉलीवुड को प्रमोट करने के लिए चुना था या जनहित के कार्यों के लिए?

राजस्थान में साथिनों के मानदेय में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी, 1 अप्रैल से मिलेगा लाभ

जोधपुर,12 मार्च (एजेंसियां)। नारी सशक्तिकरण और आधी आबादी के समग्र विकास के लिए के लिए राज्य में जारी प्रयासों के अन्तर्गत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप प्रदेश सरकार ने साथिनों को मानदेय राशि में बढ़ोतरी का तोहफा दिया है।

इस बारे में राजस्थान सरकार की बजट घोषणा 2025-26 की क्रियान्विति के क्रम में साथिनों को देय मानदेय राशि में 10 प्रतिशत बढ़ोतरी कर 6428 रुपये कर दी गई है। इसका लाभ अप्रेल, 2025 से प्राप्त होना आरंभ हो जाएगा। इसके भुगतान की स्वीकृति वित्त विभाग द्वारा जारी की जा चुकी है। महिला अधिकारिता विभाग के आयुक्त ने बताया कि राजस्थान सरकार की बजट घोषणा 2025-26 के क्रियान्वयन के अन्तर्गत प्रदेश की साथिनों को देय मानदेय राशि 5 हजार 844 रुपये प्रतिमाह में 10 प्रतिशत वृद्धि के साथ राशि 6 हजार 428 रुपये प्रतिमाह 1 अप्रैल, 2025 से भुगताने करने की वित्त (व्यय-2) विभाग द्वारा सहमति प्रदान की गयी है।

राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया

दौसा,12 मार्च (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े बुधवार को दौसा दौरे पर रहे।सुबह कलेक्ट्रेट पहुंचते ही राज्यपाल को राष्ट्रगान की धुन के साथ गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कलेक्टर देवेन्द्र कुमार व एसपी सागर राणा ने राज्यपाल को गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया।राज्यपाल की सुरक्षा के मद्देनजर कलेक्ट्रेट के सभी दरवाजों को सील कर दिया गया। कर्मचारियों और मीडिया को सूचना केंद्र के गेट से प्रवेश दिया गया। सूचना केंद्र के पास मैदान में वाहनों की पार्किंग बनाई गई कलेक्ट्रेट में उच्च अधिकारियों के अलावा किसी के वाहन नहीं जाने दिए गए। वहीं कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार सहित सभी द्वार पर कड़ी चौकसी की गई। बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती से पूरा कलेक्ट्रेट परिसर छावनी में तब्दील हो गया। वहीं जगह-जगह बैरिकेडिंग लगा दी गई। राज्यपाल के दौरे को लेकर रात को ही सुरक्षा कर्मियों ने कलेक्ट्रेट भवन को अपने कब्जे में ले लिया सुबह उजाला होने से पहले ही कलेक्ट्रेट परिसर में भवन के चारों ओर सड़कों पर बैरिकेटिंग कर दी गई।

भाजपा की जीत लोगों की भावनाओं की जीत है : बड़ौली

चंडीगढ़,12 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि निकाय चुनाव में हरियाणा की जनता ने भाजपा की नीतियों पर विश्वास जताया है। निकाय चुनाव में मिली जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सुशासन, पारदर्शिता और विकास की नीतियों पर जनता की मुहर है। निकाय चुनाव में भाजपा को मिला ऐतिहासिक समर्थन यह साबित करता है कि जनता प्रदेश का विकास चाहती है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने भाजपा की जीत को हरियाणा के लोगों की

भावनाओं की जीत बताया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने विजयी प्रत्याशियों को जीत की बधाई दी साथ ही हरियाणा की देवतूल्य जनता का आभार जताया। बड़ौली ने प्रदेशवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं भी दी।

पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि मोदी सरकार ने पूरी दुनिया में जनता का मान और सम्मान बढ़ाने का काम किया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी प्रदेश की जनता के दिलों को जीत रहे हैं। इसी का परिणाम है कि नगर निकाय चुनाव में जनता जनार्दन ने भाजपा प्रत्याशियों को अपार आशीर्वाद देकर विजयी बनाने का काम किया है। बड़ौली ने कहा कि नायब सरकार मोदी सरकार की योजनाओं को अच्छी तरह से लोगों के घरों तक पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जनता की सेवा कर रहे हैं।

निकाय चुनाव में कांग्रेस के ढह गए गढ़ : धनखड़

चंडीगढ़,12 मार्च (एजेंसियां)। शहरी स्थानीय चुनावों में भाजपा को बंपर विजयश्री मिली है। सभी निगमों ,परिषदों और पालिकाओं में कमल खिला है या फिर भाजपा के सहयोगी और समर्थक जीतकर आए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने सभी को जीत की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह भाजपा की रीति – नीति की जीत है, मोदी और नायब सैनी के कुशल नेतृत्व की जीत है, यह भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ताओं की मेहनत की पराकाष्ठा की जीत है। दिल्ली विधानसभा में कांग्रेस की जीरो थी अब हरियाणा वालों ने भी निकाय चुनाव में कांग्रेस को जीरो कर दिया है।

राष्ट्रीय सचिव धनखड़ ने कहा कि हमारे मेयर,चेयरमैन और पार्षद बड़े बहुमत से जीते हैं, फरीदाबाद में भाजपा की नव निर्वाचित मेयर प्रवीण जोशी की जीत तीन लाख से अधिक मतों से हुई हैं।फरीदाबाद में दादरी की बेटी प्रवीण जोशी ने जीत के अंतर का नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। इस तरह की बंपर जीत से भाजपा कार्यकताओं का मनोबल सातवें आसमान पर है। निश्चित रूप से भाजपा की बड़ी जीत से विकास की गति और तेज होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी एक परिवार को आगे बढ़ाने के प्रयास में पतन की ओर तेजी से अग्रसर हो रही है। हरियाणा में कांग्रेस के पास न नेता है और न ही नीति है। कांग्रेस में केवल पिता पुत्र की जोड़ी बची थी , जो रोहतक को अपना गढ़ होने का दावा करती थी, वो गढ़ भी जनता ने ढहा दिया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ोली को राहत, कोर्ट ने स्वीकार की क्लोजर रिपोर्ट

चंडीगढ़,12 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली और गायक रॉकी मित्तल को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कसौली पुलिस द्वारा दर्ज गैंगरेप मामले में कोर्ट ने पुलिस की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार कर ली है। पुलिस ने मामले में पर्याप्त सबूत न मिलने के कारण इसे बंद करने की सिफारिश की थी।

13 दिसंबर 2024 को कसौली थाना में एक महिला ने भाजपा नेता मोहनलाल बडोली और सिंगर रॉकी मित्तल के खिलाफ गैंगरेप का मामला दर्ज कराया था। इस मामले की जांच के दौरान पुलिस को कोई ठोस सबूत नहीं मिला, जिसके चलते पुलिस ने केस को बंद करने का निर्णय लिया।

मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने शिकायतकर्ता महिला को दो बार समन जारी किया था, लेकिन वह अदालत में पेश नहीं हुई। इसके चलते कोर्ट ने पुलिस की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार कर ली।

हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र गरमाया कांग्रेस का सदन से वॉक आउट

चंडीगढ़,12 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र इन दिनों काफी गरमाया हुआ है। सत्र के चौथे दिन की कार्यवाही प्रश्नकाल से शुरू हुई, लेकिन जैसे-जैसे चर्चा आगे बढ़ी, विपक्ष और सत्ताधारी दल के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। माहौल इतना गर्म हो गया कि कांग्रेस ने नाराजगी जाहिर करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया।

सिर्फ विपक्ष और सरकार ही नहीं, बल्कि भाजपा के नेताओं के बीच भी तीखी बहस देखने को मिली। मंगलवार, 11 मार्च को कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा और सफीदों के विधायक रामकुमार गौतम के बीच तनातनी हो गई। बहस की शुरुआत तो सामान्य मुद्दों से हुई, लेकिन देखते ही देखते यह चर्चा गोहाना की मशहूर जलेबी और गोबर तक जा पहुंची।

विधायक रामकुमार गौतम ने गोहाना की जलेबियों को लेकर सदन में टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि गोहाना की जलेबी को पारंपरिक देसी घी में बनाए जाने का दावा किया जाता है, लेकिन हकीकत इससे अलग है। उनके मुताबिक, इन जलेबियों में देसी घी के बजाय अन्य तेलों का इस्तेमाल किया जाता है, और वहां साफ-सफाई को लेकर भी कई खामियां हैं। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, अगर मेरी मानें, तो गोहाना की जलेबियों से दूरी बनाकर रखना ही बेहतर होगा। इस पूरे घटनाक्रम के बीच कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने सरकार पर जमकर निशाना साधा। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है और आम जनता की परेशानियों को नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने कहा कि जब राज्य में बेर-ोजगारी, किसानों की समस्याएं और महंगाई जैसे गंभीर मुद्दे हैं, तब सदन में जलेबी और गोबर पर चर्चा हो रही है। विधानसभा का यह बजट सत्र हरियाणा की राजनीति में कई अहम मोड़ों को दर्शा रहा है। पक्ष और विपक्ष के बीच बढ़ते टकराव के कारण आने वाले दिनों में और ज्यादा हंगामे की संभावना जताई जा रही है। अब देखना होगा कि सरकार कैसे विपक्ष के सवालों का सामना करती है और क्या यह बहस राज्य के वास्तविक मुद्दों पर केंद्रित हो पाएगी या नहीं।

राबड़ी देवी का तीखा हमला

भांग पीकर सदन में आते हैं नीतीश कुमार, महिलाओं का करते हैं अपमान

पटना (एजेंसियां)।

बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और राजद नेत्री राबड़ी देवी ने मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार सदन में भांग पीकर आते हैं और महिलाओं की बेइज्जती करते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा बार-बार 2005 से पहले के बिहार को लेकर की जा रही आपत्तिजनक टिप्पणियों से राज्य की जनता आहत है।

राबड़ी देवी ने मुख्यमंत्री के उस बयान पर नाराजगी जताई जिसमें उन्होंने कहा था कि 2005 से पहले कोई कपड़ा पहनता था क्या? इस पर पलटवार करते हुए राबड़ी देवी ने कहा कि मैं राज्य सरकार और प्रधानमंत्री से पूछना चाहती हूं कि क्या 2005 से पहले आपके घर की महिलाएं कपड़ा नहीं पहनती थीं? क्या वे नंगी रहती थीं? उन्होंने इस बयान को घोर अपमानजनक और महिलाओं का अपमान करार दिया।

राबड़ी देवी ने कहा कि नीतीश कुमार बार-बार यह कहते हैं कि 2005 से पहले कुछ नहीं हुआ, लेकिन उन्हें फाइल खोलकर देखनी चाहिए कि बिहार में महिलाओं, पिछड़ों और अति पिछड़ों के लिए क्या-क्या काम हुए हैं। उन्होंने कहा कि अगर नीतीश कुमार को सब कुछ 2005 से ही दिखता है, तो क्या वे उसी साल ऊपर से टपक गए? क्या उनका राजनीतिक जीवन उससे पहले अस्तित्व में ही नहीं था? उन्होंने मीडिया से अपील करते हुए कहा कि पत्रकार अपने माता-पिता से पूछें कि 2005 से पहले लोग क्या बिना कपड़ों के रहते थे? बाजार-हाट नहीं जाते थे? व्यापार नहीं होता था? उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा की गई ऐसी बातें केवल जनता की बुद्धिमत्ता का अपमान है।

राबड़ी देवी ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने सदन के भीतर दो बार उनका अपमान किया है।

उन्होंने कहा कि सदन में ऐसा व्यवहार न केवल व्यक्तिगत अपमान है, बल्कि सभी महिलाओं के लिए अपमानजनक उदाहरण है। उन्होंने नीतीश कुमार के व्यवहार को लोकतांत्रिक मूल्यों और गरिमा के खिलाफ बताया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि बिहार की महिलाएं अब जागरूक हैं और ऐसे अपमानजनक बयानों को बर्दाश्त नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को जनता और विशेषकर महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए। राबड़ी देवी के इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। विपक्ष ने इसे महिला विरोधी मानसिकता का प्रमाण बताया है, वहीं सत्ता पक्ष की ओर से फिलहाल इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

कर्नाटक के सांसद बसवराज बोम्मई ने रान्या राव मामले की गहन जांच की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव से जुड़े अवैध सोने की तस्करी नेटवर्क की गहन और व्यापक जांच की मांग की है। दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए, बोम्मई ने नेटवर्क में शामिल सभी लोगों को बेनकाब करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसमें कथित तौर पर अभिनेत्री से जुड़ी महत्वपूर्ण आपराधिक गतिविधियाँ शामिल हैं। बोम्मई ने स्पष्ट किया कि उनके कार्यकाल के दौरान, जिरोदा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को भूमि का आवंटन, जहां राव निदेशक थीं, कभी भी मुख्यमंत्री कार्यालय तक नहीं पहुंचा। बोम्मई ने कहा तुमकुरु जिले के सिरा औद्योगिक क्षेत्र में जिरोदा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को जमीन आवंटित की गई थी। जब भी उद्यमी जमीन मांगते हैं, हम जरूरी समझौतों का पालन करते हैं। प्रधान सचिव और वरिष्ठ अधिकारियों वाली एक भूमि लेखा परीक्षा समिति, व्यावसायिक जरूरतों के आधार पर जमीन आवंटन का मूल्यांकन और सिफारिश करती है। 500 करोड़ रुपये तक की लागत वाली

परियोजनाओं का फैसला मंत्री स्तर पर होता है और वे मुख्यमंत्री तक नहीं पहुँचतीं। मेरे कार्यकाल में यह मुद्दा नहीं उठा। उद्योग मंत्री के नेतृत्व में एकल खिड़की कार्यवाही के जरिए आवंटन किया जाता है। जमीन आवंटित होने के बाद, भुगतान के लिए नोटिस जारी किया जाता है। चूंकि भुगतान नहीं किया गया, इसलिए जमीन नहीं सौंपी गई। सांसद ने कहा कि औद्योगिक विकास के हित में जमीन के लिए कई आवेदन प्रस्तुत किए जाते हैं। उन्होंने कहा मौजूदा सरकार ने भी हजारों करोड़ की जमीन आवंटित की है। कोई भी भविष्य में होने वाली आपराधिक गतिविधियों की भविष्यवाणी नहीं कर सकता। दुबई से अवैध रूप से सोना तस्करी करने वाली अभिनेत्री की जांच जारी है और इसे सभी आयामों में चलाया जाना चाहिए, और दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। मीडिया में आई खबरों पर टिप्पणी करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले में दो मंत्रियों के शामिल होने का आरोप लगाया गया है। उन्होंने कहा यह कोई अकेली घटना नहीं है। इतना बड़ा अपराध अधिकारियों की संलिप्तता के बिना नहीं हो सकता। इसके पीछे के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश होना चाहिए। सीबीआई जांच से पता चलेगा कि कौन जिम्मेदार था। गहन जांच से सच्चाई सामने आएगी। बोम्मई ने बेंगलूरु के प्रशासन में विफलता के लिए राज्य सरकार पर हमला किया और कहा कि सड़क मरम्मत से लेकर नई सड़क निर्माण और जल निकासी प्रबंधन तक। कुछ भी ठीक से नहीं संभाला गया है। दो साल से वे केवल ब्रांड बेंगलूरु के बारे में बात कर रहे हैं, लेकिन कुछ भी लागू नहीं किया है। यहां तक कि बजट में भी कोई व्यावहारिक परियोजना घोषित नहीं की गई है। हमारे कार्यकाल के दौरान, हमने 1,700 करोड़ रुपये के विश्व बैंक ऋण की योजना बनाई थी, जिसे अब अंतिम रूप दिया गया है। सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने की कोशिश कर रही है।

स्नान करने के दौरान दो दोस्तों की डूबने से मौत, गांव में छाया मातम

वैशाली (एजेंसियां)।

वैशाली जिले के सहदेई थाना क्षेत्र के बाजितपुर चकस्तूरी गांव में एक हृदयविदारक हादसे ने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया। पोखर में स्नान करने के दौरान दो किशोर दोस्तों की डूबकर मौत हो गई, जबकि दो अन्य दोस्तों को समय रहते बचा लिया गया।

जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को चार किशोर मित्र अपने गांव के पास स्थित चकस्तूरी पोखर में स्नान करने गए थे। लेकिन स्नान के दौरान अचानक चारों गहरे पानी में चले गए। स्थानीय लोगों की तत्परता से परमहंस राय के पुत्र शिवा कुमार और रंजीत चौधरी के पुत्र संजीव कुमार को पानी से सकुशल बाहर निकाल लिया गया। मगर 13 वर्षीय शिवम कुमार और 17 वर्षीय आदित्य कुमार गहरे पानी में समा गए और उनकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों ने पोखर में शवों की तलाश शुरू की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद डऊठक्र की टीम को बुलाया गया, जिन्होंने दूसरे दिन दोनों किशोरों के शव को बाहर निकाला। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, हाजीपुर भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मृतक की पहचान मोहन राय के पुत्र शिवम कुमार (13) और सुरेंद्र राय के पुत्र आदित्य कुमार (17) के रूप में हुई है। शिवम अपने दो भाइयों में सबसे छोटा था और देसरी स्थित एक निजी विद्यालय में पढ़ता था। वहीं, आदित्य चार भाई-बहनों में दूसरे स्थान पर था और इसी वर्ष उसने मैट्रिक की परीक्षा दी थी। दोनों किशोर अपने दोस्तों के साथ पशुओं के लिए चारा लाने चौर गए थे, जिसके बाद स्नान के लिए पोखर में उतर गए।

इस हादसे के बाद शिवम की मां रीना देवी और आदित्य की मां प्रियंका देवी समेत पूरे परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है और हर आंख नम है। गांव के लोग इस हादसे से अभी तक उबर नहीं पा रहे हैं। वहीं, इस हृदयविदारक घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की है। साथ ही स्थानीय लोगों ने पोखर के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने और चेतावनी बोर्ड लगाने की भी अपील की है ताकि भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न हो।

होली पर मेयर के बयान से सियासी घमासान

भाजपा सांसद-विधायक ने बयान को बताया सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाला

दरभंगा (एजेंसियां)।

होली के मौके पर दरभंगा नगर निगम की मेयर अंजुम आरा के एक बयान ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। मेयर द्वारा होली के समय परिवर्तन की बात कहने पर भारतीय जनता पार्टी के सांसद और विधायक दोनों ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि यह बयान सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाला है और इससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है।

दरभंगा से भाजपा सांसद गोपाल जी ठाकुर ने इस बयान की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि मेयर का इस तरह का वक्तव्य न केवल संवैधानिक मर्यादाओं के खिलाफ है, बल्कि इससे मिथिला की शांति और समरसता की परंपरा को भी ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पदों

पर बैठे व्यक्तियों को ऐसा बयान नहीं देना चाहिए, जिससे किसी भी वर्ग की भावनाएं आहत हों। मिथिला की धरती मां जानकी की भूमि है, जहां लोग हमेशा प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के साथ त्योहार मनाते आए हैं।

सांसद ने जिला प्रशासन से विधि सम्मत कार्रवाई की मांग करते हुए जनता से अपील की कि वे हमेशा की तरह शांति और उल्लास के साथ होली मनाएं।

इस पूरे मामले पर केवटी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक डॉ. मुरारी मोहन झा ने भी अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि मेयर का बयान दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य है। उन्होंने सवाल उठाया कि जुमा तो साल में 52 बार आता है, लेकिन होली साल में केवल एक बार होती है। यह हिंदुस्तान है और यहां की संस्कृति में त्योहारों का विशेष महत्व है।

विधायक ने तंज कसा कि अगर समय बदलना ही है तो आप जुमे की नमाज का समय दो घंटे आगे कर लीजिए, होली अपने समय पर ही मनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस तरह के बयान केवल जनता को भ्रमित करने और माहौल बिगाड़ने के उद्देश्य से दिए जाते हैं, जो पूरी तरह अनुचित है।

दरअसल, दरभंगा जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जिला शांति समिति की बैठक में दरभंगा नगर निगम की मेयर अंजुम आरा ने कहा कि होली और जुमे की नवाज एक ही दिन पड़ गई है। इसलिए हिंदू भाई साढ़े बारह से दो बजे तक होली को रोक दें। मेयर अंजुम आरा ने कहा कि क्योंकि होली थोड़ा आगे पीछे भी खेली जा सकती है, लेकिन जुमे की नवाज का समय आगे पीछे नहीं किया जा सकता है। मेयर अंजुम आरा ने कहा कि होली और रमजान पहले भी कई बार एक ही दिन मनाया जा चुका है। इसलिए उन्होंने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में दोनों त्योहारों को लोग खुशी पूर्वक मनाएं। नगर निगम की तरफ से साफ-सफाई की पूरी व्यवस्था की गई है।

मेयर अंजुम आरा के बयान के बाद स्थानीय स्तर पर भी तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं।

लोग इसे मिथिला की परंपरा पर सीधा हमला बता रहे हैं। सोशल मीडिया से लेकर चाय दुकानों तक यह विषय चर्चा का केंद्र बन गया है।

भोजपुर में दिल दहला देने वाली घटना

पिता ने चार बच्चों के साथ खाया जहर, तीन मासूमों की मौत

पटना (एजेंसियां)।

भोजपुर जिले में तनिष्क शोक रूम में लूट के बाद एक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। बिहिया थाना क्षेत्र के बेलवानिया गांव में एक पिता ने अपने चार बच्चों के साथ जहर खा लिया। इस हादसे में तीन बच्चों की मौत हो गई, जबकि दो की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी को तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने तीन बच्चों को मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि परिवार के अन्य सदस्य शादी समारोह में गए हुए थे, तभी इन लोगो ने जहर कीटनाशक का लिया. इस घटना के बाद घर के बाकी के सदस्य जब पहुंचे तो दरवाजा खुलवाने लगे लेकिन दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद दरवाजे को तोड़ा गया और देखा

कि पिता सहित उनके चारों बच्चे गंभीर हालत में पड़े थे।

परिजनों ने उन पांचों को आननफानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया। इस घटना में अरविंद कुमार उनकी पुत्री नंदनी कुमारी (12) डॉली कुमारी (5) आदर्श कुमार (10) और टोनी कुमार (6) शामिल है। इलाज के दौरान दो बेटी और एक बेटे की मौत हो गई। मृतकों में नंदनी कुमारी, डॉली कुमारी और टोनी की मौत हो गई। इसके बाद घटना को लेकर काफी देर तक आरा सदर अस्पताल में अफरातफरी मची रही।

इधर, बिहिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने परिवार के सभी सदस्य से पूछताछ शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक जहर खाने के कारण का पता नहीं चल पाया है। इस घटना ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि युवक की पत्नी की पिछले साथ ही मौत हो गई थी। पिछले साल पत्नी की छत से गिरकर मौत हो गई थी। तब से वह गुमसुम रहता था। प्रतीत होता है कि डिप्रेशन में होने के कारण उसने पहले सभी बच्चों को जहर खिलाया फिर खुद जहर खाकर आत्महत्या ही कोशिश की।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की पूरी तरह से छानबीन की जाएगी और जल्द ही घटना के कारणों का खुलासा किया जाएगा। फिलहाल, शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है, और जांच जारी है। इस दुखद घटना ने गांव में माहौल को गमगीन कर दिया है। वहीं परिजन कुछ भी बताने से इनकार कर रहे है। हालांकि पत्नी की मौत के बाद से पिता अपने बच्चों को लेकर काफी परेशान चल रहे थे। वहीं मौके पर पहुंचे बिहिया थाना के दरोगा भगत यादव ने बताया कि जहर खाने से तीन बच्चों की मौत हुई है। हालांकि इन लोगों ने जहर क्यों खाया यह अभी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है। परिजन से बात करने के बाद ही कुछ स्पष्ट हो पाएगा।

पति ने बेरहमी से पीटकर उतारा पत्नी को मौत के घाट, बाद में खुद भी लगाई फांसी

भागलपुर (एजेंसियां)।

भागलपुर जिले के शाहकुंड थाना क्षेत्र के दामोदर गांव में मंगलवार की रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। पारिवारिक विवाद में पति ने पहले अपनी पत्नी की बेरहमी से पिटाई कर उसकी हत्या कर दी, फिर खुद पेड़ से लटककर आत्महत्या कर ली। इस दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है, वहीं गांव में गमगीन माहौल बना हुआ है।

जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान रवि रंजन सिंह उर्फ मुरारी (30) और उसकी पत्नी प्रीति कुमारी (25) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि पांच साल पहले रवि रंजन की शादी छत्रपाल गांव की प्रीति कुमारी से हुई थी। शादी के बाद से ही दोनों के बीच अक्सर विवाद होते रहते थे। गांव वालों के मुताबिक, रिश्ते में तनाव लगातार बना हुआ था और आए दिन उनके झगड़े की आवाजें सुनाई देती थीं।

मंगलवार की रात भी किसी बात को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस हुई, जो धीरे-धीरे हिंसा में बदल गई। गुस्से में आकर रवि रंजन ने पत्नी की बेरहमी से पिटाई की, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी की हत्या के बाद, रवि रंजन ने पास के बगीचे में जाकर फांसी लगा ली और अपनी जान भी दे दी। घटना का पता अगले दिन सुबह तब चला, जब पड़ोसियों ने घर का दरवाजा बंद देखा और कोई आवाज न आने पर उन्हें शक हुआ। घर के अंदर पत्नी का शव और बगीचे में पति की लाश पेड़ से लटकी मिली। इसके बाद तुरंत ही शाहकुंड थाना और सजौर थाना की पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शाहकुंड थाना अध्यक्ष जयनाथ शरण ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और परिजनों से पूछताछ भी शुरू की गई है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि विवाद की असली वजह क्या थी और क्या इसके पीछे कोई अन्य पहलू भी है।इस हृदयविदारक घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। मृतक दंपती के परिजन और रिश्तेदार गहरे सदमे में हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय रहते किसी ने हस्तक्षेप किया होता तो शायद यह घटना टाली जा सकती थी। फिलहाल गांव में शोक का माहौल है और हर कोई इस त्रासदी से व्यथित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com